@Qpatrika
@qaumipatrika hindi
instagram.com/qaumipatrika

कौमी पत्रिका
राष्ट्रीय दैनिक अखबार

दिल्ली-हरियाणा-पंजाब-चण्डीगढ़-उत्तर प्रदेश से प्रसारित
शनिवार, 23 नवंबर 2024

VISIT:
www.qaumipatrika.in
Email: qpatrika@gmail.com

R.N.I. No. UP-HIN/2007/21472 सम्पादक - गुरचरन सिंह बब्बर वर्ष 18 अंक 13 qaumipatrikahindi 011-41509689, 23315814, 9312262300 गाजियाबाद संवत् 2077-78, पेज (12) मूल्य 3.00 रुपये (हवाई शुल्क 50 पैसे अतिरिक्त)

अदाणी समूह के साथ ओडिशा में बिजली खरीद समझौतों से जुड़ी रिपोर्ट गलत: बीजू जनता दल

नई दिल्ली, 22 नवंबर। बीजू जनता दल ने अदाणी समूह के साथ ओडिशा में बिजली खरीद समझौतों से संबंधित रिपोर्टों का खंडन किया है। पार्टी ने सभी आरोपों को निराधार और गलत बताया है। पार्टी ने सोशल मीडिया पर इसकी जानकारी दी। उन्होंने बताया कि 2021 में बिजली खरीद समझौता दो सरकारी एजेंसियों के बीच था। किसी भी प्राइवेट पार्टी के बीच यह समझौता नहीं किया गया था। बीजद ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर कहा, यह केंद्र सरकार की एक योजना का हिस्सा है जिसे मैन्युफैक्चरिंग लिंक्ड सोलर स्कीम कहा जाता है। यह समझौता एसईसीआई द्वारा 500 एमडब्ल्यू नवीकरणीय ऊर्जा खरीदने के लिए था। अदाणी समूह समेत किसी भी प्राइवेट पार्टी के बीच यह समझौता नहीं किया गया था। इससे पहले आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री चंद्रबाबू नायडू ने भी अदाणी समूह पर लगे आरोपों पर प्रतिक्रिया दी थी। उन्होंने बताया कि उनके पास पिछली वाईएसआरसीपी सरकार और अदाणी समूह से जुड़े रिश्वत घोटाले से संबंधित अमेरिका में दायर चार्जशीट रिपोर्ट है। सीएम नायडू ने बताया कि पांच महीनों से 2019 से लेकर 2024 के बीच हुए भ्रष्टाचार के आरोपों पर टीडीपी सरकार चर्चा कर रही है। वाइएसआरसीपी सरकार और अदाणी समूह पर लगे आरोपों पर सीएम नायडू ने कहा कि इससे दक्षिणी राज्य की छवि को नुकसान पहुंचा है। हालांकि, वाईएसआरसीपी ने अपने ऊपर लगे आरोपों को खारिज कर दिया। पार्टी ने बताया कि अदाणी समूह के साथ कोई सीधा समझौता नहीं हुआ है। भारत के दूसरे सबसे अमीर शख्स गौतम अदाणी सहित सात लोगों पर अमेरिका के न्याय विभाग ने आरोप लगाया है कि उन्होंने आंध्र प्रदेश और ओडिशा सरकार के अधिकारियों को महंगी सौर उर्जा खरीदने के लिए रिश्वत दी। इससे अदाणी समूह को अदाणी समूह को अगले बीस वर्षों में दो अरब डॉलर से ज्यादा का मुनाफा हो सकता था। हालांकि, अदाणी समूह ने इन आरोपों को खारिज किया है और कहा है कि अमेरिकी अभियोजकों के आरोप बेबुनियाद हैं और समूह सभी कानूनों का पालन करता है।

संविधान में समाजवादी-धर्मनिरपेक्ष जैसे शब्द जोड़ने के केस में फैसला सुरक्षित: सुप्रीम कोर्ट

सिम्मी कौर बब्बर

नई दिल्ली, 22 नवंबर। संविधान की प्रस्तावना में समाजवादी और धर्मनिरपेक्ष शब्द शामिल किए जाने के खिलाफ दाखिल याचिका पर शीर्ष कोर्ट ने सुनवाई के बाद फैसला सुरक्षित रख लिया है। सुप्रीम कोर्ट की मुख्य न्यायाधीश संजीव खन्ना और न्यायमूर्ति संजय कुमार की पीठ पूर्व राज्यसभा सांसद सुब्रमण्यम स्वामी, अधिवक्ता विष्णु शंकर जैन और अन्य द्वारा दायर याचिकाओं के एक समूह पर सुनवाई कर रही थी। इन याचिकाकर्ताओं ने इन दोनों शब्दों के संविधान में शामिल किए जाने के खिलाफ याचिका दाखिल की थी। गौरतलब है कि 1976 में पारित 42वें संशोधन के बाद इन दोनों शब्दों को संविधान की प्रस्तावना में शामिल किया गया था। इस दौरान सीजेआई ने कहा कि संविधान में 42वां संशोधन इस अदालत द्वारा कई न्यायिक समीक्षाओं के अधीन किया गया है। हम यह नहीं कह सकते कि संसद ने उस समय (आपातकाल) जो कुछ भी किया वह सब अमान्य था। फैसला सुरक्षित रखते हुए पीठ ने मामले को संविधान पीठ को भेजने से इनकार करते हुए याचियों की मांग को खारिज कर दिया। साथ ही कहा कि भारतीय अर्थों में समाजवादी होना एक कल्याणकारी राज्य समझा जाता है। सीजेआई की पीठ ने पीठ ने इस मुद्दे पर अपना फैसला सुनाने के लिए 25 नवंबर की तारीख तय की है। बता दें कि 1976 में इंदिरा गांधी सरकार ने 42वें संवैधानिक संशोधन करके संविधान की प्रस्तावना में समाजवादी, धर्मनिरपेक्ष और अखंडता शब्द शामिल किए थे। इस संशोधन के बाद प्रस्तावना में भारत का स्वरूप संप्रभु, लोकतांत्रिक गणराज्य से बदलकर संप्रभु, समाजवादी, धर्मनिरपेक्ष, लोकतांत्रिक गणराज्य हो गया था। सुनवाई के दौरान अपनी दलील देते हुए अधिवक्ता विष्णु कुमार जैन ने कहा कि नौ-न्यायाधीशों की संविधान पीठ के एक

हालिया फैसले का हवाला दिया। उन्होंने कहा कि संविधान के अनुच्छेद 39(बी) पर 9 जजों की पीठ के फैसले का जिक्र करते हुए कहा कि उस फैसले में शीर्ष कोर्ट ने समाजवादी शब्द की उस व्याख्या पर असहमति जताई जिसे शीर्ष अदालत के पूर्व न्यायाधीश न्यायमूर्ति वी आर कृष्णा अय्यर और ओ चिन्नप्पा रेड्डी ने प्रतिपादित किया था। इस पर सीजेआई खन्ना ने कहा कि भारतीय संदर्भ में हम समझते हैं कि भारत में समाजवाद अन्य देशों से बहुत अलग है। हम समाजवाद का मतलब मुख्य रूप से एक कल्याणकारी राज्य समझते है। कल्याणकारी राज्य में उसे लोगों के कल्याण के लिए खड़ा होना चाहिए और अवसरों की समानता प्रदान करनी चाहिए। उन्होंने कहा कि शीर्ष अदालत ने 1994 के एसआर बोम्मई मामले में धर्मनिरपेक्षता को संविधान की मूल संरचना का हिस्सा माना था। वकील जैन ने आगे तर्क दिया कि संविधान में 1976 का संशोधन लोगों को सुने बिना पारित किया गया था क्योंकि यह आपातकाल के दौरान पारित किया गया था। इन शब्दों को शामिल करने का मतलब लोगों को विशिष्ट विचारधाराओं का पालन करने के लिए मजबूर करना होगा। उन्होंने कहा कि जब प्रस्तावना एक कट-ऑफ तारीख के साथ आती है, तो इसमें नए शब्द कैसे जोड़े जा सकते हैं? वहीं, मामले में एक अन्य याची वकील अश्विनी वैष्णव ने कहा कि वह समाजवाद और धर्मनिरपेक्षता की अवधारणाओं के खिलाफ नहीं हैं, लेकिन प्रस्तावना में उन्हें शामिल करने का विरोध करते हैं।

90 के दशक में लिए गए गलत फैसलों को भूल रही कांग्रेस: जे.पी. नड्डा

नरेश मल्होत्रा

नई दिल्ली, 22 नवंबर। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के राष्ट्रीय अध्यक्ष जे.पी. नड्डा ने मणिपुर में जारी हिंसा को लेकर कांग्रेस प्रमुख मल्लिकार्जुन खरगे को पत्र लिखा है। इससे पहले विपक्षी नेता ने इस मुद्दे पर राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू को पत्र लिखा था। पत्र में नड्डा ने लिखा, इस साल की शुरुआत में जब प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी मणिपुर में हिंसा के मुद्दे को संबोधित कर रहे थे, तब आप और आपकी पार्टी ने जिस अपमानजक और गैर-जिम्मेदाराना तरीके वॉकआउट किया था, उसे प्रत्यक्ष रूप से देखने के बाद इस मुद्दे पर राष्ट्रपति को संबोधित आपका पत्र देखना मेरे लिए हैरान करने वाला है। कांग्रेस के नेताओं की ओर से राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू पर अनगिनत अपमानजनक टिप्पणियां की गई हैं, फिर भी आपके पत्र को देखकर यह देखकर खुशी हुई कि आपकी पार्टी ने भारत के सर्वोच्च संविधानिक पद और उस पर बैठे प्रतिष्ठित व्यक्ति को कुछ तो सम्मान दिखाया है। हालांकि, मुझे यह जवाब देने की आवश्यकता इसलिए महसूस हो रही है, क्योंकि आपके

शब्दों में जो गलत, झूठा और राजनीतिक रूप से प्रेरित संदेश है, उसे आप छिपाने में असफल रहे हैं। ऐसा लगता है कि आप आपकी पार्टी और कांग्रेस सरकार दोनों ने 90 के दशक में और यूपीए सरकार के समय किए गए गलत फैसलों को भूल रही है। मैं आपकी पार्टी को याद दिलाना चाहता हूं कि कांग्रेस की इस बड़ी नाकामी के परिणाम आज मणिपुर में महसूस किए जा रहे हैं। नड्डा ने कहा, पिछले दस वर्षों में प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में हमारे पूर्वोत्तर क्षेत्र ने हर क्षेत्र में बड़ा बदलाव देखा है, चाहे वह अर्थव्यवस्था हो, सुरक्षा, स्वास्थ्य सेवा, शिक्षा या विकास के अवसरों तक पहुंच हो। हमारे पूर्वोत्तर में गोलीबारी और विस्फोट रोजमर्रा की बात बन गए थे,वहां देश की आजादी के बाद वहां पहली बार शांति, समृद्धि और प्रगति देखी जा रही है। यह बदलाव उन लोगों से पूरी तरह से समर्थन हासिल कर रहा है, जिन्होने बार-बार कांग्रेस और उनके सहयोगियों के झूठे वालों की जगह डबल-इंजन एनडीए सरकारों की स्थिरता पर भरोसा जताया है। दस वर्षों में ऐतिहासिक शांति समझौतों से लेकर अभूतपूर्व कनेक्टिविटी तक, हमारी सरकारें वास्तव में पूर्वोत्तर के लोगो को एक-दूसरे के करीब ला रही हैं।

मंत्री अमन अरोड़ा बने आम आदमी पार्टी के नए अध्यक्ष

चंडीगढ़, 22 नवंबर। पंजाब सरकार के कैबिनेट मंत्री अमन अरोड़ा आम आदमी पार्टी पंजाब के नए प्रधान बन गए हैं। सीएम भगवंत मान ने एक्स पर पोस्ट कर ये जानकारी दी। सीएम ने लिखा-आज मैंने पार्टी अध्यक्ष की जिम्मेदारी अपने दो करीबी साथी कैबिनेट मंत्री अमन अरोड़ा और विधायक अमनशेर सिंह शैरी कलसी को सौंप दी है। पार्टी ने फैसला किया है कि अमन अरोड़ा पार्टी अध्यक्ष और शैरी कलसी उपाध्यक्ष के तौर पर काम करेंगे। मुझे अपने दोनों साथियों पर पूरा विश्वास है कि वे आने वाले समय में पार्टी और संगठन को पंजाब में और मजबूत करेंगे और नई ऊंचाइयों तक लेकर जाएंगे। अमन अरोड़ा सुनाम से विधायक हैं। अरोड़ा पहली बार मार्च 2017 में पंजाब विधानसभा चुनाव का चुनाव रिकॉर्ड मतों से जीते थे। वे आम आदमी पार्टी की पंजाब राज्य इकाई के सह-अध्यक्ष हैं। अमन दो बार के विधायक और पंजाब के मंत्री भगवान दास अरोड़ा के बेटे हैं। इससे पहले वे कांग्रेस के टिकट पर 2007 और 2012 में दो बार सुनाम से चुनाव लड़ चुके हैं। जनवरी 2016 में वे आम आदमी पार्टी में शामिल हो गए थे। आप की 2.0 सरकार के लिए सीएम भगवंत मान पहले ही पार्टी के प्रधान पद से कदम पीछे खींचने का एलान कर चुके थे। दरअसल पार्टी हाईकमान पंजाब में अपनी सत्ता बरकरार रखना चाहती है, यही कारण है कि हाईकमान के मंशा को देखते हुए सीएम ने कदम पीछे खींचे थे। ताकि मुख्यमंत्री की जिम्मेदारी निभाते हुए संगठनात्मक मजबूती को आगे बढ़ाया जा सके। अमन अरोड़ा पार्टी का प्रमुख हिंदू चेहरा हैं।

चुनावी नतीजों से पहले उद्धव शिवसेना का जीतने का दावा

मुंबई, 22 नवंबर। महाराष्ट्र विधानसभा के नतीजों से पहले ही जहां महाविकास आघाड़ी (एमवीए) और महायुति ने अपनी-अपनी जीत के दावे करने शुरू कर दिए हैं, वहीं दोनों गठबंधनों में सीएम पद को लेकर आंतरिक रूप से टकराव भी शुरू हो गया है। अब नतीजों से पहले उद्धव ठाकरे वाली शिवसेना ने दावा किया है कि वह बहुमत हासिल करने जा रही है। शिवसेना (यूबीटी) नेता संजय राउत ने कहा, परिणाम कल आएंगे। हमें यकीन है कि हम बहुमत हासिल करने जा रहे हैं। हमारे 160-165 विधायक चुने जाएंगे। खोखा वाले उन पर दबाव बनाएंगे, इसलिए हमने उनके लिए एक होटल में एक साथ रहने की व्यवस्था की है। शरद पवार, कांग्रेस और उद्धव ठाकरे को (मुख्यमंत्री का चेहरा चुनने में) भूमिका निभानी होगी। एमवीए को पूर्ण बहुमत मिलेगा और हम सर्वसम्मति से निर्णय लेंगे। अभी तक कोई फार्मूला नहीं बना है, सभी मिलकर बैठेंगे और सीएम चुनेंगे।

शिवसेना (यूबीटी) नेता प्रियंका चतुर्वेदी ने कहा, महाराष्ट्र के लोग उन्हें (महायुति) अगले 25 वर्षों के लिए मुक्त करने जा रहे हैं। लूट, भ्रष्टाचार और अदाणी की सरकार खत्म होने वाली है। हमें बहुमत मिलेगा और हम पांच साल तक लोगों की सेवा करेंगे। वे लोग हेलीकॉप्टर की बुकिंग इसलिए कर रहे हैं क्योंकि उन्हें पता है कि जब यह लोग हारेंगे तब लोग उनसे सवाल पूछेंगे और उन्हें भागने की जरूरत पड़ेगी। महाराष्ट्र में विधानसभा चुनावों के दौरान बुधवार को हुई बंपर वोटिंग ने तीन दशक का रिकॉर्ड तोड़ दिया। चुनाव आयोग के मुताबिक, राज्य में में 288 विधानसभा सीटों पर 65.11 फीसदी मतदान हुआ, जो पिछले 30 साल में सबसे अधिक है। इससे पहले 1995 के विधानसभा चुनाव में महाराष्ट्र में 71.7 फीसदी मतदान हुआ था। महाराष्ट्र में 2019 के विधानसभा चुनाव में 61.44 फीसदी वोट पड़े थे।

संसद में राहुल-प्रियंका के साथ आने पर उड़ जाएगी भाजपा की रातों की नींद: सचिन पायलट

कौमी संवाददाता

नई दिल्ली, 22 नवंबर। वायनाड लोकसभा सीट पर हुए उपचुनाव में प्रियंका गांधी वाड्रा की बड़ी जीत की भविष्यवाणी करते हुए कांग्रेस महासचिव सचिन पायलट ने शुक्रवार को भारतीय जनता पार्टी पर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि संसद में राहुल गांधी के साथ प्रियंका के हाथ मिलाने से निश्चित तौर पर भाजपा और एनडीए की रातों की नींद उड़ जाएगी। चुनावी नतीजों के आने से एक दिन पहले पायलट ने कहा, हम वायनाड से प्रियंका जी की ऐतिहासिक जीत चाहते हैं। वह बहुत सालों से पार्टी के साथ काम कर रही हैं। उन्होंने एक समय राहुल जी, सोनिया जी और यहां तक कि राजीव जी के लिए भी बहुत व्यापक प्रचार किया था। इसलिए वह देशभर के पार्टी कार्यकर्ताओं से बहुत अच्छी तरह से जुड़ी हुई हैं। पूर्व केंद्रीय मंत्री ने कहा कि पार्टी महासचिव के रूप में उन्होंने कैडर को प्रेरित करने की अपनी क्षमता

दिखाई है। उन्होंने कहा कि वह देशभर में काफी लोकप्रिय चेहरा हैं और वह न केवल केरल में लोगों के लिए बल्कि संसद में महिलाओं और युवाओं की आवाज को रखने के लिए बेहतर होंगी। उन्होंने आगे कहा, लोकसभा में विपक्ष के नेता के रूप में राहुल गांधी ने सरकार पर निशाना साधा है, उन्हें अधिक जवाबदेह होने के लिए मजबूर किया है और प्रियंका का इसमें शामिल होना एनडीए के लिए कठिन दिन होंगे। लोकसभा में वन प्लस वन 11 हो जाएंगे। संसद में राहुल जी के साथ उनके हाथ मिलाने से निश्चित रूप से भाजपा और एनडीए की रातों की नींद उड़ जाएगी। वायनाड संसदीय क्षेत्र के लिए मतदान 13 नवंबर को हुआ था और परिणाम 23 नवंबर को घोषित किए जाएंगे।

ज्ञानवापी मामले में सुप्रीम सुनवाई के बाद मुस्लिम पक्ष को नोटिस जारी

वाराणसी, 22 नवंबर। ज्ञानवापी के एएसआई सर्वे होने से बचे हुए शेष आठ तहखानों, वजूखाने में प्राप्त शिवलिंग व तीनों कथित गुंबदों के पूरक सर्वेक्षण पर आदेश आ गया। सुप्रीम कोर्ट ने वाराणसी में ज्ञानवापी मस्जिद के अंदर वजुखाना का एएसआई सर्वेक्षण कराने के लिए हिंदू पक्ष द्वारा दायर याचिका पर मुस्लिम पक्ष को नोटिस जारी किया। हिंदू पक्ष का दावा है कि वजुखाना के अंदर एक शिवलिंग है, जबकि मुस्लिम पक्ष का कहना है कि यह एक फव्वारा है। कोर्ट के आदेश पर इस क्षेत्र को पहले सील कर दिया गया था। सुप्रीम कोर्ट ने आज हिंदू पक्ष की याचिका पर जवाब देने के लिए मुस्लिम पक्ष को दो सप्ताह का समय दिया। इसके अलावा हिंदू पक्ष द्वारा ज्ञानवापी मस्जिद से संबंधित सभी मामलों को वाराणसी के जिला न्यायालय के बजाय इलाहाबाद उच्च न्यायालय में स्थानांतरित करने के लिए एक और याचिका दायर की गई है, जहां वर्तमान में इस मामले की सुनवाई हो रही है।

उत्तर भारत में वायु प्रदूषण राष्ट्रीय आपातकाल: राहुल गांधी

नई दिल्ली, 22 नवंबर। लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने उत्तर भारत में वायु प्रदूषण की स्थिति पर चिंता जताई है। राहुल ने कहा, उत्तर भारत में वायु प्रदूषण एक राष्ट्रीय आपातकाल है। यह एक सार्वजनिक स्वास्थ्य संकट है। यह हमारे बच्चों का भविष्य छीन रहा है। यह बुजुर्गों का दम घोंट रहा है। यह एक पर्यावरणीय और आर्थिक आपदा है। इससे अनगिनत जिंदगियां बर्बाद हो रही हैं। उन्होंने कहा कि सबसे गरीब लोगों को सबसे अधिक परेशानी होती है, वे अपने चारों ओर फैली जहरीली हवा से बच नहीं पाते। परिवार को स्वच्छ हवा के बिना दिक्कत हो रही है, बच्चे बीमार पड़ रहे हैं और लाखों जिंदगियां खत्म हो रही हैं। पर्यटन घट रहा है। हमारी वैश्विक प्रतिष्ठा धूमिल हो रही है। हमें राजनीतिक आरोप-प्रत्यारोप से बचना होगा। हमें सामूहिक राष्ट्रीय प्रतिक्रिया की जरूरत है। कांग्रेस नेता ने कहा कि जैसे ही कुछ दिनों में संसद की बैठक होगी, सभी सांसदों को आंखों में जलन और गले में खराश के कारण संकट की याद आ जाएगी। यह हमारी जिम्मेदारी है कि हम एक साथ आएं और चर्चा करें कि भारत इस संकट को हमेशा के लिए कैसे समाप्त कर सकता है। राहुल गांधी ने दावा किया कि प्रदूषण का बादल सैकड़ों किलोमीटर तक फैला हुआ है। इसे साफ करने के लिए सरकारों, कंपनियों, विशेषज्ञों और नागरिकों की ओर से बड़े बदलाव और निर्णायक कार्रवाई की आवश्यकता होगी।

पैसे बांटने के आरोप को लेकर कांग्रेस को भेजा कानूनी नोटिस: विनोद तावड़े

सौरभ शर्मा

मुंबई, 22 नवंबर। मतदाताओं को प्रभावित करने के लिए पैसे बांटने का आरोप को लेकर भाजपा नेता विनोद तावड़े ने कांग्रेस नेता राहुल गांधी, कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे और सुप्रिया श्रीनेत को कानूनी नोटिस भेजा है। इस नोटिस में तावड़े के हवाले से कहा गया है कि ये तीनों नेता उनसे 24 घंटे के भीतर माफी मांगे नहीं तो उन्हें 100 करोड़ रुपये के मानहानि के दावे का सामना करना पड़ेगा। इस नोटिस को लेकर खुद भाजपा नेता विनोद तावड़े ने जानकारी दी है। बता दें कि महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव के लिए मतदान से कुछ घंटे पहले ही मंगलवार को बहुजन विकास अघाड़ी के नेता हितेंद्र ठाकुर ने विनोद तावड़े पर विरार के होटल में पांच करोड़ रुपये बांटने का आरोप लगाया था। इस आरोप के बाद विपक्षी दलों जैसे कांग्रेस और एनसीपी (एसपी) के साथ ही शिवसेना उद्धव बालासाहेब ठाकरे ने उनके खिलाफ आरोपों और बयानों की बौछार कर दी थी। नोटिस में तावड़े ने कहा कि उनके खिलाफ लगाए गए आरोप झूठे, निराधार और गलत इरादे से लगाए गए हैं। उन्होंने कहा कि वह नकदी के बदले वोट विवाद में उनके खिलाफ दिए गए बयानों के लिए इन तीनों नेताओं से माफी मांगने की मांग करते हैं। अगर वे ऐसा नहीं करते हैं तो वह उनके खिलाफ आपराधिक

कार्यवाही करने के लिए मजबूर होंगे। भाजपा नेता ने अपने आधिकारिक एक्स अकाउंट पर भी कानूनी नोटिस का स्क्रीनशॉट शेयर किया है। साथ ही उन्होंने कांग्रेस पर झूठ फैलाने और अपनी निम्न-स्तरीय राजनीति से देश को गुमराह करने का आरोप लगाया। विनोद तावड़े ने इसके साथ ही कहा कि कांग्रेस का एकमात्र एजेंडा झूठ फैलाना है। मैंने नालासोपारा मामले में निराधार आरोपों के लिए कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे, राहुल गांधी और उनकी पार्टी प्रवक्ता सुप्रिया श्रीनेत के खिलाफ मानहानि का मुकदमा दायर किया है। मेरी और भाजपा की छवि खराब करने की उनकी कोशिशों के बावजूद, सच्चाई साफ है। मामले में जिन पांच करोड़ रुपयों की बात की जा रही है वे चुनाव आयोग और पुलिस की जांच में कभी बरामद नहीं हुए। उन्होंने कहा कि यह मामला कांग्रेस की निम्न-स्तरीय राजनीति और देश को गुमराह करने की उनकी हताश कोशिशों को दिखाता है। साथ ही इससे पता चलता है कि भाजपा सच्चाई और लोगों के विश्वास के साथ मजबूती से खड़ी है। विधानसभा चुनाव के मतदान से पहले भाजपा पर पैसे बांटने का आरोप लगाते हुए बहुजन विकास अघाड़ी के नेता हितेंद्र ठाकुर ने कहा कि, यहां चुनाव आयुक्त ने पैसों से भरा एक बैग और डायरियां बरामद की हैं। इसमें नामों की एक सूची है, जिसमें बताया गया है कि किसको कितना पैसा दिया गया है।

जातीय समीकरण में बंध गया कमल और साइकिल

तेजिन्दर कौर बब्बर

प्रयागराज, 22 नवंबर। सियासी सरजमीं पर सियासत कौन सी करवट बैठेगी इसके लिए शनिवार 23 नवंबर की दोपहर तक का इंतजार करना होगा। फूलपुर विधानसभा उपचुनाव में हुए मतदान में इस बार कम मत प्रतिशत चर्चा का विषय है। कमल और साइकिल की रेस का रोमांच इस बार जातीय समीकरणों में बंधा दिख रहा है। बसपा का हाथी भी इस बार आगे निकलने की होड़ में है। मतदान के अगले दिन सभी राजनीतिक दलों के सियासी धुरंधर चुनावी गुणा भाग करते नजर आए। इस बार प्रमुख दलों के सामने नई चुनौतियां पेश आईं तो कहीं उन्हें फायदा भी मिला। माहौल ऐसा रहा कि तमाम मतदाताओं ने मौन तोड़कर अपनी बात सफाई से बता दी। तर्क दिया कि वह क्यों किसके साथ हैं। खेमेबंदी अलग तरह की दिखाई दी। बृहस्पतिवार को सपा और भाजपा के तमाम पदाधिकारी बूथों से मिली रिपोर्ट की समीक्षा करते नजर आए। कोटवा, जमनीपुर, हनुमानगंज, जलालपुर, अंदावा, सहसों, फूलपुर बाजार, हेता पट्टी आदि के बूथों की गहन समीक्षा हुई। इसमें पाया गया कि साइकिल कहीं बहुत तेज दौड़ी तो कहीं भाजपा के लिए सूखी कही जाने वाली धरती पर कमल की पंखुड़ियां खिलती दिखीं। आजाद समाज पार्टी पहली बार यहां उपचुनाव में दस्तक देती दिखाई दी। भाजपा के वरिष्ठ नेता और पूर्व विधायक

अशोक बाजपेयी ने बताया कि वर्तमान में फूलपुर और पूर्व में झूंसी विधानसभा चुनाव के नतीजे काफी हद तक जातीय समीकरण के आधार पर ही आते हैं। लोकसभा चुनाव के दौरान यहां कुर्मी, मौर्य, पाल, सवर्ण आदि बिरादरी के वोटरों में बिखराव देखने को मिला, लेकिन इस बार ऐसा नहीं है। यह भी जानकारी मिली है कि यादव और मुस्लिम बहुल बूथों पर भी उपचुनाव की वजह से मत प्रतिशत कम रहा। इसका फायदा भाजपा को मिल सकता है। वहीं, सपा के वरिष्ठ नेता दान बहादुर मधुर का दावा है कि जिन बूथों पर पिछले चुनाव में भाजपा जीती वहां इस बार आधे से भी कम मत पड़े। भाजपा के समर्थकों में उत्साह नहीं दिखा। इसका फायदा इंडिया गठबंधन के प्रत्याशी को मिलना तय है। विधानसभा उपचुनाव का नतीजा फूलपुर के सांसद प्रवीण पटेल के सियासी कद का भी निर्धारण करेगा। पटेल सांसद बनने के पूर्व इस विधानसभा से लगातार दो बार विधायक रह चुके हैं। उन्होंने वर्ष 2017 में इस विधानसभा सीट पर पहली बार कमल खिलाया, लेकिन 2022 के चुनाव में सपा प्रत्याशी मुजतबा सिद्दीकी ने उन्हें कड़ी टक्कर दी, बाद में प्रवीण मामूली अंतर से चुनाव जीते। हालांकि लोकसभा चुनाव के दौरान फूलपुर विधानसभा सीट पर प्रवीण पटेल सपा प्रत्याशी से काफी पिछड़ गए। विधायक हर्षवर्धन बाजपेयी की शहर उत्तरी विधानसभा सीट ने अगर प्रवीण को बड़ा मार्जिन न दिया होता तो इस लोकसभा सीट पर भी इंडिया गठबंधन का ही कब्जा होता। फूलपुर विधानसभा उपचुनाव के प्रभारी केशव प्रसाद मौर्य ने उपचुनाव को लेकर यहां प्रत्याशी का नाम घोषित होने से पहले ही अपनी बड़ी टीम यहां उतार दी थी। इस टीम के अहम सदस्यों में सांसद प्रवीण पटेल भी शामिल रहे। प्रवीण भी चुनाव के दौरान पूरी तरह सक्रिय दिखे। उनकी सक्रियता प्रभावी रही या नहीं वह मतगणना होने के बाद स्पष्ट हो जाएगा। अगर भाजपा प्रत्याशी दीपक पटेल चुनाव जीतते हैं तो संगठन में प्रवीण का कद बढ़ सकता है और परिणाम विपरीत रहा तो सांसद होने के बावजूद उनपर तमाम तरह के सवाल भी खड़े हो सकते हैं। भाजपा प्रदेश कार्य समिति के पूर्व सदस्य सुबोध सिंह कहते हैं कि चुनाव में भाजपा को हर बिरादरी का भरपूर वोट मिला। सांसद समेत तमाम विधायक दिन-रात जुटे रहे। वैसे भी उपचुनाव के नतीजे से किसी भी जनप्रतिनिधि के कद का आकलन नहीं किया जा सकता। कई दिनों तक प्रचार के बाद भाजपा प्रत्याशी दीपक पटेल ने बृहस्पतिवार को पूरा समय मां एवं पूर्व सांसद केशरी देवी पटेल और परिवार के सदस्यों के बीच बिताया। लंबे समय बाद उन्होंने परिजनों के साथ ही दोपहर का भोजन किया। कुछ देर के लिए वह पार्टी कार्यालय भी गए।

हमास ने उत्तरी गाजा में 15 इजरायली सैनिकों की हत्या का किया दावा

एजेंसी

गाजा। हमास की सैन्य शाखा अल-क़स्साम ब्रिगेड ने कहा है कि उसके लड़ाकों ने उत्तरी गाजा के बेत लाहिया शहर में 15 इज़रायली सैनिकों को करीब से मार गिराया है। अल-क़स्साम ब्रिगेड कहा कि उसके लड़ाकों ने 15 सैनिकों की एक इज़रायली पैदल सेना इकाई से मुठभेड़ की और उन्हें करीब से मार गिराया। एक अलग बयान में, अल-क़स्साम ब्रिगेड ने घोषणा की कि उसने उत्तरी गाजा में जबालिया कैंप के पश्चिम में सफ़तवी क्षेत्र के पास एक इज़रायली मर्कवा टैंक को टेंडम शेल से निशाना बनाया है। इस बीच, इस्लामिक जिहाद आंदोलन की सशस्त्र शाखा अल-कुद्स ब्रिगेड ने कहा कि उसने मानक 60 मिमी मोर्टार शेल का उपयोग करके केंद्रीय जबालिया कैंप में जबालिया सर्विसेज क्लब के पास इज़रायली सैनिकों और वाहनों के जमावड़े को निशाना बनाया है। इज़रायली सेना ने इन हमलों के बारे में कोई बयान जारी नहीं किया है। उधर, गाजा स्थित स्वास्थ्य अधिकारियों द्वारा जारी आंकड़ों के अनुसार,07 अक्टूबर, 2023 से, इज़रायल ने गाजा में हमास के खिलाफ बड़े पैमाने पर युद्ध छेड़ा है, जिसके कारण 44,000 से अधिक लोगों की मौत हुई है और घरों तथा बुनियादी ढांचे को काफी नुकसान पहुंचा है।

खैबर पख्तूनख्वा में यात्री वाहन पर हमले में मृतकों की संख्या बढ़कर 42 हुयी

कुर्रम। पाकिस्तान में खैबर पख्तूनख्वा प्रांत के कुर्रम जिले में हमलावरों के यात्री वाहनों पर बंदूक से किये गये हमले में कम से कम 42 लोगों की मौत हो गयी और कई अन्य घायल हो गये। पुलिस ने यह जानकारी दी। अहमदी शमा पुलिस थाना अधिकारी कलीम शाह ने डॉन अखबार को बताया कि हमले में तीन महिलाओं सहित 42 लोग मारे गये और 11 अन्य घायल हो गये। खैबर पख्तूनख्वा प्रांत के कानून मंत्री आफताब आलम ने स्थानीय मीडिया को बताया कि घटना के पीछे के तथ्यों का पता लगाने के लिए जांच चल रही है और पुष्टि की है कि शहीदों की संख्या 42 हो गई है। प्रारंभिक जांच के बाद घटना का विवरण देते हुए आलम ने कहा कि हथियारबंद लोगों ने पहाड़ों से वाहनों के काफिले पर गोलीबारी की।मंत्री ने कहा कि वह कुर्रम का दौरा करना चाहते थे, लेकिन दो प्रतिद्वंद्वी समूहों के बीच विवाद के बाद जिले की ओर जाने वाली सड़कें बंद कर दी गई हैं, जो घटना के लिए एक-दूसरे को दोषी ठहरा रहे हैं।

स्पेसएक्स ने अंतरिक्ष में 24 स्टारलिंक इंटरनेट उपग्रह प्रक्षेपित किए

लॉस एंजिल्स। अमेरिका की निजी अंतरिक्ष कंपनी स्पेसएक्स ने 24 स्टारलिंक उपग्रहों को कक्षा में प्रक्षेपित किया। स्पेसएक्स के अनुसार उपग्रहों को फ्लोरिडा के केप कैनवेरल स्पेस फोर्स स्टेशन से फाल्कन 9 रॉकेट के जरिए पूर्वी समय मंडल (अमेरिका के सत्रह पूर्वी राज्यों, पूर्वी कनाडा के कुछ हिस्सों और मेक्सिको के क्विनताना रू राज्य, मध्य अमेरिका में पनामा और कैरिबियाई द्वीपों में इस्तेमाल होने वाला समय मंडल है) के अनुसार सुबह 11:07 बजे प्रक्षेपित किया गया। स्पेसएक्स ने बाद में 24 उपग्रहों की तैनाती की पुष्टि की। स्पेसएक्स के अनुसार, स्टारलिंक उन स्थानों पर हाई-स्पीड ब्रॉडबैंड इंटरनेट उपलब्ध कराएगा, जहां पहुंच अविश्वसनीय, महंगी या पूरी तरह अनुपलब्ध है।

अमेरिका में लगे आरोपों के बाद केन्या सरकार ने अदाणी समूह के साथ रद्द किए करार

नैरोबी। भारत के उद्योगपति गौतम अदाणी और सात अन्य लोगों पर अमेरिका में लगे आरोपों के बाद केन्या ने अदाणी समूह के साथ हुए उस समझैते को रद्द करने का आदेश दिया है, जिसमें केन्या मुख्य हवाई अड्डे का नियंत्रण भारतीय समूह को सौंपने वाला था। केन्या के राष्ट्रपति विलियम रुटो ने बताया कि उन्होंने यह फैसला कंपनी के संस्थापक पर अमेरिका में अभियोग लगाए जाने के बाद किया।राष्ट्रपति रुटो ने कहा कि उन्होंने ऊर्जा मंत्रालय के पिछले महीने अदाणी समूह की एक इकाई के साथ विद्युत वितरण लाइनों के निर्माण के लिए 736 मिलियन डॉलर के सार्वजनिक-निजी भागीदारी समझौते जिसकी मियाद 30 वर्ष थी, उसको भी रद्द करने का निर्देश दिया है। केन्या के राष्ट्रपति रुटो ने

अपने राष्ट्र के नाम संबोधन में कहा कि मैंने परिवहन मंत्रालय और ऊर्जा व पेट्रोलियम मंत्रालय की एजेंसियों को तत्काल चल रही खरीद प्रक्रिया को रद्द करने का निर्देश दिया है। उन्होंने इस निर्णय का श्रेय जांच एजेंसियों और साझेदार देशों की ओर से उपलब्ध कराई गई नई जानकारी को दिया अमेरिकी अधिकारियों ने बीते बुधवार को कहा था कि दुनिया के सबसे अमीर लोगों में से एक गौतम अदाणी और सात अन्य प्रतिवादियों ने भारतीय सरकारी अधिकारियों को लगभग 265 मिलियन डॉलर की रिश्वत देने पर सहमति जताई थी। हालांकि अदाणी समूह ने आरोपों से इनकार किया और एक बयान में कहा कि वह सभी संभव कानूनी उपाय तलाशेगा। इससे पहले ऊर्जा मंत्री ओपियो वांडायी ने कहा था कि ट्रांसमिशन लाइनों के ठेके में कोई रिश्वतखोरी या भ्रष्टाचार शामिल नहीं है।

लेबनान से 880,000 से अधिक लोगों ने किया पलायन, खाद्य सुरक्षा की स्थिति दयनीय

एजेंसी

संयुक्त राष्ट्र। लेबनान में घरों और कार्यालयों को छोड़ने के आदेश और हवाई हमलों के कारण 880,000 से अधिक लोगों को अपने घरों से पलायन करना पड़ा है, जिनमें से 5,00,000 से अधिक लोग सीरिया भाग गए हैं। संयुक्त राष्ट्र के मानवीय संगठनों ने यह जानकारी दी। मानवीय मामलों के समन्वय के लिए संरा कार्यालय (ओसीएचए) ने कहा कि लेबनान में बचे लोगों को खाद्य पदार्थों की कमी का सामना करना पड़ रहा है। अंतरराष्ट्रीय प्रवासन संगठन ने बताया कि देश में 880,000 से अधिक लोग विस्थापित हुए हैं, जिनमें 20,000 से अधिक प्रवासी शामिल हैं, जिन्हें अपने घरों और कार्यस्थलों दोनों से भागने के लिए मजबूर होना पड़ा है। संयुक्त राष्ट्र शरणार्थी एजेंसी (यूएनएचसीआर) ने बताया कि 500,000 से अधिक लोग लेबनान छोड़कर सीरिया चले गए हैं और इनमें से आधे से अधिक बच्चे थे। यूएनएचसीआर अन्य लोगों के साथ

मिलकर उन्हें मनोवैज्ञानिक सहायता प्रदान करके विस्थापन के आघात और भावनात्मक प्रभाव से निपटने में मदद कर रहा है। ओसीएचए ने कहा कि नागरिकों को उनके घरों में रहने या भागने के विकल्प के बावजूद संरक्षित किया जाना चाहिए।

कार्यालय ने कहा कि विश्व खाद्य कार्यक्रम (डब्ल्यूएफपी) और खाद्य एवं कृषि संगठन (एफएओ) ने चेतावनी दी है कि लेबनान में खाद्य सुरक्षा की स्थिति और खराब होने की आशंका है। डब्ल्यूएफपी और एफएओ ने कहा,सि ÷सितंबर 2024 से संघर्ष में लगातार वृद्धि ने आपूर्ति श्रृंखलाओं को बुरी तरह से बाधित किया है और खाद्य असुरक्षा को गहरा किया है। इसके कारण अब 12 लाख से अधिक लोग को प्रभावित हो रहे हैं। ओसीएचए ने कहा, लेबनान की लगभग एक चौथाई आबादी पहले से ही अपर्याप्त खाद्य उपभोग (भुखमरी) से पीड़ित है। खाद्य पदार्थों की कीमतों के उच्च बने रहने के कारण स्थिति और भी खराब होने वाली है। चुनौतीपूर्ण खाद्य सुरक्षा स्थिति के मद्देनजर डब्ल्यूएफपी ने इस साल सितंबर से 65,000 से अधिक लोगों को भोजन पहुंचाने के लिए 12 काफिलों का इस्तेमाल किया, जिनमें से ज्यादातर दक्षिण और बालबेक-हर्मेल गवर्नरेट में पहुंचाए गए हैं।

चेक गणराज्य में गैस रिसाव के कारण 150 लोगों को निकाला गया

एजेंसी

प्राग। चेक गणराज्य के प्राग शहर मे गैस रिसाव में फंसे लगभग 150 लोगों को निकाला गया है। पुलिस और बचाव दल ने इस खबर की पुष्टि की है। पुलिस ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर कहा, गैस रिसाव के कारण प्राग 1 में ओपाटोविका स्ट्रीट बंद हो गई। छह इमारतों से 150 लोगों को निकाला गया। गौरतलब है कि गैस रिसाव तड़के हुआ, स्थानीय चिकित्सा बचाव सेवाओं ने शाम सात बजे के तुरंत बाद सूचना दी। किसी के घायल होने की खबर नहीं है। अग्निशामकों ने कहा कि उन्होंने आग से बचाव के उपाय लागू किए हैं और आगे किसी भी रिसाव को रोकने के लिए गैस आपातकालीन विभाग के साथ मिलकर काम किया है।प्राग फायर ब्रिगेड ने एक्स पर एक नवीनतम पोस्ट में कहा,घटनास्थल पर सांद्रता अभी भी मापी जा रही है। ऊर्जा कार्यकर्ता इमारतों को वापस बिजली से जोड़ने में लगे हैं। इसके बाद, निकाले गए लोग अपने घर लौट जाएंगे।गैस रिसाव का कारण अभी तक पता नहीं चल पाया है।

कोलंबिया में गुरिल्ला हमले में पांच सैनिकों की मौत, कई घायल

एजेंसी

बोगोटा। कोलंबिया के उत्तर-पश्चिमी शहर अनोरी में नेशनल लिबरेशन आर्मी (ईएलएन) गुरिल्ला समूह के हमले में पांच सैनिक मारे गए और कई अन्य घायल हो गए। रक्षा मंत्री इवान वेलास्केज ने पीड़ित परिवारों और कोलंबिया के सशस्त्र बलों के सदस्यों के प्रति संवेदना व्यक्त की। इसी बीच, कोलंबिया की राष्ट्रीय सेना ने 'एक्स' पर हमले की निंदा की और लिखा कि उनकी एक टीम पीड़ितों के परिवारों, दोस्तों और सहकर्मियों की मदद कर रही है। जिस क्षेत्र में हमला हुआ, वहां पर भी टीम को तैनात किया गया है। ईएलएन कोलंबिया का सबसे पुराना बचा हुआ गुरिल्ला समूह है, और वर्तमान में कोलंबियाई राष्ट्रपति गुस्तावो पेट्रो की सरकार के साथ शांति वार्ता में लगे सशस्त्र समूहों में से एक है।

गौरतलब है कि 2022 में पदभार ग्रहण करने के बाद से, श्री पेट्रो ने 50 वर्षों से अधिक की लड़ाई को समाप्त करने के लिए देश के विभिन्न सशस्त्र गुटों के सामने एक 'संपूर्ण शांति' नीति का प्रस्ताव रखा है।

बांग्लादेश अंतरराष्ट्रीय अपराध न्यायाधिकरण को अतीत से सबक लेने की जरूरत: टोबी कैडमैन

एजेंसी

ढाका। बांग्लादेश अंतरराष्ट्रीय अपराध न्यायाधिकरण (आईसीटी) में अंतरिम सरकार के नवनियुक्त विशेष अभियोजक सलाहकार टोबी कैडमैन ने अतीत के न्यायिक फैसलों पर बड़ी टिप्पणी की है। उन्होंने अतीत की गलतियों से सबक लेने के महत्व पर जोर दिया। ढाका से छपने वाले अखबार प्रोथोम अलो के अनुसार कैडमैन ने बातचीत में अपनी राय रखी। उन्होंने कहा कि आगामी मुकदमों में राजनीतिक हस्तक्षेप और पुराने हिसाब-किताब के निपटारे के लिए कोई जगह और समय नहीं होना चाहिए। अभियोजन पक्ष के फैसले केवल और केवल सबूतों पर आधारित होने चाहिए। उनमें प्रतिशोध या राजनीतिक लाभ की बू नहीं आनी चाहिए।ब्रिटेन के अंतरराष्ट्रीय आपराधिक कानून विशेषज्ञ कैडमैन ने कहा कि न्यायाधिकरण को नियंत्रित करने वाले कानून और

प्रक्रिया के नियमों में महत्वपूर्ण बदलाव की आवश्यकता है। यह इसलिए जरूरी है कि ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि अपराधों की परिभाषा को उचित रूप से व्यक्त किया गया है और निष्पक्ष सुनवाई की गारंटी बरकरार रखी गई है। उन्होंने कहा कि क्या बदलाव करने की जरूरत है, इस पर वह मजबूत सलाह देने से पीछे नहीं हटेंगे। कैडमैन को बांग्लादेश की अंतरिम सरकार ने सोमवार को अपना विशेष अभियोजक सलाहकार नियुक्त करने का फैसला किया था। कल सलाहकार परिषद की बैठक में फैसले को मंजूरी दी गई ।महत्वपूर्ण यह है कि बांग्लादेश में 16 जुलाई से 5 अगस्त के बीच प्रदर्शनकारियों और अन्य लोगों की मौत से जुड़े मानवता और नरसंहार के खिलाफ अपराधों के लिए पूर्व अवामी लीग सरकार के 13 राजनेताओं और आठ वरिष्ठ अधिकारियों को गिरफ्तार किया गया है। अधिकारियों का कहना है कि तीन सप्ताह की अवधि में लगभग 1,500 लोग मारे गए। यह सभी मामले बांग्लादेश अंतरराष्ट्रीय अपराध न्यायाधिकरण को देखना है। कैडमैन को बांग्लादेश में 2011 से इस न्यायाधिकरण के पिछले फैसलों की कड़ी आलोचना के लिए जाना जाता है। उन्होंने जमात-ए-इस्लामी के नेताओं का प्रतिनिधित्व करते हुए बचाव में अपने तर्क रखे। अगस्त 2011 में दोबारा सुनवाई शुरू होते ही तत्कालीन अवामी लीग सरकार ने कैडमैन के बांग्लादेश में प्रवेश करने पर रोक लगा दिया था।

सेना प्रमुख जनरल द्विवेदी 'नेपाल सेना के जनरल' की मानद उपाधि से सम्मानित

एजेंसी

काठमांडू। नेपाल के राष्ट्रपति रामचन्द्र पौडेल ने भारतीय सेना प्रमुख जनरल उपेन्द्र द्विवेदी को नेपाली सेना के जनरल की मानद उपाधि प्रदान की। पांच दिवसीय दौरे पर बुधवार को नेपाल पहुंचे जनरल द्विवेदी को काठमांडू स्थित राष्ट्रपति आवास में एक विशेष समारोह के दौरान यह सम्मान प्रदान किया गया।

राष्ट्रपति भवन से जारी बयान में कहा गया है कि भारतीय सेना प्रमुख जनरल उपेन्द्र द्विवेदी को राष्ट्रपति पौडेल ने नेपाली सेना के जनरल की मानद उपाधि से सम्मानित किया। समारोह के दौरान उन्हें एक तलवार और स्क्रॉल भी भेंट किया गया। साथ ही उन्हें नेपाली सेना के प्रधान सेनापति द्वारा पहनी जाने वाली जनरल रैंक की टोपी पहनाई गई। इस दौरान जनरल द्विवेदी नेपाली सेना के परिधान में मानद उपाधि ग्रहण करने पहुंचे।यह प्रथा एक दूसरे देश के सेना प्रमुखों को

मानद उपाधि से सम्मानित करने की सात दशक पुरानी परंपरा का अनुसरण करती है। भारत के पहले फील्ड मार्शल जनरल केएम करिअप्पा 1950 में इस उपाधि से सम्मानित होने वाले पहले भारतीय सेना प्रमुख थे। आगामी दिसंबर में नेपाली सेना के नवनियुक्त प्रधान सेनापति जनरल अशोक सिग्देल को नई दिल्ली में एक समारोह में राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू भारतीय सेना के जनरल की मानद उपाधि से सम्मानित करेंगी। समारोह के बाद जनरल द्विवेदी ने नेपाल के राष्ट्रपति रामचन्द्र पौडेल से शिष्टाचार मुलाकात की। मुलाकात के दौरान जनरल द्विवेदी ने उन्हें दिए गए सम्मान के लिए आभार व्यक्त किया।

मैट गेट्ज नहीं बनेंगे अमेरिका के अटॉर्नी जनरल, ट्रंप ने अब पैम बॉन्डी का चयन किया

एजेंसी

वाशिंगटन। संयुक्त राज्य अमेरिका के नवनिर्वाचित राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने देश के अटॉर्नी जनरल पद के लिए अब मैट गेट्ज के स्थान पर पैम बॉन्डी का चुनाव किया है। ट्रंप ने एक सप्ताह पहले इस पद के लिए मैट गेट्ज के नाम की घोषणा की थी। पैम साल 2011 से 2019 तक अमेरिका के तीसरे सबसे अधिक आबादी वाले राज्य फ्लोरिडा की अटॉर्नी जनरल पद पर रही हैं। ट्रंप के राष्ट्रपति पद के पहले कार्यकाल के दौरान वह उनकी कैबिनेट में अहम पद पर भी रही हैं। द न्यूयॉर्क टाइम्स की खबर के अनुसार, मैट गेट्ज ने कल अचानक अटॉर्नी जनरल ने बनने की घोषणा की। उनकी इस घोषणा से उनके जानने वाले अचंभित हो गए। दरअसल गेट्ज यौन दुर्व्यवहार जैसे कई गंभीर आरोपों का सामना कर रहे हैं। हालांकि वह इन आरोपों को निराधार बता रहे हैं। मैट गेट्ज के पीछे हटने के बाद ट्रंप ने पैम के नाम का ऐलान करते हुए सोशल मीडिया पोस्ट में कहा कि

उनके पास व्यापक अनुभव है। उन्होंने फ्लोरिडा की पहली महिला अटॉर्नी जनरल के रूप में अपराध पर कड़ा रुख अपनाया थासनद रहे, ट्रंप के प्रति अपनी वफादारी के लिए मैट सुर्खियों में रहे हैं। कैलिफोर्निया पुलिस ने 2017 में उनके खिलाफ यौन उत्पीड़न के आरोप की जांच की थी। मैट पर 17 साल की नाबालिग से यौन संबंध बनाने के भी आरोप हैं। उन पर पेड सेक्स का आरोप लगा है। ऐसे व्यक्ति को देश के अटॉर्नी जनरल पद के लिए चुने जाने पर विवाद हो रहा था। मैट के खिलाफ लगे सेक्सुअल हैरेसमेंट के आरोप पर हाउस एथिक्स कमेटी जांच कर चुकी है।

प्रधानमंत्री के चीन भ्रमण से पहले बीआरआई पर सत्तारूढ़ दलों के बीच सहमति जुटाने का प्रयास

एजेंसी

काठमांडू। प्रधानमंत्री के पी शर्मा ओली के प्रस्तावित चीन भ्रमण से पहले सत्तारूढ़ दलों के बीच बेल्ट एंड रोड इनिसिएटिव (बीआरआई) कार्यान्वयन समझौते पर हस्ताक्षर करने को लेकर सत्तारूढ़ दल नेपाली कांग्रेस और एमाले के बीच जारी जुबानी जंग को बंद करने और इस पर सहमति जुटाने का प्रयास किया जा रहा है। नेपाल की ओली सरकार के सत्तारूढ़ घटक दल नेपाली कांग्रेस के कई नेताओं द्वारा बीआरआई के कार्यान्वयन समझौते पर हस्ताक्षर किए जाने के प्रस्ताव का विरोध किया है। कांग्रेस के अधिकांश नेताओं ने सार्वजनिक बयान देते हुए चीन के ऋण जाल में फंसाने वाला कोई कदम नहीं उठाए जाने की नसीहत दी है। पिछली सरकार में विदेश मंत्री रहे कांग्रेस के नेता एन पी साउद ने कहा कि इस गठबंधन के बनते ही नेपाली कांग्रेस की पदाधिकारी की बैठक में बीआरआई के ऋण को स्वीकार नहीं किए जाने का निर्णय किया था और पार्टी को उस पर अडिग रहना चाहिए।

इसी तरह कांग्रेस के वरिष्ठ नेता डा शेखर कोइराला, पार्टी के महामंत्री गगन थापा, पार्टी प्रवक्ता प्रकाश शरण महत सरीखे नेता ने भी खुल कर बीआरआई को आगे बढ़ाने के किसी प्रस्ताव का विरोध किया है। इन सभी नेताओं का कहना है कि चीन पहले अपने पुराने वादे को पूरा करे। साथ ही नेपाल को चीन से किसी प्रकार का ऋण नहीं लेने की बात पर पार्टी के फैसले में कोई बदलाव नहीं होने की बात भी कह रहे हैं। इसी बीच प्रधानमंत्री की पहल पर नेपाली कांग्रेस के पार्टी सभापति शेर बहादुर देउवा, सरकार की विदेश मंत्री डा आरजू राणा, गृह मंत्री रमेश लेखक सहित पार्टी के दोनों महामंत्री गगन थापा और विश्व प्रकाश शर्मा को अपने निवास के बुलाकर इस विषय पर कोई बीच का रास्ता अपनाते हुए सहमति जुटाने का आग्रह किया है। इस बैठक में प्रधानमंत्री ओली के अलावा उनके प्रमुख सलाहकार विष्णु रिमाल, वित्त मंत्री विष्णु पौडेल, एमाले पार्टी के महामंत्री शंकर पोखरेल की भी मौजूदगी रही। करीब 6 घंटे तक चली इस बैठक के बाद कांग्रेस के महामंत्री गगन थापा ने कहा कि प्रधानमंत्री ओली के तरफ से बीआरआई के तहत न्यून ब्याज पर ऋण लेने की बात स्वीकार करने के लिए सहमति जुटाने का आग्रह हुआ है। थापा ने बताया कि दोनों दलों के नेताओं से इस संबंध में किसी भी प्रकार के बयानबाजी से बचने के लिए कहा गया है। गगन थापा ने कहा कि बीआरआई के कारण इस गठबंधन के टूटने या सरकार गिरने की कोई संभावना नहीं है। क्योंकि दोनों दलों के बीच कोई न कोई समझदारी बन लिया जाएगा। एमाले पार्टी के प्रवक्ता प्रदीप ज्ञवाली ने कहा कि बीआरआई के प्रारंभिक समझौते पर हस्ताक्षर करते समय नेपाली कांग्रेस की ही सरकार थी और अभी सबसे अधिक विरोध उनके तरफ से ही किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस पार्टी जिस ग्रांट की बात कर रही है वह भी नेपाल के लिए आवश्यक होगा तब ही लिया जाएगा।

ऑस्ट्रेलियाई पुलिस ने मादक पदार्थ रैकेट को ध्वस्त किया,19 गिरफ्तार

एजेंसी

सिडनी। ऑस्ट्रेलियाई पुलिस ने अंतरराष्ट्रीय स्तर पर मादक पदार्थ की तस्करी करने वाले एक रैकेट को ध्वस्त करके 19 लोगों को गिरफ्तार किया है।न्यू साउथ वेल्स राज्य (एनएसडब्ल्यू) की पुलिस ने घोषणा की कि दिसंबर 2023 में स्थापित एक स्ट्राइक फोर्स ने आठ करोड़ ऑस्ट्रेलियाई डॉलर से अधिक मूल्य की भांग जब्त की और एक अंतरराष्ट्रीय संगठित अपराध नेटवर्क से जुड़े 19 लोगों को गिरफ्तार किया।

स्ट्राइक फोर्स ने अप्रैल 2024 में मध्य सिडनी से लगभग 40 किलोमीटर पश्चिम में केम्प्स क्रीक में एक फॉर्म हाउस पर छापा मारा जिसका उपयोग कैनबिस फार्म के रूप में किया जा रहा था। वहां पर भांग उगाया और उसे वितरण के लिए इसे परिष्कृत किया जाता था।वहां 5,400 से अधिक भांग के पौधे पाए गए इससे पहले यह

कार्रवाई इस वर्ष मई, जून, सितंबर और अक्टूबर में भी की गयी थी। छापेमारी के दौरान 20,000 से अधिक भांग के पौधे और 586 किलोग्राम से अधिक भांग जब्त की गई। गिरफ्तार सभी 19 आरोपियों की उम्र 28 से 64 वर्ष के बीच है। उन पर नशीली दवाओं की खेती, प्रतिबंधित दवाओं की आपूर्ति और एक आपराधिक समूह में भागीदारी सहित अपराधों का आरोप लगाया गया है।

एनपीपी के अशोक रानवाला चुने गए श्रीलंका के नए संसद अध्यक्ष

कोलंबो। श्रीलंका की10वीं संसद की हुई पहली बैठक में नेशनल पीपुल्स पावर (एनपीपी) के अशोक रानवाला को संसद का स्पीकर चुना गया। श्री रानवाला को

प्रधानमंत्री हरिनी अमरसूर्या द्वारा नामित किया गया

ऑस्ट्रेलिया और भारत ने सैन्य विमानों के लिए हवा से हवा में ईंधन भरने के लिए समझौते पर हस्ताक्षर किए

एजेंसी

वियनतियाने (लाओस)। ऑस्ट्रेलिया और भारत ने रॉयल ऑस्ट्रेलियाई वायु सेना (आरएएएफ) और भारतीय सशस्त्र बलों को हवा से हवा में ईंधन भरने में सक्षम बनाने के लिए एक व्यवस्था पर हस्ताक्षर किए हैं। यह जानकारी ऑस्ट्रेलियाई रक्षा मंत्रालय के एक बयान में दी गई है। इसके अनुसार रक्षा उद्योग और क्षमता वितरण मंत्री पैट कॉनरॉय एमपी और भारत के रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने द्विपक्षीय चर्चा के दौरान इस व्यवस्था की घोषणा की। इस व्यवस्था के तहत आरएएएफ का हवा से हवा में ईंधन भरने वाला विमान केसी-30ए मल्टी-रोल टैंकर ट्रांसपोर्ट भारतीय सशस्त्र बलों के विमानों में ईंधन भरने में सक्षम होगा। बयान में कहा गया है कि वायु सेना के उप प्रमुख, एयर वाइस मार्शल हार्वे रेनॉल्ड्स, एएम ने 19 नवंबर को नई दिल्ली में ऑस्ट्रेलिया-भारत एयर स्टाफ वार्ता में व्यवस्था पर हस्ताक्षर किए। रेनॉल्ड्स ने व्यवस्था का स्वागत करते हुए कहा कि यह ऑस्ट्रेलिया और भारत के बीच रक्षा संबंधों को मजबूत करता है। रेनॉल्ड्स ने कहा कि भारत ऑस्ट्रेलिया के लिए शीर्ष स्तरीय सुरक्षा साझेदार है और हमारी व्यापक रणनीतिक साझेदारी के माध्यम से हम व्यावहारिक और ठोस सहयोग को प्राथमिकता देना जारी रख रहे हैं, जो सीधे हिंद-प्रशांत क्षेत्र की स्थिरता में सहयोगी होगा। भारतीय सशस्त्र बलों के साथ हवा से हवा में ईंधन भरने की क्षमता हमारी अंतर-संचालन क्षमता को

बढ़ाती है और हमें विभिन्न परिदृश्यों में अधिक प्रभावी ढंग से सहयोग करने में सक्षम बनाती है। यह व्यवस्था भारत के साथ हमारे संबंधों में एक महत्वपूर्ण कदम है और हमारे कर्मियों को एक साथ मिलकर काम करने, ज्ञान और विशेषज्ञता साझा करने और विश्वास और समझ बनाने के लिए मूल्यवान अवसर प्रदान करेगी। बयान में रेनॉल्ड्स के हवाले से कहा गया। आरएएएफ भारतीय नौसेना के पी-81 नेप्च्यून निगरानी विमान के साथ प्रशिक्षण और जुड़ाव गतिविधियां भी संचालित करता है। बयान के अनुसार इस व्यवस्था पर हस्ताक्षर केसी-30ए द्वारा पी-81 में ईंधन भरने की दिशा में पहला कदम है, जिससे हिंद-प्रशांत क्षेत्र में भारत की पहुंच और दृढ़ता बढ़ेगी। उधर, राजनाथ सिंह ने लाओ पीडीआर के वियनतियाने में 11वीं आसियान रक्षा मंत्रियों की बैठक (एडीएमएम)-प्लस के मौके पर कॉनरॉय से मुलाकात की। सोशल मीडिया एक्स पर एक पोस्ट में उन्होंने कहा, एडीएमएम प्लस के दौरान ऑस्ट्रेलियाई रक्षा मंत्री पैट कॉनरॉय से मिलकर खुशी हुई। हाल के वर्षों में हमारी रक्षा साझेदारी ने महत्वपूर्ण उपलब्धियां हासिल की हैं। हम अपने रक्षा संबंधों को और ऊंचे स्तर पर ले जाने के लिए तत्पर हैं। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह नेलाओ पीडीआर के वियनतियाने में 11वें आसियान रक्षा मंत्रियों की बैठक-प्लस फोरम में भाग लिया, जहां उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि भारत हिंद-प्रशांत क्षेत्र में शांति और समृद्धि के लिए नियम-आधारित अंतरराष्ट्रीय व्यवस्था के पक्ष में है।

कौमी पत्रिका
संपादक-गुरचरन सिंह बब्बर
स्वामी मुद्रक एवं प्रकाशक, गुरचरन सिंह बब्बर ने कौमी पत्रिका प्रिंटिंग प्रेस, सेक्टर ए-4/ए-144 इंडस्ट्रीयल एरिया ट्रोनिका सिटी लोनी (गाजियाबाद), उत्तर प्रदेश से छापकर प्रकाशित किया।
Corporate Office:
5, Bahadurshah Zafar Marg
ITO, New Delhi-110002
फोन : 011-41509689, 23315814
मोबाइल नंबर : 9312262300
E - mail address :
qpatrika@gmail.com
Website: www.qaumipatrika.in
R.N.I. No.
UP-HIN/2007/21472
Legal Advisors:
Advocate Mohd. Sajid
Advocate Dr. A.P.Singh
Advocate Manish Sharma
Advocate Pooja Bhaskar Sharma

वक्फ पर जेपीसी अध्यक्ष बोले रिपोर्ट तैयार, विपक्ष को नहीं स्वीकार, कार्यकाल विस्तार की मांग

एजेंसी

नई दिल्ली। वक्फ संशोधन विधेयक-2024 पर गठित संयुक्त संसदीय समिति के अध्यक्ष जगदंबिका पाल का कहना है कि समिति की रिपोर्ट लगभग तैयार है और इसे समय से सदन को भेजा जाएगा। हालांकि विपक्ष को इसपर आपत्ती है और समिति का कार्यकाल बढ़ाना चाहता है। संयुक्त संसदीय समिति की गुरुवार को पार्लियामेंट हाउस एनक्सी में बैठक हुई। आज की बैठक में अल्पसंख्यक मंत्रालय से रिपोर्ट पर बिंदुवार टिप्पणियां ली गई। पत्रकारों से बातचीत में अध्यक्ष जगदंबिका पाल ने कहा कि हमने विधेयक पर विस्तार से चर्चा की है और विभिन्न हित धारकों से विस्तृत टिप्पणियां ली हैं। हमारी मौसादा रिपोर्ट तैयार है और सर्वसम्मति के साथ हम इसे सदन को भेजेंगे। विपक्ष के अलग रुख पर पत्रकारों से बातचीत में अध्यक्ष जगदंबिका पाल ने बताया कि विपक्ष के लोग चाहे तो लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला से मुलाकात कर सकते हैं। समिति के कार्यकाल को लेकर निर्णय लेने का फैसला सदन और लोकसभा अध्यक्ष के पास है। संभावना जताई जारी है कि वक्फ पर बनी जेपीसी 25 नवंबर से शुरू हो रहे संसद के शीतकालीन सत्र के प्रथम सप्ताह में अपनी रिपोर्ट पेश कर सकती है। हालांकि विपक्ष इस पर और अधिक विस्तार से और अन्य बिंदुओं पर चर्चा चाहता है और इसका कार्यकाल बढ़ाना चाहता है।

डीआरडीओ ने सुरक्षा नवाचारों को बढ़ावा देने के लिए एशिया अग्नि सुरक्षा परिषद बैठक की मेजबानी की

नई दिल्ली। एशिया अग्नि सुरक्षा निरीक्षण परिषद (एएफआईसी) मीट का 11वां संस्करण यहां शुरू हुआ। इसका आयोजन रक्षा अनुसंधान एवं विकास संगठन (डीआरडीओ) के अग्नि, विस्फोटक और पर्यावरण सुरक्षा केंद्र (सीएफईईएस) ने भारतीय उद्योग परिसंघ (सीआईआई) के सहयोग से किया है। 23 नवंबर को समाप्त होने वाले तीन दिवसीय इस कार्यक्रम में छह एशियाई देशों का प्रतिनिधित्व करने वाले 21 अंतरराष्ट्रीय प्रतिनिधि भाग ले रहे हैं। एएफआईसी तकनीकी आदान-प्रदान और 11 एशियाई देशों में अग्नि सुरक्षा ज्ञान, प्रौद्योगिकियों और मानकों के विकास के लिए एक महत्वपूर्ण मंच के रूप में कार्य करता है। रक्षा अनुसंधान एवं विकास विभाग के सचिव और डीआरडीओ के अध्यक्ष डॉ. समीर वी. कामत ने अपने उद्घाटन भाषण में कहा कि यह आयोजन प्रतिनिधियों के लिए ज्ञान, मूल्यवान अंतर्दृष्टि साझा करने और अभिनव समाधानों पर सहयोग करने के लिए सार्थक आदान-प्रदान में संलग्न होने के लिए एक आदर्श मंच है। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि यह आयोजन विश्व स्तरीय अग्नि सुरक्षा प्रौद्योगिकियों के साथ एक मजबूत, आत्मनिर्भर भारत बनाने के डीआरडीओ के दृष्टिकोण को साकार करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम साबित होगा, जो अंततः राष्ट्रीय सुरक्षा और वैश्विक प्रतिस्पर्धा में योगदान देगा।

आईआईटीएफ- राजस्थान मंडप में राजस्थानी मसालों और व्यंजनों के काउंटरों पर उमड़ी भीड़

नई दिल्ली। प्रगति मैदान में 14 नवम्बर से शुरू हुए चौदह दिवसीय भारतीय अंतरराष्ट्रीय व्यापार मेले में राजस्थानी व्यंजनों के स्वाद और मसालों की खुशबू मेला देखने आए आगंतुकों को अपनी ओर खूब आकर्षित कर रही है। गुरुवार को राजस्थानी व्यंजनों के स्वाद के लिए मंडप में लगे काउंटरों पर भीड़ उमडती दिखी। मंडप में काउंटर न. 9 पर नागौर से आए बाबू लाल कैटरर्स के प्रतिनिधि से बताया कि उनकी काउंटर पर राजस्थानी मसालों से बने भेलपूरी और चना जोर गर्म की बिक्री तेजी से बढ रही है। उन्होंने बताया कि इसके अलावा राजस्थानी पापड़, मंगोड़ी और मसालों की खुश्बू से दर्शक इसको खूब पसंद कर रहे हैं। इसके अतिरिक्त काउंटर नं 13 पर श्रीगंगानगर के सूरतगढ़ के एस.के. फूड प्रोडक्ट्स के प्रतिनिधि ने बताया कि उनकी पैक्ड फूड आईट्म्स अचार, पापड़, नमकीन इत्यादि को लोगों द्वारा बहुत पसंद किया जा रहा है। इसके कारण उनके उत्पादों की अच्छी बिक्री हो रही है। राजस्थान पवैलियन के संचालक आरजी घई ने बताया कि पवैलियन में रीको, बीआईपी, उद्योग विभाग महिला एवं बाल विकास विभाग, पर्यटन विभाग के साथ-साथ रूढा और राजस्थली द्वारा अपने-अपने उत्पाद, सेवाओं का प्रदर्शन किया गया है।

अडानी ने पूरी दुनिया में भारत को किया शर्मसार : आम आदमी पार्टी

नयी दिल्ली। आम आदमी पार्टी (आप) ने कहा है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मित्र गौतम अडानी ने पूरी दुनिया में भारत को शर्मसार किया है। पार्टी के वरिष्ठ नेता एवं राज्यसभा सांसद संजय सिंह ने संवाददाता सम्मेलन कर कहा कि प्रधानमंत्री के दोस्त गौतम अडानी ने भारत को शर्मसार किया है। पूरी दुनिया में श्री मोदी और उनके दोस्त की वजह से भारत की बेइज्जती हुई है। यह बहुत अफसोस की बात है।उन्होंने कहा कि अमेरिका की अदालत की जांच के बाद जो खुलासा हुआ है, उसने पूरे देश को हैरान कर दिया है। पूरा देश अचंभित है कि इतना बड़ा भ्रष्टाचार और इतना बड़ा लूट का धंधा प्रधानमंत्री और भाजपा के नेतृत्व में पूरे देश में चल रहा है। सारे सबूत होने के बावजूद कहीं कोई जांच नहीं, कहीं कोई कार्रवाई नहीं। ऐसा क्यों हो रहा है? प्रधानमंत्री ने पूरा देश लूटने की छूट दे रखी है।

आसियान बैठक में राजनाथ द. कोरिया, ऑस्ट्रेलिया व न्यूजीलैंड के अपने समकक्षों से मिले, रक्षा सहयोग बढ़ाने पर हुई चर्चा

एजेंसी

नई दिल्ली। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने वियनतियाने लाओ पीडीआर में 11वीं आसियान रक्षा मंत्रियों की बैठक (एडीएमएम)-प्लस के दौरान कोरिया गणराज्य के राष्ट्रीय रक्षा मंत्री किम योंग ह्यून, ऑस्ट्रेलिया के रक्षा उद्योग और क्षमता वितरण मंत्री पैट कॉनरॉय और न्यूजीलैंड की रक्षा मंत्री सुश्री जूडिथ कोलिन्स से मुलाकात की। इनके साथ द्विपक्षीय रक्षा सहयोग बढ़ाने पर चर्चा हुई। इससे पहले राजनाथ सिंह ने अमेरिकी रक्षा सचिव लॉयड जे ऑस्टिन के साथ भी बैठक की थी। कोरिया गणराज्य के राष्ट्रीय रक्षा मंत्री किम योंग ह्यून के साथ बैठक के दौरान दोनों पक्ष इस बात पर सहमत हुए कि द्विपक्षीय रक्षा सहयोग सकारात्मक दिशा में आगे बढ़ रहा है। इसके बावजूद चुनौतियों और खतरों की समानता के कारण मजबूत द्विपक्षीय रक्षा संबंधों की आवश्यकता है। दोनों पक्ष रक्षा नीति संवाद

(डीपीडी) जैसे स्थापित तंत्रों के माध्यम से फरवरी 2020 में हस्ताक्षरित 'रक्षा उद्योग निगम के लिए रोड मैप' पर मिलकर काम करने पर सहमत हुए। डीपीडी का अगला संस्करण दिसंबर 2024 में निर्धारित है। रक्षा मंत्री ने इस बात पर जोर दिया कि दोनों देशों के रक्षा विनिर्माण पारिस्थितिकी तंत्र में सह-उत्पादन और सह-विकास में वृद्धि की बहुत संभावनाएं हैं। उन्होंने कोरियाई पक्ष को भारत के रक्षा गलियारों में निवेश करने के लिए आमंत्रित किया, जिसमें कोरियाई कंपनियों के लिए भारत में विनिर्माण सुविधाएं स्थापित करने के लिए अच्छा अवसर हैं। राजनाथ सिंह ने किम योंग ह्यून को कोरिया का रक्षा मंत्री नियुक्त किए जाने पर बधाई भी दी। आस्ट्रेलिया के अपने समकक्ष पैट कॉनरॉय को राजनाथ सिंह ने याद दिलाया कि भारत-ऑस्ट्रेलिया साझेदारी साझा हितों, विशेष रूप से हिंद महासागर क्षेत्र में स्थिरता और सुरक्षा पर आधारित है। उन्होंने पिछले कुछ वर्षों में रक्षा संबंधों में हासिल की गई महत्वपूर्ण उपलब्धियों पर प्रसन्नता व्यक्त की। राजनाथ सिंह ने भारतीय और रक्षा उद्योगों के लिए विशेष क्षेत्रों में सहयोग करने की अप्रयुक्त क्षमता की ओर इशारा किया। इस मुलाकात के दौरान दोनों देशों के बीच हवा से हवा में ईंधन भरने की व्यवस्था को लागू करने पर बातचीत हुई।

केजरीवाल के शीशमहल घोटाले पर भाजपा नेताओं ने किया विरोध प्रदर्शन

एजेंसी

नई दिल्ली। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के प्रदेश अध्यक्ष वीरेंद्र सचदेवा के नेतृत्व में पार्टी कार्यकर्ताओं ने पूर्व मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल के आवास के बाहर एक बड़ा विरोध प्रदर्शन किया। प्रदर्शनकारियों ने केजरीवाल से विवादित 'शीश महल' बंगले पर कथित फिजूलखर्ची को लेकर जवाब मांगा । शीश महल के नित नये घोटालों के विरोध में हुए इस प्रदर्शन में वीरेंद्र सचदेवा, विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष विजेंद्र गुप्ता, दिल्ली नगर निगम में नेता प्रतिपक्ष एवं दिल्ली के भाजपा सांसद भी शामिल हुए।

प्रदर्शनकारियों ने कहा कि पीडब्ल्यूडी के दस्तावेजों से पता चलता है कि केजरीवाल ने छह फ्लैगस्टाफ रोड स्थित आवास से जाते वक्त करोड़ों रुपये की महंगी वस्तुएं पीडब्ल्यूडी को मुहैया नहीं कराई।भाजपा नेता कैलाश गहलोत ने कहा, हम यहां 'शीश महल'मुद्दे पर विरोध जताने आए हैं। जब मैंने अरविंद केजरीवाल को पत्र लिखा था, तो मैंने साफ-साफ लिखा था कि शीश महल को लेकर जो विवाद खड़ा किया गया है, वह वाकई दुर्भाग्यपूर्ण है। यह उनके मूल सिद्धांतों से समझौता करने का उदाहरण है। उन्होंने आगे कहा, मुझे लगता है कि इस बार दिल्ली में भाजपा की सरकार बनेगी।

लोग परेशान हैं, क्योंकि दिल्ली में काम नहीं हुआ - सीवर ओवरफ्लो हो रहे हैं, पीने का पानी नहीं मिल रहा है, सड़कें क्षतिग्रस्त हैं। मुझे पूरा भरोसा है कि दिल्ली की जनता इस बार भाजपा को जिताएगी।

आश्रय गृह में 13 महिलाएं बीमार, एनएचआरसी ने जारी किया नोटिस

एजेंसी

नई दिल्ली। राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग (एनएचआरसी) ने मीडिया रिपोर्ट पर स्वतः संज्ञान लिया है कि 7 से 11 नवंबर के बीच बिहार के पटना के पटेल नगर इलाके में मानसिक रूप से बीमार और निराश्रित महिलाओं के आश्रय गृह में रहने वाली 13 महिलाएं बीमार पड़ गई और तीन की संदिग्ध खाद्य विषाक्तता के कारण मृत्यु हो गई। रिपोर्ट के अनुसार रात का खाना खाने के बाद इन महिलाओं ने उल्टी और दस्त की शिकायत की। उन्हें पटना मेडिकल कॉलेज और अस्पताल (पीएमसीएच) में भर्ती कराया गया। आश्रय गृह को कथित तौर पर बिहार सरकार के विकलांग व्यक्तियों के सशक्तीकरण निदेशालय द्वारा वित्त पोषित किया जाता है। आयोग ने पाया है कि आश्रय गृह के अधिकारी इन महिलाओं को उचित देखभाल प्रदान करने के लिए जिम्मेदार हैं। बिहार सरकार के मुख्य सचिव को नोटिस वाले लोग अस्वच्छ परिस्थितियों में रह रहे थे। शेल्टर होम में भोजन बनाने में भी उचित स्वच्छता का ध्यान नहीं रखा जा रहा था। आयोग

जारी कर दो सप्ताह के भीतर विस्तृत रिपोर्ट मांगी गई है। रिपोर्ट में पीड़ितों के स्वास्थ्य की स्थिति शामिल होने की उम्मीद है। मीडिया में आई रिपोर्ट के अनुसार 14 नवंबर को आश्रय गृह के निरीक्षण के दौरान अधिकारियों ने पाया कि वहां रहने ने पूछा है कि क्या प्रशासन द्वारा पीड़ितों या उनके परिवारों को कोई मुआवजा दिया गया है। मुख्य सचिव से ऐसी घटनाओं की पुनरावृत्ति न हो, इसके लिए क्या कदम उठाए गए या प्रस्तावित किए गए हैं, इस पर भी जानकारी मांगी है।

एनएचआरसी ने तेलंगाना के लगचार्ला गांव में भूमि अधिग्रहण मामले में राज्य सरकार को जारी किया नोटिस

एजेंसी

नई दिल्ली। राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग (एनएचआरसी) ने तेलंगाना के विकाराबाद जिले के लगचार्ला गांव के निवासियों की एक शिकायत पर संज्ञान लिया है, जिसमें स्थानीय लोगों को पुलिस उत्पीड़न, शारीरिक शोषण और झूठे आपराधिक आरोपों का सामना करना पड़ा है।

आयोग ने मुख्य सचिव और पुलिस महानिदेशक, तेलंगाना को नोटिस जारी कर दो सप्ताह के भीतर मामले में विस्तृत रिपोर्ट मांगी है। इसके अलावा आरोपों की गंभीरता को देखते हुए आयोग ने मौके पर जांच के लिए कानून और जांच अधिकारियों की एक संयुक्त टीम को भेजा है। टीम एक सप्ताह के भीतर एक रिपोर्ट प्रस्तुत करेगी। विकाराबाद जिले के कोडंगल निर्वाचन क्षेत्र के लागाचर्ला गांव के आदिवासी निवासियों ने सोमवार को राष्ट्रीय अनुसूचित जाति एवं अनुसूचित जनजाति आयोग, राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग और महिला आयोग के प्रमुखों से मुलाकात कर अपनी समस्या से अवगत कराया था। आयोग का कहना है कि इसकी शिकायत कम से कम 12 पीड़ितों ने की है। इन्होंने उन्हें भुखमरी से बचाने के लिए हस्तक्षेप करने का अनुरोध किया है। राज्य सरकार ने कोडंगल निर्वाचन क्षेत्र में एक फार्मा विलेज स्थापित करने का फैसला किया है। इसमें कथित तौर पर एकतरफा तरीके से 1,374 एकड़ जमीन का अधिग्रहण किया गया है। पिछली सरकार ने एक अत्याधुनिक फार्मा सिटी की स्थापना के लिए पहले से ही 16 हजार एकड़ जमीन का अधिग्रहण किया हुआ है। ग्रामीणों का कहना है कि राज्य सरकार प्रस्तावित 'फार्मा विलेज' के लिए उचित प्रक्रिया का पालन किए बिना भूमि अधिग्रहण कर रही है और उन्होंने इसका विरोध किया है। कथित अत्याचारों के अधिकांश पीड़ित अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति और अन्य पिछड़े समुदायों से हैं। कथित तौर पर 11 नवंबर को जिला कलेक्टर अन्य अधिकारियों के साथ प्रस्तावित फार्मा परियोजना के लिए जबरन भूमि अधिग्रहण की घोषणा करने के लिए लागाचर्ला गांव पहुंचे। उसी शाम सैकड़ों पुलिस कर्मियों ने कथित तौर पर कुछ स्थानीय गुंडों के साथ गांव में छापा मारा और विरोध कर रहे ग्रामीणों पर हमला किया। उन्होंने गर्भवती महिलाओं को भी नहीं बख्शा। कथित तौर पर इंटरनेट सेवाएं और बिजली आपूर्ति भी बंद कर दी गई थी ताकि मदद के लिए किसी से भी संपर्क न किया जा सके।

राहुल की अडानी को गिरफ्तार करने की मांग से एनएसयूआई में जोश, किया प्रदर्शन

एजेंसी

नई दिल्ली। कांग्रेस की छात्र इकाई एनएसयूआई ने उद्योपति गौतम अडानी पर लगे भ्रष्टाचार के आरोपों को लेकर उनकी गिरफ्तारी की मांग

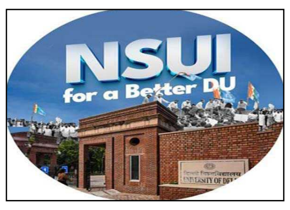

करते हुए आज यहां विशाल प्रदर्शन किया। एनएसयूआई के मीडिया विभाग के चेयरमैन रवि पांडे ने बताया कि संगठन के अध्यक्ष वरुण चौधरी के नेतृत्व में एनएसयूआई के कार्यकर्ताओं ने यहां संगठन के मुख्यालय से शास्त्री भवन तक मार्च किया जिसमें सैकड़ों छात्रों और युवाओं ने भाग लिया और अडानी की तुरंत गिरफ्तारी की मांग की।

विश्व शांति और जलवायु कार्रवाई के माध्यम से रचनात्मक वैश्विक शक्ति बनना चाहता है भारतः उपराष्ट्रपति

एजेंसी

नई दिल्ली। उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने कहा कि भारत का लक्ष्य शांति निर्माण, शांति स्थापना और जलवायु कार्रवाई पहल के माध्यम से एक रचनात्मक वैश्विक शक्ति बनना है। उपराष्ट्रपति धनखड़ ने आज नई दिल्ली में भारत के मूल मूल्य, रुचियां और उद्देश्य विषय पर 64वें राष्ट्रीय रक्षा कॉलेज (एनडीसी) पाठ्यक्रम के प्रतिभागियों को संबोधित किया। विश्व में सकारात्मक भूमिका निभाने के भारत के योगदान का उल्लेख करते हुए उपराष्ट्रपति ने कहा कि जी20 की अध्यक्षता के दौरान भी भारत ने सतत विकास दर पर केंद्रित वैश्विक प्रगति को मानव केंद्रित किए जाने पर जोर किया और विविधता में एकता पर बल दिया। उपराष्ट्रपति ने इस बात को भी रेखांकित किया कि भारत सबके सुख की कामना करता है और विश्व को एक परिवार के तौर पर मानता है। जी-20 की अध्यक्षता के दौरान भारत ने 'वैश्विक दक्षिण' की आवाज को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर उठाया। उन्होंने कहा कि पर्यावरण का पोषण करते हुए समावेशी विकास, बातचीत को प्रधानता देने पर जोर देती है। उपराष्ट्रपति ने कहा कि हम लैंगिक समानता के प्रति प्रतिबद्ध हैं

शांति और सार्वभौमिक कल्याण भारतीय दर्शन के केंद्र में है। विश्व की सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था होने के नाते भारत अपनी भाषा, धर्म और नस्लीय विभिन्नता का उत्सव मनाता है। यहां समानता और स्वतंत्रता सुनिश्चित होती है। भारत की विदेश नीति भी इसी तरह अन्य देशों की क्षेत्रीय अखंडता संप्रभुता का सम्मान करते हुए संघर्ष व प्रतिस्पर्धा पर और यह अर्थव्यवस्था और सामाजिक मूल्यों के साथ-साथ सद्भाव के लिए भी महत्वपूर्ण है। हम महिलाओं को सशक्त बनाने को एक कदम आगे बढ़कर महिलाओं के नेतृत्व में सशक्तीकरण पर ध्यान केंद्रित किए हुए हैं। उन्होंने हाल ही में संसद से पारित महिला आरक्षण विधेयक का भी इस दौरान जिक्र किया।

भाजपा ने आआपा उम्मीदवारों की पहली सूची पर सवाल उठाया

एजेंसी

नई दिल्ली। दिल्ली में विधानसभा चुनाव को लेकर आरोप - प्रत्यारोप जारी हैं। ऐसे में दिल्ली में आम आदमी पार्टी (आआपा) ने विधानसभा चुनाव में अपने उम्मीदवारो की पहली सूची जारी कर दी है । इस पर भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) दिल्ली प्रदेश अध्यक्ष वीरेंद्र सचदेवा ने आआपा की निंदा करते हुए कहा कि दिल्ली की मुख्यमंत्री और आम आदमी पार्टी के संयोजक अरविंद केजरीवाल अपना नाम पहले नहीं दे रहे है और अन्य नेताओं का नाम आगे कर के क्या साबित करना चाहते हैं।

वीरेंद्र सचदेवा ने आआपा के संयोजक केजरीवाल पर कटाक्ष करते हुए कहा कि केजरीवाल अपनी पहली सूची में अपना नाम नहीं डाले हैं, अपने मंत्रिमंडल के किसी सदस्य का नाम नहीं दिए और न ही अपने बहुत करीबियों का ही, तो ये सब बता रहा है कि केजरीवाल कितना डरे हुए हैं।

उन्होंने कहा कि यदि केजरीवाल अपने नेताओं को आगे कर के चुनाव जीतना चाहते हैं तो दिल्ली की जनता ऐसा होने नहीं देगी। उन्होंने कहा कि आम आदमी

पार्टी की पहली सूची बता रही है कि उनका दिल्ली में क्या हश्र होने वाला है। आआपा के उम्मीदवारों की पहली सूची जारी होने पर भाजपा प्रदेश अध्यक्ष ने कहा कि इस पार्टी के भीतर जो विद्रोह है, वह सभी को जल्द देखने को मिलेगा ।

आतिशी ने रोहिणी सेक्टर 27 में किया नए सरकारी स्कूल का उद्घाटन

एजेंसी

नई दिल्ली। दिल्ली की मुख्यमंत्री आतिशी रोहिणी सेक्टर 27 में एक नए सरकारी स्कूल का उद्घाटन किया । इस दौरान उन्होंने कहा कि इस स्कूल में वह सुविधाएं भी हैं जो की किसी निजी स्कूलों में भी नहीं होंगी । दिल्ली की मुख्यमंत्री आतिशी ने कहा कि दिल्ली के हर बच्चे को वर्ल्ड क्लास शिक्षा देने के अरविंद केजरीवाल के विज़न के तहत रोहिणी सेक्टर-27 में शानदार नए स्कूल का शुभारंभ किया गया । इस मौके पर उनके साथ स्थानीय आम आदमी पार्टी(आआपा) विधायक शरद चौहान, शिक्षा विभाग के अधिकारी समेत अन्य लोग मौजूद थे। मुख्यमंत्री आतिशी रोहिणी सेक्टर 27 में नए सरकारी स्कूल के उद्घाटन के दौरान बताई कि इस स्कूल में 121 क्लासरूम हैं जहां आपके बच्चे पढ़ेंगे। नौ प्रयोगशालाएं, योग के लिए अलग कमरे हैं, छात्रों के लिए सम्मेलन कक्ष हैं, और आपको विश्वास नहीं होगा क्योंकि यह सुविधा निजी स्कूलों में भी नहीं है । इस स्कूल में आपके बच्चों के लिए लिफ्ट भी लगाई गई है ।उन्होंने कहा कि मुझे खुशी है कि इस स्कूल से आसपास के दो हजार बच्चों को पढ़ने के लिए दूर नहीं जाना पड़ेगा

और घर के नज़दीक ही उन्हें सबसे अच्छी शिक्षा मिलेगी। आतिशी ने बताया, देशभर से लोग दिल्ली में अपने बच्चों को अच्छी ज़िंदगी देने के लिए, एक बेहतर भविष्य के लिए आते है। अरविंद केजरीवाल ने सरकारी स्कूलों का कायापलट कर आम लोगों के इस सपने को पूरा करने का काम किया है और साबित कर दिया है कि, अच्छी शिक्षा पाकर अब गरीब का बच्चा गरीब नहीं रहेगा। आतिशी ने कहा कि अरविंद केजरीवाल के मार्गदर्शन में दिल्ली की सरकार लगातार शिक्षा को पहली प्राथमिकता पर रखती है। पिछले कुछ महीनों से लगातार हर हफ़्ते किसी स्कूल का उद्घाटन हो रहा है, किसी स्कूल का शिलान्यास हो रहा है। यह आज की बात नहीं है, पिछले दस सालों से जब से दिल्ली के लोगों ने अरविंद केजरीवाल को अपना मुख्यमंत्री बनाया, जब से आम आदमी पार्टी की सरकार चुनी है, तब से इस सरकार ने बच्चों की शिक्षा को, उनके भविष्य को अपनी पहली प्राथमिकता बनाया है। उन्होंने आगे कहा कि हम चाहते हैं कि दिल्ली के हर बच्चे को चाहे वह अमीर परिवार से आता हो या गरीब परिवार से आता हो, उसको वर्ल्ड क्लास शिक्षा मिलनी चाहिए। हर बच्चे को वर्ल्ड क्लास शिक्षा देना हमारा मकसद है।

नेता प्रतिपक्ष ने मुख्यमंत्री को पत्र लिखकर तकनीकी शिक्षण संस्थानों की फीस में कम करने की मांग की

एजेंसी

नई दिल्ली। दिल्ली विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष विजेंद्र गुप्ता ने दिल्ली सरकार के तकनीकी शिक्षण संस्थानों में फीस में बढ़ोत्तरी को लेकर आम आदमी पार्टी(आआपा) सरकार की कड़ी आलोचना की है और कहा है कि अपनी शिक्षा क्रांति का ढिंढोरा पीटने वाली आआपा सरकार इन संस्थानों में पढ़ रहे छात्रों के भविष्य के साथ खिलवाड़ कर रही है । बीटेक जैसे टेक्निकल पाठ्यक्रमों की वार्षिक फीस 2018-19 के 1,51,000 रुपये से बढ़कर 2023-24 में 2,36,700 रुपये हो गई है । फीस में इस बढ़ोत्तरी के कारण छात्रों ने दिल्ली सरकार के शिक्षण संस्थानों से किनारा करना शुरू कर दिया है, जिससे छात्रों की संख्या निरंतर घटती जा रही है। गुप्ता ने इस संबंध में दिल्ली के मुख्यमंत्री आतिशी को पत्र लिखकर इस मामले में संज्ञान लेने और फीस में कमी करने की मांग की है। विजेंद्र गुप्ता ने कहा कि केवल टेक्निकल पाठ्यक्रमों में ही बल्कि बीए और बीकॉम जैसे सामान्य पाठ्यक्रमों की फीस भी आम आदमी की पहुंच से बाहर है। दिल्ली विश्वविद्यालय के सामान्य पाठ्यक्रमों में जहां वार्षिक फीस औसतन पंद्रह हजार रुपए ही है, वहीं दिल्ली सरकार के इन शिक्षण संस्थानों में यह 70 हजार रुपये यानी चार गुणा से भी अधिक है । न केवल सालाना ट्यूशन फीस, बल्कि होस्टल की फीस में भी तीन गुणा वृद्धि कर दी गई है। होस्टल की फीस जो 2021-22 में 20 हजार रुपये सालाना थी उसे बढ़ाकर 2022-23 में 60 हजार रुपये कर दिया गया है। गुप्ता ने आरोप लगाया कि सरकार ने इन तकनीकी शिक्षण संस्थानों के फीस में वृद्धि कर दी है, जो छात्रों के अभिभावकों के लिए चिंता का सबब बन रही है । गुप्ता ने बताया कि दिल्ली सरकार की दिल्ली टेक्निकल यूनिवर्सिटी (डीटीयू) को सरकार द्वारा दी जारी अनुदान सहायता की राशि 2023-24 में 56 करोड़ रुपए थी, जिसे 2024-25 में घटाकर 41 करोड़ रुपए कर दिया गया ।

भारत-चीन विदेश मंत्री वार्ता: मानसरोवर यात्रा और सीधी विमान सेवाओं पर होगी आगे बातचीत

नई दिल्ली। भारत और चीन के विदेश मंत्रियों ने जी20 के इतर बैठक में कैलाश मानसरोवर तीर्थयात्रा को फिर से शुरू करने, सीमा पार नदियों पर डेटा साझा करने, दोनों देशों के बीच सीधी उड़ान और मीडिया संबंधी आदान-प्रदान पर चर्चा की। दोनों मंत्रियों ने महसूस किया कि हमारा ध्यान संबंधों को स्थिर करने, मतभेदों को ठीक से संभालने और आगे के कदम उठाने पर होना चाहिए।विदेश मंत्री डॉ. एस. जयशंकर ने चीन के अपने समकक्ष वांग यी से कल रियो डी जनेरियो में जी20 शिखर सम्मेलन के मौके पर मुलाकात की थी। विदेश मंत्री वांग यी ने जयशंकर से सहमति व्यक्त की कि भारत-चीन संबंधों का विश्व राजनीति में विशेष महत्व है। दोनों मंत्रियों ने माना कि सीमावर्ती क्षेत्रों में सैनिकों के पीछे हटने से शांति और स्थिरता की दिशा में प्रगति हुई है। इस बात पर सहमति हुई कि विशेष प्रतिनिधियों और विदेश सचिव और उनके चीनी समकक्ष के बीच एक बैठक जल्द ही होगी। विदेश मंत्रालय की ओर से आज जारी बयान में बताया गया है कि जयशंकर ने इस दौरान स्पष्ट किया कि भारत अपने रिश्तों को दूसरे देशों के चश्मे से नहीं देखता। ??भारत की विदेश नीति सैद्धांतिक और सुसंगत रही है और यह हमारे स्वतंत्र विचार और कार्रवाई से झलकती है।

NAME CHANGE

I Hari Om Kushwaha S/O Bajrangi Lal Kushwaha,R/O E-6, ADHYAPAK NAGAR, NANGLOI, Nilothi, West-Delhi, Delhi, 110041,have changed the name of my minor daughter Chavi aged 14 years and she shall hereafter be known as Chavi Kushwaha.

DATE OF BIRTH CHANGE

I, SUB RANJAN KUMAR PARIDA permanent resident of- VILL-USTAPALLI, PO-INGINATHI, DISTRICT-GANJAM, ODISHA-761140, in my service record my father's (BIRABHADRA PARIDA) date of birth wrongly mentioned as 23/07/1955 instead of his correct date of birth as 10/03/1956, vide Affidavit dated 22/11/2024 before Executive Magistrate, Delhi.

DATE OF BIRTH CHANGE

I, SUB RANJAN KUMAR PARIDA permanent resident of- VILL-USTAPALLI, PO-INGINATHI, DISTRICT-GANJAM, ODISHA-761140, in my service record my mother's (KUMARI PARIDA) date of birth wrongly mentioned as 05/03/1961 instead of her correct date of birth as 05/02/1963, vide Affidavit dated 22/11/2024 before Executive Magistrate, Delhi.

PUBLIC NOTICE

BE IT KNOWN TO THE PUBLIC IN GENERAL THAT MY CLIENTS PARTAP SINGH SON OF SHRI KUNDAN LAL MAYA DEVI WIFE OF SHRI PARTAP SINGH BOTH RESIDENT OF D-15 RAJEEV NAGAR BEGUMPUR DELHI HAVE SEVERED THEIR ALL RELATION WITH HIS/HER SON LOVELY AND HIS WIFE SWATI AND ALSO DISOWNED FROM THEIR MOVABLE AND IMMOVABLE PROPERTY RIGHT NOW. FURTHER, ANY PERSON DEALING WITH THEM IN ANY MANNER WHATSOEVER SHALL BE THE SOLE RESPONSIBLE FOR THE CONSEQUENCES IN THE EVENT THE SAME GOES AGAINST ONE AND VICE- VERSA. MY CLIENTS SHALL NOT BE RESPONSIBLE FOR THE CONSEQUENCES OF THE TRANSACTION WITH THEM IN ANY MANNER.

Adv. MOHIT BHARDWAJ
Ch.No. 02, Near District Magistrate (North-West) Office, 100 Ft. Road, Kanjhawala, Delhi-110081

NAME CHANGE

I, Athar Hassan S/O R/O E-140, Gali No-2, 20 Futa Road Near Madina Masjid, Chand Bagh, Karawal Nagar, PO: Karawal nagar, DIST: North East Delhi, Delhi-110094 HAVE CHANGED MY NAME TO Athar Hasan

NAME CHANGE

I, Mohd Usmanghni S/O H.A. Gani R/O 1843 Gali Wazir Beg. Near Haj Manzil, Turkman Gate. Delhi G.P.O., North Delhi, Delhi-110006 HAVE CHANGED MY NAME TO Mohd Usman Ghani

NAME CHANGE

I, Sajida Ansari W/O Saleem Ahmed R/o H.N.E - 39,E Block,Gali No.4, Subhash Vihar, North Ghonda, Delhi - 110053 have changed my name from Sajida Begam for all future purposes.

NAME CHANGE

I,Amit Kumar Sarda R/o 1/7213 2nd floor Gali No. 1 Shivaji Park Shahdara Delhi 110032 inform that I have changed my minor daughter's name Yuvika to Yuvika Sarda for all future purposes

NAME CHANGE

I, AKASH son of JC-769516A Rank-SUB (MTECO) Name-VIRENDRA SINGH residing at VILL-PIPALI, PO-KUTTHA, TEHSIL-TEHRI, DIST-TEHRI GARHWAL, UTTARAKHAND-249001 have changed my name from AKASH to AKASH BANGAIN for all future purposes, vide Affidavit dated 22/11/2024 before Notary Public Delhi.

NAME CHANGE

I, GEETA BANGAIN wife of JC-769516A Rank- SUB (MTECO) Name-VIRENDRA SINGH residing at VILL-PIPALI, PO-KUTTHA, TEHSIL-TEHRI, DIST-TEHRI GARHWAL, UTTARAKHAND-249001 have changed my name from GEETA BANGAIN to GEETA for all future purposes, vide Affidavit dated 22/11/2024 before Notary Public Delhi.

PUBLIC NOTICE

THE PUBLIC AT LARGE TAKE NOTICE THAT MY CLIENTS SH. JAI DAYAL AND SMT. TARA, R/O: ISARHERI(66), LOWA KALAN, JHAJJAR, HARYANA-124507, HEREBY DISINHERIT HIS SON ISHWAR AND DAUGHTER-IN-LAW POOJA W/O SH. ISHWAR FROM ALL THEIR PROPERTIES MOVABLE AND IMMOVABLE BECAUSE OF THEIR BAD CHARACTER AND UNCONTROLLABLE BEHAVIOR. THE SAID PERSONS WOULD THEREFORE. BE NO LONGER SON & DAUGHTER-IN-LAW OF MY CLIENTS, THE SAID SON & DAUGHTER-IN-LAW WILL NOT INHERIT ANY PROPERTY OF MY CLIENTS WHILE ALIVE OR AFTER THE DEATH OF MY CLIENTS, MY CLIENTS SHALL NOT BE RESPONSIBLE FOR ANY QUARREL, CRIMINAL/CIVIL CASE, OR OTHER ACTS OF HIS FAMILY MEMBERS AND RELATIVES OR FOR ANY DEBTS INCURRED BY THEM.

KAMAL SINGH Advocate
CHAMBER NO. 628, 6TH FLOOR LAWYER'S CHAMBER BLOCK, DWARKA DISTRICT COURT, SEC-10, DWARKA, NEW DELHI-75

NAME CHANGE

I, DARSHAN KUMAR S/O SHRI JAMNA DAS residing at FLAT NO- C-204, ALEXANDRA TOWER-C, GRAND OMAXE SECTOR-93B, NOIDA, GAUTAM BUDH NAGAR, UTTAR PRADESH, INDIA PIN-201304, have changed my name to DARSHAN KUMAR MANCHANDA for all future purpose.

NAME CHANGE

I, AANCHAL daughter of JC-769516A Rank- SUB (MTECO) Name-VIRENDRA SINGH residing at VILL-PIPALI, PO-KUTTHA, TEHSIL-TEHRI, DIST-TEHRI GARHWAL, UTTARAKHAND-249001 have changed my name from AANCHAL to AANCHAL BANGAIN for all future purposes and in my father's service records my date of birth wrongly mentioned as 18/01/2004 instead of my correct date of birth as 18/02/2004 vide Affidavit dated 22/11/2024 before Notary Public Delhi.

PUBLIC NOTICE

Public notice is hereby given that my client Mr. Suraj Kumar S/o Mr. Abheram, R/o Village Bhanaira, Nagla, Akhu, Ghaziabad, Uttar Pradesh 201204, is owner of Residential Vacant Plot No. 6, area measuring 45.99 Square Meters, out of Khasra No. 686, situated at Saraswati Vihar Phase-1, Village Saddik Nagar, Pargana Loni, Tehsil and District Ghaziabad, Uttar Pradesh, vide Khatauni/ Jamabandi/ Fard Fasli Year 1421-1426. On date, being the absolute owner of the said property, my client Mr. Suraj Kumar, going to sell to Mrs. Sheela W/o Mr. Parmeshwar Yadav. The same is to be financed by Aadhar Housing Finance Ltd., branch Dadri, Gautam Budh Nagar, Uttar Pradesh. If any person(s) has/have any objection regarding the above said property, then kindly may submit his/her objection within 7 days from the date of this Notice in writing to undersigned or the said Bank/FI. The said objection may be kindly sent to the undersigned/ bank by way of the Registered Post on the address given below and by E-mail. Failing which, the claim as per aforesaid shall be treated as null and void in respect of the subject property.

[RUPESH KUMAR ROUSHAN]
Advocate
D-803, Nandgram,
Ghaziabad, Uttar Pradesh 201003
roushan.rupesh@gmail.com

प्रदूषण की शिकायत के लिए झज्जर जिला प्रशासन ने जारी किए फोन नंबर

एजेंसी

झज्जर। उद्योग नगरी बहादुरगढ़ समेत संपूर्ण झज्जर जिले में बढ़ते वायु प्रदूषण को नियंत्रित करने के लिए ग्रैप-4 (ग्रेडेड रेस्पांस एक्शन प्लान) की पाबंदियां को प्रभावी ढंग से लागू किया जा रहा है। ग्रैप-4 के तहत प्रतिबंधित गतिविधियों की शिकायत हेतु जिला प्रशासन ने मोबाइल नंबर सार्वजनिक किए हैं। इन पर नागरिक प्रदूषण फैलाने वाली गतिविधियों की सूचना दे सकते है। सॉलिड वेस्ट, डंपिंग, कचरा में आग लगाने आदि की शिकायत के लिए मोबाइल फोन नंबर 9306310046 जारी किया गया है। इसके अलावा समीर पोर्टल पर भी शिकायत की जा सकती है। धूल कणों से होने वाले प्रदूषण की शिकायत के लिए 8059123768 नंबर सार्वजनिक किया गया है। इसके अलावा आरओ प्रदूषण नियंत्रण विभाग द्वारा मोबाइल नंबर 90505-35405 और 99910-19568 जारी किया गया है। इस नंबर पर भी जिला वासी फोन या व्हाट्सएप कर अपनी शिकायत दर्ज करा सकते हैं। इसके अलावा डीसी झज्जर के ट्विटर हैंडल पर भी प्रदूषण से संबंधित सूचना या फोटो को टैग किया जा सकता है। शिकायत प्राप्त होते ही प्रदूषण से संबंधित छोटी शिकायतों पर तीन घंटे में तथा बड़े मामलों में छह घंटे के अंदर एक्शन टेकन रिपोर्ट देने के सख्त निर्देश दिए गए हैं।

हरियाणा में नौकरी के लिए जमीन व जेवर बेचने की नहीं जरूरतः कृष्ण मिड्ढा

जींद। हरियाणा के डिप्टी स्पीकर एवं जींद विधानसभा के विधायक डा. कृष्ण लाल मिड्ढा ने कहा कि अब हरियाणा के युवाओं को सरकारी नौकरी प्राप्त करने के लिए अपनी जमीन व जेवर बेचने के जरूरत नही है बल्कि पूर्व की सरकार में करोड़ों रुपये में बिकने वाली एचपीएससी स्तर तक की सरकारी नौकरियां योग्यता के आधार पर युवाओं को मुहैया करवाई जा रही है। ऐसे में भाजपा की सरकार ने बिना खर्ची पर्ची की नौकरियां देकर भ्रष्टाचार पर अंकुश लगाने का काम किया है। डिप्टी स्पीकर डा. कृष्ण मिड्ढा गुरुवार को धन्यवादी दौरे के दौरान जींद हलका के लगभग आधा दर्जन से अधिक गांवों में लोगों को संबोधित करते रहे थे। डा. मिड्ढा ने अपने धन्यवादी दौरे की शुरुआत गांव पांडु पिंडारा से की। इसके बाद वे हैबतपुर, झांझखुर्द, झांझ कलां, बड़ौदी, बरसोला तथा अमरहेड़ी गांवों में पहुंच कर लोगों से रूबरू हुए और विधानसभा चुनाव में हलका वासियों द्वारा दिये गए अपार जनसमर्थन का धन्यवाद किया। इस दौरान हलका के गांव बडौदी में डिप्टी स्पीकर को घोड़ा बग्गी पर बैठाकर ढोल से सम्मान के साथ कार्यक्रम तक लाया गया।

शहीदों के कर्ज को कभी चुकाया नहीं जा सकताः रणबीर गंगवा

हिसार। लोक निर्माण एवं जनस्वास्थ्य अभियांत्रिकी मंत्री रणबीर गंगवा ने कहा है कि हरियाणा के नौजवान सेना में भर्ती होना अपनी शान समझते है। यही कारण है कि आज भारतीय सेना का हर दसवां जवान हरियाणा प्रदेश से है। मंत्री रणबीर गंगवा गुरुवार को गांव मिर्जापुर स्थित शहीद लेफ्टिनेंट हवा सिंह (वीर चक्र) स्मारक स्थल पर अपनी श्रद्धांजलि अर्पित करने उपरांत लेफ्टिनेंट हवा सिंह (वीर चक्र) राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय गांव मिर्जापुर में आयोजित 54वें शहीद सम्मान समारोह में शिकरत करके ग्रामीणों को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि वीर शहीदों के बलिदान के कारण ही आज हम खुली हवा में सांस ले रहे हैं। उन्होंने कहा कि हम अपने शहीदों के बलिदानों का कर्ज तो नहीं चुका सकते, लेकिन उनके परिजनों की देखभाल करके उनके प्रति सम्मान अवश्य जता सकते हैं। कार्यक्रम के दौरान कैबिनेट मंत्री ने नागरिकों की समस्याओं को सुनकर अधिकारियों को उनका निदान करने के निर्देश दिए। इसके उपरांत लोक निर्माण एवं जनस्वास्थ्य अभियांत्रिकी मंत्री रणबीर गंगवा ने गांव नियाणा स्थित श्री शिव गौशाला में आयोजित कार्यक्रम के दौरान कहा कि प्रदेश सरकार हर वर्ष गौशालाओं की देखभाल के लिए अनुदान राशि में वृद्धि कर रही है। उन्होंने बताया कि हमारी संस्कृति में गौ माता को महत्वपूर्ण स्थान हासिल है। गौ बहुउपयोगी है इसलिए हम गौ माता का पूजन करते हैं।

खेतड़ी-नरेला सोलर हाईटेंशन लाइन प्रोजेक्ट पर जल्द शुरू होगा कार्य

झज्जर। क्षेत्र की बिजली आपूर्ति में सुधार के लिए सरकार द्वारा लगभग 1800 करोड़ रुपये की लागत से खेतड़ी-नरेला 765 केवी सोलर हाइटेंशन लाइन का महत्वपूर्ण प्रोजेक्ट शुरू किया गया है। इस परियोजना पर निर्माण कार्य जल्द आरंभ होगा। यह जानकारी उपायुक्त प्रदीप दहिया ने गुरुवार को राज्य के मुख्य सचिव विवेक जोशी द्वारा वीडियो कांफ्रैसिंग के जरिए ली गई समीक्षा बैठक के बाद दी। प्रदेश के मुख्य सचिव विवेक जोशी ने वीडियो कांफ्रैंसिंग के माध्यम से जिला प्रशासन के साथ समीक्षा की। उपायुक्त प्रदीप दहिया ने प्रोजेक्ट के संदर्भ में मुख्य सचिव के समक्ष विस्तृत रिपोर्ट पेश करते हुए जल्द कार्य शुरू करने के विषय में चर्चा की। इस दौरान पावर ग्रिड व राजस्व विभाग के अधिकारी भी वीसी में उपस्थित रहे। मुख्य सचिव ने सोलर पावर सप्लाई से जुड़े इस महत्वाकांक्षी प्रोजेक्ट को यथाशीघ्र शुरू करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि प्रोजेक्ट से जुड़े सभी पक्षों के हितों को मद्देनजर रखते हुए जल्द कार्य शुरू करवाया जाए। उपायुक्त ने वीसी के दौरान बताया कि जिला प्रशासन प्रोजेक्ट को लेकर पूरी गंभीरता के साथ कार्य कर रहा है।

दिल्ली एनसीआर में कोरियाई शहर बसाने पर विचार करेगी हरियाणा सरकार

एजेंसी

चंडीगढ़। हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी से गुरुग्राम में कोरिया हेराल्ड और देवू कॉरपोरेशन के अध्यक्ष तथा कोरिया हाउसिंग बिल्डर्स एसोसिएशन के चेयरमैन जंग वोन जू की अगुवाई में आए प्रतिनिधिमंडल ने मुलाकात की।

इस मौके पर इंटरएक्टिव सेशन को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि हरियाणा में कोरियाई व्यवसायों को बढ़ने में सहायता देने के साथ साथ सरकार की ओर से पूरा सहयोग किया जाएगा। इसके अलावा, राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र के निकटवर्ती क्षेत्र में वर्तमान सरकार उपयुक्त भूमि चिन्हित करने में सहयोग करेगी, जिससे कोरियाई व्यवसायों को बढ़ने में सहायता मिलेगी। इस मौके पर विदेश सहयोग विभाग के मंत्री राव नरबीर सिंह और सहकारिता मंत्री डॉ अरविंद शर्मा भी उपस्थित रहे। बैठक में नायब सिंह

सैनी ने कहा कि हरियाणा ने सहयोग के लिए फोकस क्षेत्र जैसे कि ऑटो टेक्सटाइल्स, खाद्य प्रसंस्करण, रियल एस्टेट पर बल दिया है। उन्होंने कहा कि सिटी टू सिटी प्रोजेक्ट के लिए दक्षिण कोरिया के साथियों का हरियाणा में स्वागत है। शहर-दर-शहर सहयोग के माध्यम से सर्वोत्तम प्रथाओं को साझा करने से पारस्परिक लाभ होगा। उन्होंने कहा कि भारत और दक्षिण कोरिया की संस्कृति में बहुत सारी समानताएं हैं। सांस्कृतिक और आध्यात्मिक रूप से दोनों देश एक दूसरे से जुड़े हुए हैं। दक्षिण कोरिया और हरियाणा एक दूसरे के लिए बने हैं। हमारा लक्ष्य है कि हरियाणा के विदेश सहयोग विभाग के साथ मिलकर हम हरियाणा को अंतरराष्ट्रीय जगत पर एक नई पहचान दिलाएं। मुख्यमंत्री ने कहा कि हरियाणा गीता की भूमि है। कर्म की भूमि है और भगवान श्रीकृष्ण की धरा है और वे इस पावन धरा पर कोरियन प्रतिनिधिमंडल का स्वागत करते हैं। उन्होंने कहा कि हर वर्ष हरियाणा में अंतरराष्ट्रीय गीता महोत्सव मनाया जाता है, जिसमें एक देश पार्टनर देश होता है तथा इस बार अंतरराष्ट्रीय गीता महोत्सव में तंजानिया देश को पार्टनर कंट्री के रूप में जोड़ा है। उन्होंने कोरियन प्रतिनिधिमंडल से आग्रह करते हुए कहा कि दक्षिणी कोरिया के साथ हमारा बहुत पुराना नाता है और हम चाहते हैं कि अगली बार अंतरराष्ट्रीय गीता महोत्सव में कोरिया भी हमारा पार्टनर देश बने।

इजराइल दूतावास के विशेषज्ञों ने किया पुष्प व बीज उत्पादन केंद्र का दौरा

एजेंसी

झज्जर। इजराइल दूतावास के सब्जी विशेषज्ञ उरी रूबिंस्टीन और डेनियल हैडेड गुरुवार को नजदीकी गांव मुनीमपुर स्थित पुष्प एवं बीज उत्पादन तकनीकी उत्कृष्टता केंद्र पहुंचे और यहां बागवानी को लेकर चल रही गतिविधियों का अध्ययन किया। उत्कृष्टता केंद्र पहुंचने पर उद्यान विभाग की उपनिदेशक डॉ. पिंकी यादव, केंद्र प्रभारी डॉ सुरेश चंद, उद्यान निदेशालय पंचकुला से डॉ. हितेश अग्रवाल ने इजरायल अधिकारियों का स्वागत किया।केंद्र प्रभारी डॉ. सुरेश चंद ने इजरायली अधिकारी उरी रूबिंस्टीन एवं डेनियल हैडेड को केंद्र की गतिविधियों से अवगत कराया। उन्होंने यहां बने संरक्षित ढांचों व हाई टेक नर्सरी का गहन निरीक्षण किया। विषय वस्तु विशेषज्ञ डॉ. हेमंत सैनी ने संरक्षित ढांचों, हाई-टेक नर्सरी व केंद्र में चल रहे अन्य विकास कार्यों के बारे में विस्तृत जानकारी देते हुए बताया कि किस प्रकार केंद्र में बनी हाई-टेक नर्सरी में किसानों के लिए स्वस्थ एवं उच्च किस्म की सब्जियों की पौध तैयार की जाती है ताकि किसान कम मूल्य में उच्च गुणवत्ता की फसल तैयार कर सकें। इसके साथ-साथ केन्द्र पर समय-समय पर चलाए जाने वाले साप्ताहिक व एक दिवसीय प्रशिक्षण के बारे में भी अवगत कराया गया जिसमें किसानों को फूल उत्पादन की उन्नत तकनीकों से अवगत कराया जाता है। इजराइली अधिकारी उरी रूबिंस्टीन व एवं सब्जी विशेषज्ञ डेनियल हैडेड ने केंद्र के अधिकारियों को नेट हाउस, पोली हाउस में विभिन्न फसलों की पैदावार को आधुनिक तकनीकी के माध्यम से बढ़ाने एवं फसलों में घुलनशील खाद लगाने के बारे में नवीनतम तकनीकों से अवगत कराया।

नारायणगढ़ में स्थापित होगी अत्याधुनिक सहकारी चीनी मिल : नायब सैनी

एजेंसी

चंडीगढ़। हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने आर्थिक विकास को बढ़ावा देने में सहकारिता आंदोलन की महत्वपूर्ण भूमिका पर प्रकाश डाला। उन्होंने लोगों से विकसित भारत-विकसित हरियाणा के विजन को साकार करने में सहकारी समितियों से सक्रिय रूप से जुड़ने का आह्वान किया।

मुख्यमंत्री गुरुग्राम में 71वें राष्ट्रीय सहकारिता सप्ताह के समापन समारोह में उपस्थित लोगों को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने घोषणा करते हुए कहा कि नारायणगढ़ में जल्द ही एक नई अत्याधुनिक सहकारी चीनी मिल स्थापित की जाएगी। इसके अलावा, कुरुक्षेत्र में एक आधुनिक सूरजमुखी तेल पेराई मिल स्थापित की जाएगी और रेवाड़ी में देश की सबसे बड़ी सहकारी सरसों तेल मिल स्थापित की जाएगी। विकसित भारत-विकसित हरियाणा के संकल्प को पूरा करने में सहकारी संस्थाओं की भूमिका पर मुख्यमंत्री ने व्यापक सुझाव दिए, जिनमें स्थानीय उत्पादों की राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय बाजारों में पहुंच, किसानों को लाभान्वित करने के लिए फसल भंडारण, प्रसंस्करण और विपणन की सुविधाएं स्थापित करना,

महिला स्वयं सहायता समूहों का कौशल विकास और वित्तीय साक्षरता देना शामिल है। उन्होंने युवाओं के लिए कौशल विकास एवं उद्यमिता कार्यक्रमों के कार्यान्वयन के साथ-साथ परिचालन दक्षता बढ़ाने के लिए डिजिटल भुगतान प्रणाली और ई-गवर्नेंस प्रथाओं को अपनाने का भी आह्वान किया। नायब सिंह सैनी ने कहा कि वर्तमान राज्य सरकार सहकारिता से जुड़े लोगों के कल्याण और उत्थान के लिए समर्पित है। इस प्रतिबद्धता का समर्थन करने के लिए, सहकारी सदस्यों और उनके परिवारों के लिए कई कल्याणकारी योजनाएं कार्यान्वित की जा रही हैं। उन्होंने कहा कि विभिन्न प्रकार की सहकारिता को बढ़ावा देने के उद्देश्य से लगभग 40 पहल की गई हैं। उन्होंने कहा कि सभी 19 जिला केंद्रीय सहकारी बैंकों ने राज्यभर में 7 लाख से अधिक किसानों को रुपये किसान क्रेडिट कार्ड जारी किए हैं। इसके अलावा, गोदाम विकास के लिए 11 पैक्स केंद्रों का चयन किया गया है। उन्होंने कहा कि प्रदेश में समय पर कर्ज की अदायगी करने वालों के लिए ब्याज राहत योजना के तहत 50 प्रतिशत की छूट दी है।

विज्ञान प्रदर्शनी में भावी वैज्ञानिकों ने दिखाई प्रतिभा, हुए सम्मानित

एजेंसी

चंडीगढ़। पंचकूला के सेक्टर-एक स्थित राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय में उच्च शिक्षा विभाग, हरियाणा के तत्वावधान में कॉलेज स्तरीय विज्ञान प्रदर्शनी का आयोजन किया गया। कॉलेज के प्राचार्य डॉ. नरेंद्र सिंह सिवाच ने कॉलेज काउंसिल के सदस्यों के साथ इस प्रदर्शनी का उद्घाटन किया। इस प्रदर्शनी में रसायन विज्ञान, भौतिकी, मनोविज्ञान, वनस्पति विज्ञान, प्राणि विज्ञान, जैव प्रौद्योगिकी, भूगोल और कंप्यूटर विज्ञान विभागों के छात्रों ने एप्लाइड केमिस्ट्री, एप्लाइड इलेक्ट्रॉनिक्स, एप्लाइड बॉटनी, एप्लाइड जूलॉजी, मनोविज्ञान की भूमिका, जैव विविधता और पारिस्थितिकी तंत्र और एनिमेशन जैसे विषयों पर मॉडल प्रस्तुत किए। भूगोल विभाग के मॉडलों में प्रथम स्थान पाने वाले विशाल और राम ने थिवियल लैंडस्केप मॉडल प्रस्तुत किया।कंप्यूटर साइंस विभाग से प्रियंशु और शिवम पांडे प्रथम रहे, जिन्होंने ने स्मार्ट कार मॉडल का प्रदर्शन किया। मनोविज्ञान विभाग से प्रथम यशप्रीत और रतनजोत ने इमोशंस की पहचान पर आधारित मॉडल प्रस्तुत किया। युक्ति और दिव्या शर्मा जीवन सेतु ग्रीन लिंक एक्रॉस इंडिया पर आधारित मॉडल प्रदर्शित किया और वनस्पति विज्ञान विभाग के मॉडलों में पहला स्थान बनाया। भौतिकी विभाग से प्रथम छवि और चेतन ने एक्सीडेंट प्रिवेंशन मॉडल प्रस्तुत किया।प्राणि विज्ञान और जैव प्रौद्योगिकी विभाग से निर्भय और लक्ष्य ने नैनो पार्टिकल्स के माध्यम से अल्जाइमर का इलाज मॉडल प्रस्तुत किया और विभाग में प्रथम रहे।रसायन विज्ञान विभाग से प्रथम स्थान प्राप्त करने वाले शिवओम और सत्येंद्र ने एयर प्यूरीफिकेशन पर आधारित मॉडल प्रदर्शित किया। प्राचार्य डॉ. नरेंद्र सिंह

सिवाच ने इस अवसर पर कहा कि छात्रों की रचनात्मकता और नवाचार को देखकर गर्व की अनुभूति होती है। इस प्रदर्शनी ने न केवल छात्रों के कौशल को मंच दिया है बल्कि उन्हें वैज्ञानिक सोच और सामाजिक समस्याओं के समाधान के लिए प्रेरित भी किया है।

आयुष्मान कार्ड का दुरुपयोग करने वाले अस्पतालों पर होगी कार्रवाईः गौरव गौतम

एजेंसी

सोनीपत। हरियाणा के युवा अधिकारिता एवं उद्यमिता राज्यमंत्री गौरव गौतम ने कष्ट निवारण समिति की बैठक में अधिकारियों को निर्देश दिए कि आयुष्मान भारत योजना और चिरायु योजना को गंभीरता से लागू करें। उन्होंने कहा कि इन योजनाओं का उद्देश्य गरीबों को मुफ्त चिकित्सा सुविधा प्रदान करना है, और जो निजी अस्पताल आयुष्मान कार्ड स्वीकार नहीं करते, उनके खिलाफ

सख्त कार्रवाई की जाएगी। हुई बैठक के दौरान 21 शिकायतों में से 17 का मौके पर समाधान किया गया। सबसे गंभीर शिकायत गांव दीपालपुर निवासी प्रमिला की थी, जिन्होंने बताया कि उनके पति के इलाज के दौरान अस्पताल ने आयुष्मान कार्ड को मानने से इनकार करते हुए 4 लाख रुपये वसूले।

राज्यमंत्री ने इसपर कड़ी नाराजगी जताई और डिप्टी सीएमओ को जांच कर कार्रवाई सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। प्रॉपटी आईडी सुधारने के नाम पर अवैध वसूली की शिकायतों पर राज्यमंत्री ने शहरी स्थानीय निकाय विभाग को चेतावनी दी। उन्होंने कहा कि भ्रष्टाचार के लिए राज्य में कोई जगह नहीं है,और दोषी अधिकारियों पर सख्त कार्रवाई की जाएगी। अवैध निर्माण की शिकायतों पर डीटीपीको निर्देश दिए गए कि जिले में अवैध निर्माण न होने दें। गोहाना-जींद रोड पर रेलवे अंडर ब्रिज पर लाइट की समस्या के समाधान के लिए 15 दिनों के भीतर स्ट्रीट लाइट लगानेका आदेश दिया गया। देव नगर की पानी की समस्या और ककरोई रोड की मरम्मत जैसे मुद्दों पर भी अधिकारियों को तुरंत कार्रवाई करने के निर्देश दिए गए। प्रेम नगर और अन्य इलाकों में अवैध कब्जों को हटानेके लिए भी सख्त आदेश जारी किए गए। इस मौके पर सोनीपत से विधायक निखिल मदान, खरखौदा से विधायक पवन खरखौदा, गन्नौर से विधायक देवेन्द्र कादियान, भाजपा जिलाध्यक्ष जसबीर दोदवा, उपायुक्त डॉ. मनोज कुमार, डीसीपी नरेन्द्र सिंह, अतिरिक्त उपायुक्त अंकिता चौधरी, एसडीएम निर्मल नागर, श्वेता सुहाग, अमित कुमार, नगराधीश रेणुका नांदल, नगर निगम के संयुक्त आयुक्त नरेश कुमार सहित संबंधित सभी अधिकारीमौजूद रहे।

भाजपा दो दिन में बनाएगी बीस लाख सदस्य : बड़ौली

एजेंसी

चंडीगढ़। हरियाणा भाजपा अध्यक्ष मोहन लाल बड़ौली ने कहा है कि प्रदेश में 50 लाख नए सदस्यों को जोड़ने का लक्ष्य पूरा करने के लिए भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) द्वारा आगामी 23 और 24 नवंबर को विशेष सदस्यता अभियान चलाएगा। इन दो दिन में 20 लाख से अधिक लोगों को पार्टी से जोड़ा जाएगा। एक-एक कार्यकर्ता 10 परिवारों को पार्टी से जोड़ेंगे।सदस्यता अभियान को लेकर पंचकूला में आयोजित बैठक के बाद पत्रकारों से बातचीत में बड़ौली ने कहा कि इस अभियान के तहत पार्टी के सभी कार्यकर्ता काम करेंगे। उन्होंने कहा कि इसी तरह एक और अभियान चलाकर 50 लाख लोगों को पार्टी से जोड़ने के लक्ष्य को पूरा कर लिया जाएगा।नगर निकाय चुनाव के सवाल पर उन्होंने कहा कि सदस्यता अभियान के तहत संगठन को और अधिक मजबूत किया जा रहा है। सदस्यता अभियान के बाद सक्रिय सदस्यता

अभियान चलेगा। मोहनलाल बड़ौली ने कहा कि सक्रिय सदस्य बनाने लिए एक टीम का गठन किया गया है। इस टीम में शंकर धूपड़ और प्रतिभा सुमन समेत पांच नेताओं को शामिल किया गया है। बड़ौली ने कहा कि नगर निकाय चुनाव होंगे तब संगठन की ताकत और जन आशीर्वाद से भाजपा निकाय चुनाव भी जीतेगी।

पावरग्रिड हरियाणा के 658 गांवों में शमशान घाटों व कब्रिस्तानों का करेगा पुनरुद्धार

एजेंसी

गुरुग्राम। भारत की नवरत्न कंपनियों में से एक पॉवरग्रिड द्वारा सीएसआर स्कीम के अंतर्गत करीब 50 करोड़ रुपए की राशि से हरियाणा के चार जिलों के गांवों में शिवधाम योजना के तहत शमशान घाट और कब्रिस्तान का पुनरुद्धार करवाया जाएगा। करनाल, पानीपत, रेवाड़ी और कुरुक्षेत्र जिला के 658 गांवों में शमशान घाटों व कब्रिस्तानों की कायापलट होगी। गुरुवार को गुरुग्राम में मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी की उपस्थिति में पॉवरग्रिड और विकास एवं पंचायत विभाग के बीच एक समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए गए। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने कहा कि सीएसआर स्कीम के अंतर्गत ग्रामीण विकास के क्षेत्र में कॉरपोरेट कंपनियां अतुलनीय योगदान दे रही हैं, जो सामाजिक उत्थान की दिशा में सराहनीय कदम है। इस अवसर पर वाणिज्य, उद्योग, वन एवं पर्यावरण मंत्री राव नरबीर सिंह, सहकारिता एवं पर्यटन मंत्री डॉ. अरविंद शर्मा भी उपस्थित थे। एमओयू पर विकास एवं पंचायत विभाग के महानिदेशक डॉ. जे. के. अभीर और पॉवरग्रिड की ओर से महाप्रबंधक संजय कुमार वर्मा ने हस्ताक्षर किए। पावरग्रिड के प्रबंध निदेशक एवं चेयरमैन आर. के. इन 658 गांवों की आबादी करीब 40 लाख है। करनाल जिला के 198 गांवों में शिवधामों के पुनर्निर्माण पर 10 करोड़ 97 लाख 80 हजार रुपए, कुरुक्षेत्र जिला में 237 गांवों के शिवधाम पर 18

त्यागी ने बताया कि इन शिवधाम और कब्रिस्तान के पुनरुद्धार के लिए 49 करोड़ 94 लाख 39 हजार रुपए की राशि खर्च की जाएगी।

एमओयू के तहत इन सभी 658 शिवधाम की चारदीवारी व पक्का रास्ता बनवाया जाएगा। इनमें शेड लगवाए जाएंगे और पेयजल का प्रबंध किया जाएगा। विकास एवं पंचायत विभाग के महानिदेशक डॉ. जयकिशन अभीर ने बताया कि करोड़ 46 लाख 29 हजार रुपए, पानीपत के 106 गांवों में पांच करोड़ 15 लाख 20 हजार रुपए तथा रेवाड़ी जिला के 117 गांवों में 15 करोड़ 35 लाख रुपए खर्च किए जाएंगे।उल्लेखनीय है कि हरियाणा में नवंबर 2018 में प्रदेश में सीएसआर बोर्ड का गठन किया गया था, जिसे मार्च, 2021 में मुख्यमंत्री की अध्यक्षता में हरियाणा राज्य सीएसआर ट्रस्ट बना दिया गया।

अतिक्रमण के खिलाफ एसडीएम की दुकानदारों को चेतावनी,होंगे चालान

एजेंसी

पलवल। पलवल के होडल उपमंडल के बाजार में दुकानदारों द्वारा किए गए अतिक्रमण की शिकायतों के बाद एसडीएम रणबीर सिंह लोहान ने नगर परिषद कर्मचारियों के साथ बाजार पहुंचकर दौरा कर दुकानदारों से अतिक्रमण हटाने की अपील की। उन्होंने इस दौरान मौके पर मौजूद नगर परिषद के अधिकारियों को सख्त निर्देश देते हुए कहा कि अतिक्रमण करने वाले दुकानदारों के खिलाफ कार्रवाई करते हुए अतिक्रमण न हटाने पर जुर्माना किया जाए। उन्होंने दुकानदारों से स्पष्ट कहा कि वे स्वयं ही सड़कों पर किए गए अतिक्रमण को हटा लें और दोबारा से बाजार में अतिक्रमण न करें। अन्यथा प्रशासन द्वारा अतिक्रमण करने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी। उपमंडल प्रशासन द्वारा सघन स्वच्छता अभियान चलाया गया। इस दौरान एसडीएम रणबीर सिंह लोहान ने पैदल दौरा किया। उन्होंने नगर परिषद के अधिकारियों को लेकर राजीव गांधी चौक से लेकर बाबू जगजीवन राम चौक तक बाजार की सफाई व्यवस्था और बाजार में दुकानों के सामने दुकानदारों द्वारा किए गए अतिक्रमण का निरीक्षण किया। जिन दुकानदारों ने सड़कों पर अतिक्रमण किया हुआ था, उसे हटाया। एसडीएम सिंह ने दुकानदारों को कहा कि अभी उन्हें प्यार से समझाया जा रहा है कि वह दुकानों के बाहर सामान आदि रखकर अतिक्रमण न करें। अन्यथा कड़ी कार्रवाई की जाएगी।

पुलिस की साइबर सेल ने साइबर ठगी के शिकार नागरिकों के 6 करोड़ से अधिक बचाए

एजेंसी

हिसार। हिसार पुलिस के साइबर सेल ने पिछले 50 दिनों में नागरिकों से ठगे गए 6 करोड़ 4 लाख 913 रुपए ब्लॉक करवाए हैं। इसके साथ पुलिस ने नागरिकों को साइबर ठगी के प्रति जागरूक भी किया है। पुलिस अधीक्षक शंशाक कुमार सावन ने कहा कि साइबर ठगी के मामले तेजी से बढ़ते जा रहे है। पुलिस समय समय पर साइबर अपराध से जुड़ी घटनाओं बारे नागरिकों को सतर्क करती रहती है। स्वयं को साइबर अपराध के प्रति जागरूक कर नागरिक साइबर ठगी से बच सकते हैं। उन्होंने कहा कि ऑनलाइन ठगी के मामले लगातार बढ़ते जा रहे है। ऐप्स और बैंकिंग सिस्टम में सेंधमारी के साथ नागरिकों को भिन्न भिन्न प्रकार के लालच देकर साइबर अपराधी धोखाधड़ी कर रहे है। इस तरह नागरिकों को ठगी से बचाने के लिए केन्द्रीय गृह मंत्रालय ने नेशनल साइबर क्राइम रिपोर्टिंग पोर्टल तैयार किया है जिसका एक हेल्पलाइन नंबर 1930 भी जारी किया गया है। इस पर नागरिक साइबर क्राइम से संबंधित अपनी शिकायत दे सकते हैं। ऑनलाइन ठगी का शिकार हुआ व्यक्ति जैसे ही हेल्पलाइन नंबर पर शिकायत देता है, फ्रॉड की जानकारी के आधार पर जिस

एकाउंट में पैसा पहुंचा होगा, साइबर क्राइम डेस्क द्वारा उस एकाउंट को फ्रीज कर दिया जाएगा और जिस एकाउंट में आपका पैसा गया है उसका मालिक उसे निकाल नहीं पाएगा। इस पोर्टल और हेल्पलाइन पर दी गई शिकायतों पर पोर्टल अमाउंट को फ्रीज़ करवाने के बाद शिकायत को संबंधित थाने की साइबर डेस्क पर फारवर्ड कर देता है।पुलिस अधीक्षक शशांक सावन ने कहा कि जिला पुलिस हिसार की साइबर सेल और साइबर थाना ने शिकायतों पर कार्रवाई कर नागरिकों से ठगे गए 6 करोड़ 4 लाख 913 रुपए ब्लॉक करवाए हैं। ब्लॉक करवाई गई धनराशि को वापस पीड़ितों के खाते में भिजवाने की प्रक्रिया जारी है। इसके साथ ही साइबर थाना पुलिस ने साइबर ठगी के आरोपियों की गिरफ्तारी भी सुनिश्चित की है। पुलिस अधीक्षक ने नागरिकों से कहा है कि शेयर बाजार में ट्रेडिंग, फाइल डाउनलोड करवा, टास्क पूरा कर पैसे कमाने, फ्री गिफ्ट, लॉटरी लगना, बीमा पॉलिसी, वाउचर जीतने, लोन, क्रेडिट कार्ड की लिमिट बढ़ाने, डिजिटल अरेस्ट, डीलरशिप के लिए संपर्क करे और घर बैठे लाखों कमाए जैसे, केवाईसी व अन्य बैंकिंग कार्यों के लिए आए काल से सावधान रहें, अपने फोन में ऑटोमैटिक डाउनलोड बंद रखें, किसी अंजान नंबर से आए लिंक, व्हाट्सएप काल, वीडियो कॉल को रिसीव न करें।

तीन दिवसीय खेलकूद प्रतियोगिता में खिलाड़ियों ने किए उम्दा प्रदर्शन

एजेंसी

हिसार। गुरु जम्भेश्वर विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय में शुरू हुई तीन दिवसीय 24वीं वार्षिक खेलकूद प्रतियोगिता में खिलाड़ियों ने विभिन्न खेलों में उम्दा प्रदर्शन किए। मुख्य अतिथि व अन्य अतिथियों ने उनका हौंसला बढ़ाया। डीन स्पोर्ट्स प्रो. मनीष कुमार ने बताया कि एथलीट मीट के उद्घाटन के बाद पुरूष तथा महिला वर्ग की आठ सौ मीटर की दौड़ प्रतियोगिता हुई। महिला वर्ग में पहला स्थान डीएन कॉलेज की निशा ने पहला तथा एफसी कॉलेज की रिंकी ने दूसरा स्थान प्राप्त किया। तीसरे स्थान पर राजकीय पीजी कॉलेज की प्रिया बूरा रही। पुरूष वर्ग में सीआरएम जाट कॉलेज के सुनील पहले तथा राजकीय महाविद्यालय हांसी के तेजवीर दूसरे स्थान पर रहे। तीसरे स्थान पर सीआरएम जाट कॉलेज के सुमित रहे। सुनील ने ऑल इंडिया इंटर

यूनिवर्सिटी चैंपीयनशिप के लिए भी क्वालीफाई किया है। डीन स्पोर्ट्स प्रो. मनीष कुमार ने बताया महिला तथा पुरूषों वर्गों की इन प्रतियोगिताओं में प्रतियोगिताओं आठ सौ मीटर दौड़, सौ मीटर दौड़, हाईजंप, डिस्कस थ्रो, लॉग जंप (डेकाथॉन), दस हजार मीटर दौड़, चार सौ मीटर दौड़, शॉटपुट (डेकाथॉन), चार सौ गुणा सौ मीटर रिले दौड, ज्वेलियन थ्रो, पोल वॉल्ट, शॉटपुट (हेपाथॉन), चार सौ मीटर दौड़, पांच हजार मीटर दौड़ (हेपाथॉन), चार सौ मीटर दौड़ (डेकाथॉन), बीस किलोमीटर पैदल चाल, पांच किलोमीटर पैदल चाल, शॉटपुट, दो सौ मीटर दौड़, सौ मीटर बाधा दौड़, चार गुणा चार सौ मीटर रिले दौड़, डिस्कस थ्रो (डेकाथॉन), चार सौ मीटर बाधा दौड़, पॉल वाल्ट (डेकाथॉन), पांच हजार मीटर दौड़, ज्वेलियन थ्रो (डेकाथॉन), ट्रिपल जंप, आठ सौ मीटर (हेपाथॉन) तथा पंद्रह सौ मीटर (डेकाथॉन) शामिल हैं।

मंगल कंप्यूसॉल्यूशन ने निवेशकों को किया निराश, लिस्टिंग के साथ ही लोअर सर्किट पर पहुंचे शेयर

एजेंसी

नई दिल्ली। आईटी सेक्टर में काम करने वाली कंपनी मंगल कंप्यूसॉल्यूशन ने आज शेयर बाजार में कमजोर लिस्टिंग से अपने आईपीओ निवेशकों को निराश कर दिया। कंपनी के शेयर आज बीएसई के एसएमई प्लेटफॉर्म पर सपाट स्तर पर लिस्ट हुए। आईपीओ के तहत कंपनी के शेयर 45 रुपये के भाव पर जारी हुए थे और आज इनकी लिस्टिंग भी 45 रुपये के स्तर पर ही हुई। लिस्टिंग के तुरंत बाद ये शेयर बिकवाली का शिकार हो गया। चौतरफा बिकवाली के कारण ये शेयर कुछ ही देर में 42.75 रुपये के लोअर सर्किट लेवल पर आ गया। इस तरह इस कंपनी के आईपीओ निवेशकों को पहले दिन ही 5 प्रतिशत का नुकसान हो गया। मंगल कंप्यूसॉल्यूशन का 16.23 करोड़ रुपये का आईपीओ 12 नवंबर के बीच सब्सक्रिप्शन के लिए खुला था। रिटेल इन्वेस्टर्स की ओर से इस आईपीओ को जोरदार रिस्पॉन्स मिला था। रिटेल इन्वेस्टर्स के लिए रिजर्व पोर्शन में 46.91 गुना सब्सक्रिप्शन आया था, वहीं ये आईपीओ ओवरऑल 34.59 गुना सब्सक्राइब हुआ था। इस आईपीओ के तहत 10 रुपये फेस वैल्यू वाले 36.06 लाख नए शेयर जारी किए गए हैं। आईपीओ के जरिए जुटाए गए पैसे का इस्तेमाल कंपनी अपने कैपिटल एक्सपेंडिचर और सामान्य कॉर्पोरेट जरूरतों में करेगी।

गोयल ने फिक्की से देश में नवाचार पारिस्थितिकी तंत्र को बढ़ावा देने का किया आग्रह

नई दिल्ली। केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने फिक्की से देश में नवाचार पारिस्थितिकी तंत्र को बढ़ावा देने के लिए अनुसंधान राष्ट्रीय अनुसंधान फाउंडेशन फंड का उपयोग करने का आग्रह किया। गोयल ने कहा कि उद्योग जगत को अनुसंधान एवं विकास पारिस्थितिकी तंत्र को परिणामोन्मुखी और समय कुशल बनाने के लिए सुझाव देने चाहिए। केंद्रीय मंत्री ने नई दिल्ली स्थित भारत मंडपम में फेडरेशन ऑफ इंडियन चैंबर्स ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री (फिक्की) की 97वीं वार्षिक आम बैठक और वार्षिक सम्मेलन को संबोधित करते हुए यह बात कही। उन्होंने कहा कि डिजिटल इंडिया, सौभाग्य योजना, पीएमजीकेएवाई, स्वच्छ भारत मिशन एक माला की तरह भारत के तेजी से परिवर्तन में योगदान करते हैं। वाणिज्य मंत्री ने देशभर के औद्योगिक पार्कों में स्वच्छता को बढ़ावा देने के लिए स्वच्छ उद्योग पार्कों में उत्कृष्टता पुरस्कार श्रेणी के आयोजन के लिए फिक्की की सराहना की। उन्होंने कहा कि उद्योग द्वारा नवाचार को बढ़ावा देने और देश में अनुसंधान आधारित पारिस्थितिकी तंत्र बनाने के लिए नए संचालित अनुसंधान राष्ट्रीय अनुसंधान फाउंडेशन (एएनआरएफ) के तहत सरकार द्वारा आवंटित 1 लाख करोड़ रुपये का उपयोग किया जाना चाहिए। गोयल ने उद्योग जगत से कहा कि युवाओं को नवाचार को बढ़ावा देने और देश में अनुसंधान आधारित पारिस्थितिकी तंत्र बनाने के लिए तैयार किया जाना चाहिए।

अडाणी समूह ने अमेरिकी न्याय विभाग के आरोपों को बताया निराधार

नई दिल्ली। अडाणी समूह ने अमेरिकी न्याय विभाग और अमेरिकी प्रतिभूति और विनिमय आयोग की ओर से अडाणी ग्रीन के निदेशकों के खिलाफ लगाए गए आरोपों को सिरे से खारिज कर दिया है। कंपनी ने सभी आरोपों को निराधर बताते हुए कहा कि समूह सभी कानूनों का अनुपालन करता रहा है। अडाणी समूह के प्रवक्ता ने जारी एक बयान में अमेरिकी अधिकारियों की ओर से लगाए गए रिश्वतखोरी के आरोपों को निराधार बताया है। बयान में कहा गया है कि सभी आरोप तथ्यों से परे और निराधार है। अडाणी समूह के प्रवक्ता ने कहा कि समूह सभी कानूनों का पूरी तरह से पालन कर रहा है। अडाणी समूह ने कहा, स्वयं अमेरिकी न्याय विभाग ने कहा है कि अभियोग में आरोप हैं और प्रतिवादियों को तब तक निर्दोष माना जाता है, जब तक कि वे दोषी साबित न हो जाएं। मामले में हरसंभव कानूनी सहारा लिया जाएगा। उल्लेखनीय है कि उद्योगपति गौतम अडाणी की अडाणी समूह की कंपनी पर अमेरिकी अभियोजकों ने भारत में सौर बिजली अनुबंध हासिल करने के लिए अनुकूल शर्तों के बदले भारतीय अधिकारियों को 25 करोड़ डॉलर की रिश्वत देने का आरोप लगाया है। अडाणी समूह की कंपनियों के शेयरों में आज कारोबार के दौरान भारी गिरावट आई है, जिससे इसकी सूचीबद्ध कंपनियों का बाजार मूल्यांकन मार्केट कैप संयुक्त रूप से 2.45 लाख करोड़ रुपये घट गया है।

टूटा शेयर बाजार, निवेशकों को 1 दिन में 5.35 लाख करोड़ का घाटा

नई दिल्ली। अमेरिकी अदालत में अडाणी ग्रुप के अध्यक्ष गौतम अडाणी पर लगे आरोपों की वजह से घरेलू शेयर बाजार आज बड़ी गिरावट का शिकार हो गया। हालांकि अडाणी ग्रुप द्वारा आरोपों के संबंध में दी गई सफाई के बाद शेयर बाजार की स्थिति में मामूली सुधार भी हुआ, लेकिन बाजार पर लगातार दबाव बना रहा। पूरे दिन के कारोबार के बाद सेंसेक्स 0.54 प्रतिशत और निफ्टी 0.72 प्रतिशत की गिरावट के साथ बंद हुए। आज के कारोबार के दौरान एनर्जी, मेटल और ऑयल एंड गैस सेक्टर के शेयरों में सबसे अधिक बिकवाली होती रही। इसके साथ ही पब्लिक सेक्टर एंटरप्राइज, इंफ्रास्ट्रक्चर, ऑटोमोबाइल, बैंकिंग, कैपिटल गुड्स, कंज्यूमर ड्युरेबल्स और एफएमसीजी इंडेक्स भी गिरावट के साथ बंद हुए। दूसरी ओर आईटी, रियल्टी, हेल्थ केयर और टेक इंडेक्स बढ़त के साथ बंद होने में सफल रहे। ब्रॉडर मार्केट में भी आज लगातार बिकवाली का दबाव बना रहा, जिसके कारण बीएसई का मिडकैप इंडेक्स 0.37 प्रतिशत की गिरावट के साथ बंद हुआ।

सीतारमण से सिद्धारमैया ने की मुलाकात, कई अहम मुद्दों पर हुई चर्चा

एजेंसी

नई दिल्ली।कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्धारमैया ने केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण से मुलाकात की। इस मुलाकात के दौरान मुख्यमंत्री ने उनसे वित्त वर्ष 2024-25 के लिए अल्पावधि कृषि ऋण (एसएओ) की सीमा को बढ़ाने का आग्रह किया। वित्त मंत्रालय ने जारी एक बयान में बताया कि कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्धरमैया ने नॉर्थ ब्लॉक में केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण से मुलाकात की। सिद्धरमैया ने सीतारमण से अनुरोध किया कि वह नाबार्ड और आरबीआई को अल्पावधि कृषि ऋण सीमा पर पुनर्विचार करने और उसे बढ़ाने का निर्देश दें। इस अवसर पर कर्नाटक के शहरी विकास मंत्री बिरथी सुरेश और कृषि मंत्री एन. चालुवरया स्वामी भी मौजूद थे। इस बीच सिद्धरमैया ने वित्त मंत्री से हुई

मुलाकात की विस्तृत जानकारी देते हुए इस बात पर जोर दिया कि कर्नाटक सरकार का लक्ष्य वित?त वर्ष 2024-25 में 35 लाख किसानों को 25 हजार करोड़ रुपये का अल्पकालिक कृषि ऋण वितरित करना है। उन्होंने कहा कि वित्त वर्ष 2023-24 में राज्य सरकार ने पहले ही सहकारी ऋण ढांचे के जरिए 22,902 करोड़ रुपये वितरित कर चुका है।नॉर्थ ब्लॉक स्थित वित्त मंत्री कार्यालय में हुई बैठक के बारे में मुख्यमंत्री ने राष्ट्रीय कृषि एवं ग्रामीण विकास बैंक (नाबार्ड) द्वारा प्रस्तावित ऋण आवंटन में भारी गिरावट पर भी प्रकाश डाला, जिसने राज्य की 9,162 करोड़ रुपये की आवेदन सीमा के मुकाबले केवल 2,340 करोड़ रुपये ही स्वीकृत किए है। उन्होंने बताया कि ये पिछले वर्ष के 5,600 करोड़ रुपये की तुलना में 58 प्रतिशत कम है। दरअसल राज्य सरकार के अनुसार एसएओ ऋण सीमा में भारी कटौती से कृषि सहयोग में बाधा आ सकती है, जिससे खाद्यान्न उत्पादन बाधित हो सकता है।

बेलराइज इंडस्ट्रीज ने आईपीओ के लिए सेबी के समक्ष डीआरएचपी दाखिल किया

एजेंसी

मुंबई। बेलराइज इंडस्ट्रीज लिमिटेड ने अपने आरंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) के लिए बाजार नियामक भारतीय प्रतिभूति एवं विनिमय बोर्ड (सेबी) के समक्ष अपना ड्राफ्ट रेड हेरिंग प्रॉस्पेक्टस (डीआरएचपी) दाखिल किया है। कंपनी की योजना इस आईपीओ के जरिए 2,150 करोड़ रुपये जुटाने की है। सेबी के पास जमा दस्तावेज के मुताबिक ऑटोमोटिव कंपोनेंट निर्माता कंपनी बेलराइज इंडस्ट्रीज लिमिटेड ने आईपीओ के लिए डीआरएचपी दाखिल किया है। कंपनी के मुताबिक पांच रुपये प्रति इक्विटी शेयर के अंकित मूल्य वाला यह आईपीओ पूरी तरह से 2150 करोड़ रुपये का नया निर्गम है, जिसमें बिक्री के लिए कोई प्रस्ताव नहीं है। कंपनी निर्गम से प्राप्त 1618 करोड़ रुपये की आय का उपयोग कर्ज के भुगतान करने का इरादा रखती है। उल्लेखनीय है कि ऑटोमोटिव कंपोनेंट निर्माता कंपनी

BELRISE INDUSTRIES

बेलराइज इंडस्ट्रीज लिमिटेड दोपहिया, तिपहिया, चार पहिया, वाणिज्यिक वाहनों और कृषि वाहनों के लिए सुरक्षा संबंधी महत्वपूर्ण प्रणालियों और अन्य इंजीनियरिंग समाधानों की विविध रेंज पेश करती है। कंपनी के उत्पाद पोर्टफोलियो में मेटल चेसिस सिस्टम, पॉलीमर कंपोनेंट, सस्पेंशन सिस्टम, बॉडी-इन-व्हाइट कंपोनेंट और एग्जॉस्ट सिस्टम आदि शामिल हैं।

ईपीएफओ को आधार-आधारित ओटीपी के जरिए यूएएन नंबर सक्रिय करने का निर्देश

एजेंसी

नई दिल्ली। केंद्र सरकार ने कर्मचारी भविष्य निधि संगठन (ईपीएफओ) को आधार-आधारित ओटीपी के जरिए कर्मचारियों के यूनिवर्सल एकाउंट नंबर (यूएएन) को सक्रिय करने का निर्देश दिया है। श्रम एवं रोजगार मंत्रालय ने जारी एक बयान में कहा कि आधार-आधारित ओटीपी के जरिए यूएएन सक्रिय करने से नियोक्ताओं और कर्मचारियों को केंद्र सरकार की योजनाओं के तहत लाभ प्राप्?त करने में मदद मिलेगी। मंत्रालय की ओर से जारी निर्देश में नियोक्ताओं (कंपनियों एवं फर्मों) को यह कहा गया है कि वो सभी यूएएन का आधार में दर्ज मोबाइल नंबर से प्राप्त वन टाइम पासवर्ड (ओटीपी) के जरिए आधार पर सत्यापन कराएं, जिससे ईपीएफओ से जुड़े सदस्यों को सरकार के संचालित योजना का लाभ मिल सके।मंत्रालय के मुताबिक पहले चरण में नियोक्ताओं को 30 नवंबर 2024 तक चालू वित?त वर्ष में शामिल होने वाले अपने सभी कर्मचारियों के लिए आधार-आधारित ओटीपी के माध्यम से यूएएन एक्टिवेशन की प्रक्रिया पूरी करनी होगी, जिसकी शुरुआत सबसे पहले

हाल ही में शामिल होने वाले कर्मचारियों से होगी। इसके बाद उन्हें अपने साथ काम करने वाले सभी कर्मचारियों के लिए प्रक्रिया पूरी करनी होगी। उल्लेखनीय है कि यूएएन एक्टिवेशन कर्मचारियों को ईपीएफओ की व्यापक ऑनलाइन सेवाओं तक सहज पहुंच प्रदान करता है, जिससे वे अपने भविष्य निधि (पीएफ) खातों को कुशलतापूर्वक प्रबंधित कर सकते हैं, पीएफ पासबुक को देख और डाउनलोड भी कर सकते हैं। इसके अलावा कर्मचारी निकासी, अग्रिम या स्थानांतरण के लिए ऑनलाइन दावा प्रस्तुत कर सकते हैं, व्यक्तिगत विवरण अपडेट कर सकते हैं और वास्तविक समय में दावों को ट्रैक कर सकते हैं। ये कर्मचारियों को अपने घरों में आराम से ईपीएफओ सेवाओं तक 24/7 पहुंच प्रदान करता है, जिससे कर्मचारियों की ईपीएफओ कार्यालयों में शारीरिक रूप से जाने की जरूरतें समाप्त हो जाती है।

सर्राफा बाजार में लगातार तीसरे दिन सोने के भाव में तेजी, चांदी की भी बढ़ी चमक

एजेंसी

नई दिल्ली। घरेलू सर्राफा बाजार में सोना आज लगातार तीसरे दिन महंगा हुआ है। इस चमकीली धातु की कीमत में आज 300 रुपये से लेकर 330 रुपये प्रति 10 ग्राम तक की तेजी दर्ज की गई है। इस तेजी के कारण देश के ज्यादातर सर्राफा बाजारों में 24 कैरेट सोना आज 78,100 रुपये से लेकर 77,950 रुपये प्रति 10 ग्राम के दायरे में कारोबार कर रहा है। इसी तरह 22 कैरेट सोना 71,600 रुपये से लेकर 71,450 रुपये प्रति 10 ग्राम के बीच बना हुआ है। सोने की तरह आज चांदी के भाव में भी तेजी आई है, जिसके कारण दिल्ली सर्राफा बाजार में इसकी कीमत 92,100 रुपये प्रति किलोग्राम के स्तर पर पहुंच गई है। देश की राजधानी दिल्ली में 24 कैरेट सोना आज 78,100 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है, जबकि 22 कैरेट सोने की कीमत 71,600 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। वहीं, देश की आर्थिक राजधानी मुंबई में 24 कैरेट सोना 77,950 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 71,450 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। इसी तरह

अहमदाबाद में 24 कैरेट सोने की रिटेल कीमत 78,000 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोने की कीमत 71,500 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। इन प्रमुख शहरों के अलावा चेन्नई में 24 कैरेट सोना आज 77,950 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर और 22 कैरेट सोना 71,450 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर बिक रहा है। इसी तरह कोलकाता में भी 24 कैरेट सोना 77,950 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 71,450 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है। लखनऊ के सर्राफा बाजार में 24 कैरेट सोना आज 78,100 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर और 22 कैरेट सोना 71,600 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। वहीं पटना में 24 कैरेट सोने की कीमत 78,000 रुपये प्रति 10 ग्राम हो गई है, जबकि 22 कैरेट सोना 71,500 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। इसी तरह जयपुर में 24 कैरेट सोना 78,100 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 71,600 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। देश के अन्य राज्यों की तरह कर्नाटक, तेलंगाना और ओडिशा के सर्राफा बाजार में भी आज सोना महंगा हुआ है। इन तीनों राज्यों की राजधानियों बेंगलुरु, हैदराबाद और भुवनेश्वर में 24 कैरेट सोना आज 77,950 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है। इसी तरह इन तीनों शहरों के सर्राफा बाजारों में 22 कैरेट सोना 71,450 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है।

निर्माण सामग्री पर 18वां वैश्विक सम्मेलन यशोभूमि में होगा आयोजित

नई दिल्ली। सीमेंट, कंक्रीट और निर्माण सामग्री पर राष्ट्रीय सीमेंट एवं भवन सामग्री परिषद का 18वां अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन और प्रदर्शनी 27 से 29 नवंबर, तक नई दिल्ली स्थित यशोभूमि, इंडिया इंटरनेशनल कन्वेंशन एंड एक्सपो सेंटर (आईआईसीसी) द्वारका में आयोजित किया जाएगा। इसका आयो?जन राष्ट्रीय सीमेंट एवं भवन सामग्री परिषद (एनसीबी) द्वारा किया जाएगा। वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय ने जारी एक बयान में बताया कि केंद्रीय वाणिज्य और उद्योग मंत्री पीयूष गोयल 27 नवंबर को 18वें राष्ट्रीय सीमेंट एवं भवन सामग्री परिषद के अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन में एक विशेष सत्र के दौरान मुख्य अतिथि के तौर पर इस कार्यक्रम में शामिल होंगे। गोयल सीमेंट और कंक्रीट क्षेत्र में अनुकरणीय योगदान के लिए एनसीबी लाइफटाइम अचीवमेंट पुरस्कार भी प्रदान करेंगे। मंत्रालय के मुताबिक इस कार्यक्रम में विश्वभर के विशेषज्ञ और हितधारक, सीमेंट और निर्माण सामग्री क्षेत्र में नवाचारों और स्थिरता पर चर्चा के लिए एक साथ आएंगे। इस सम्मेलन में एक व्यापक कार्यक्रम होगा, जिसमें शिक्षा और उद्योग जगत के प्रतिष्ठित वक्ताओं द्वारा पैनल चर्चा और मुख्य भाषण के साथ-साथ 220 तकनीकी शोधपत्र प्रस्तुत किए जाएंगे। यह कार्यक्रम प्रमुख उद्योगपतियों, नीति निर्माताओं, इंजीनियरों, शिक्षाविदों और वैज्ञानिकों को एक साथ आने और सीमेंट और निर्माण सामग्री क्षेत्र में सतत विकास और नवाचार की दिशा में मार्ग तैयार करना है। इसका मकसद स्वच्छ उत्पादन, कुशल संसाधन उपयोग और स्थिरता पर अपने फोकस के साथ, सम्मेलन का उद्देश्य उद्योग को हरित भविष्य की ओर ले जाना है।

जिंका लॉजिस्टिक्स ने लिस्टिंग से निवेशकों को किया निराश, बिकवाली के दबाव में टूटे शेयर

एजेंसी

नई दिल्ली। ट्रक ऑपरेटरों को ब्लैकबक ट्रेड नेम से डिजिटल प्लेटफॉर्म उपलब्ध कराने वाली कंपनी जिंका लॉजिस्टिक्स सॉल्यूशंस के शेयर आज लगभग 3 प्रतिशत प्रीमियम के साथ शेयर बाजार में लिस्ट हुए। हालांकि लिस्टिंग के तुरंत बाद बिकवाली शुरू हो जाने के कारण कंपनी के आईपीओ निवेशकों की खुशी थोड़ी ही देर में खत्म हो गई। बिकवाली के दबाव के कारण ये शेयर 3 प्रतिशत से अधिक लुढ़क गया। बाजार में लगातार जारी खरीद-बिक्री के बीच सुबह 11 बजे कंपनी के शेयर 8.85 रुपये यानी 3.24 प्रतिशत की गिरावट के साथ 264.15 रुपये के स्तर पर कारोबार कर रहे थे। आईपीओ के तहत कंपनी के शेयर 273 रुपये के भाव पर जारी किए गए थे। आज बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज पर इसकी लिस्टिंग 279.05 रुपये के स्तर

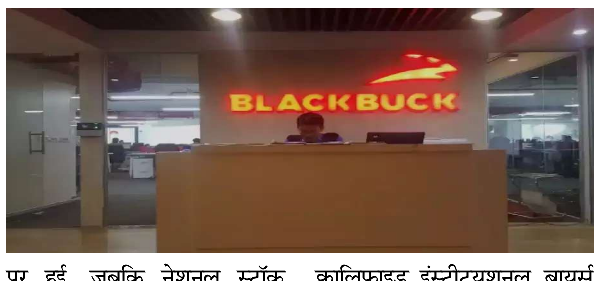

पर हुई, जबकि नेशनल स्टॉक एक्सचेंज पर इस शेयर ने 280.90 रुपये के स्तर पर लिस्ट होकर दस्तक दी थी। जिंका लॉजिस्टिक्स सॉल्यूशंस का 1,114.72 करोड़ रुपये का आईपीओ 13 से 18 नवंबर के बीच सब्सक्रिप्शन के लिए खुला था। ये आईपीओ ओवरऑल 1.87 गुना सब्सक्राइब हुआ था। इसमें क्वालिफाइड इंस्टीट्यूशनल बायर्स (क्यूआईबी) के लिए रिजर्व पोर्शन 2.72 गुना सब्सक्राइब हुआ था। इसी तरह नॉन इंस्टीट्यूशनल इन्वेस्टर्स (एनआईआई) के लिए रिजर्व पोर्शन में भी 2.72 गुना सब्सक्रिप्शन आया था, जबकि रिटेल इन्वेस्टर्स के लिए रिजर्व पोर्शन 1.70 गुना और एम्पलाइज के लिए रिजर्व पोर्शन 9.86 गुना सब्सक्राइब हुआ था। इस आईपीओ के तहत कंपनी ने 550 करोड़ रुपये के नए शेयर जारी किए हैं। इसके अलावा 1 रुपये फेस वैल्यू वाले 2,06,85,800 शेयर की ऑफर फॉर सेल विंडो के जरिए बिक्री की गई है। नए शेयर से मिलने वाले पैसे का इस्तेमाल कंपनी अपनी एनबीएफसी सब्सिडियरी ब्लैकबक फिनसर्व में निवेश करने, प्रोडक्ट डेवलपमेंट करने, सेल्स और मार्केटिंग नेटवर्क को मजबूत करने और आम कॉर्पोरेट उद्देश्यों में करेगी।

ग्रेटर नोएडा-टूरिज्म, स्टार्टअप और टेक्नोलॉजी में निवेश करेगा ऑस्ट्रिया

एजेंसी

ग्रेटर नोएडा। पहली बार ऑस्ट्रिया का 24 सदस्यीय सरकारी प्रतिनिधिमंडल ग्रेटर नोएडा पहुंचा। उत्तर प्रदेश में निवेश की उम्मीदों के बीच नोएडा, ग्रेटर नोएडा और यमुना प्राधिकरण और इनवेस्ट यूपी के अधिकारियों ने उपलब्ध संसाधनों और सरकारी नीतियों पर प्रतिनिधिमंडल के समक्ष प्रस्तुतिकरण दिया। प्रतिनिधिमंडल ने टूरिज्म, स्टार्टअप, कौशल विकास, रिसर्च, ड्रोन और टेक्नोलॉजी पर निवेश की इच्छा जताई। बतौर मुख्य अतिथि राज्यसभा सांसद मिथिलेश कुमार कठेरिया भी इस दौरान मौजूद रहे।

ऑस्ट्रिया के टाइरोल इकोनॉमिक चैंबर के वाइस प्रेसीडेंट मैनफ्रेड प्लेजर के नेतृत्व में 24 सदस्यों का सरकारी प्रतिनिधिमंडल तीन दिवसीय दौरे पर भारत आया है। यह प्रतिनिधिमंडल ऑस्ट्रिया के निवेषकों के लिए टूरिज्म, स्टार्टअप, कौशल विकास, रिसर्च, ड्रोन और टेक्नोलॉजी आदि क्षेत्र में निवेश की संभावनाएं तलाशने भारत आया है।

बंगलुरू भ्रमण के बाद प्रतिनिधिमंडल ग्रेटर नोएडा पहुंचा। ग्रेटर नोएडा के जेपी रिसॉर्ट में प्रतिनिधिमंडल के साथ बैठक का आयोजन किया गया। ऑस्ट्रिया दूतावास के अधिकारीगण भी इस बैठक में शामिल रहे। उत्तर प्रदेश सरकार की तरफ से नोएडा, ग्रेटर नोएडा और यमुना प्राधिकरण और इनवेस्ट यूपी के अधिकारियों ने प्रतिनिधिमंडल के साथ बैठक की। राज्यसभा सांसद मिथिलेश कुमार कठेरिया की अध्यक्षता में ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण के सीईओ एनजी रवि कुमार, एसीईओ सौम्य श्रीवास्तव, एसीईओ प्रेरणा सिंह, यीडा की एसीईओ श्रुति व ओएसडी शैलेंद्र भाटिया, नोएडा के एसीईओ संजय खत्री, इनवेस्ट यूपी से अनिरुद्ध क्षत्रिय, यूपी टूरिज्म से प्रीति श्रीवास्तव, एसोचैम यूपी से डीपी सिंह समेत अन्य अधिकारियों ने हिस्सा लिया। इसमें नोएडा, ग्रेटर नोएडा और यमुना प्राधिकरण और इनवेस्ट यूपी के अधिकारियों ने एक-एक करके अपना प्रस्तुतिकरण दिया। ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण के सीईओ एनजी रवि कुमार ने प्रस्तुतिकरण में कहा कि उत्तर प्रदेश भारत का सबसे अधिक आबादी वाला प्रदेश है। यहां कृषि, शिक्षा, स्टार्ट अप, टेक्नोलॉजी, टूरिज्म आदि के क्षेत्र में अपार संभावनाएं हैं। सीईओ ने मथुरा, काशी और अयोध्या में टूरिज्म की संभावनाओं को रेखांकित किया। सीईओ ने ग्रेटर नोएडा के इंफ्रास्ट्रक्चर पर अधिक फोकस किया। ग्रेटर नोएडा से जुड़े सभी एक्सप्रेसवे, दिल्ली-मुंबई इंडस्ट्रियल कॉरिडोर, डाटा सेंटर, नॉलेज हब और मास्टर प्लान 2041 के ग्रेटर नोएडा आदि का खाका प्रतिनिधिमंडल के समक्ष खींचा। प्रतिनिधिमंडल ने इन सभी का प्रस्तुतिकरण से बहुत खुश हुए। राज्यसभा सांसद मिथिलेश कुमार कठेरिया ने संबोधन में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के विकसित भारत के विजन पर फोकस किया।

उन्होंने प्रदेश सरकार और नोएडा, ग्रेटर नोएडा व यमुना प्राधिकरण के कार्य प्रणाली की सराहना की। प्रतिनिधिमंडल ने यहां के इंफ्रास्ट्रक्चर को सराहा और टूरिज्म, स्टार्टअप, कौशल विकास, रिसर्च, ड्रोन, टेक्नोलॉजी आदि क्षेत्रों में निवेश, परस्पर सहयोग और ज्वाइंट वेंचर बनाकर कार्य करने की इच्छा जाहिर की। प्रतिनिधिमंडल ने लंच के दौरान भारतीय व्यंजनों की तारीफ की। इस कार्यक्रम का संचालन एसीईओ प्रेरणा सिंह और समापन एसीईओ सौम्य श्रीवास्तव ने किया। कार्यक्रम में जीएम प्लानिंग लीनू सहगल, ओएसडी नवीन कुमार सिंह अन्य अधिकारीगण मौजूद रहे।

वाणिज्यिक कोयला खदान नीलामी के 10वें दौर में 5 कोयला खदानों की हुई नीलामी

एजेंसी

नई दिल्ली। वाणिज्यिक कोयला खदानों की नीलामी के 10वें दौर के पहले दिन 5 कोयला खदानों की नीलामी हुई। एनएलसी इंडिया लिमिटेड, एसीसी लिमिटेड और जेएसडब्ल्यू एनर्जी उत्कल लिमिटेड उन 5 कंपनियों में शामिल हैं, जिन्होंने वाणिज्यिक कोयला खदान नीलामी के दसवें दौर के पहले दिन पांच खदानें हासिल की हैं। कोयला मंत्रालय ने जारी एक बयान में कहा कि वाणिज्यिक कोयला खदानों की नीलामी के दसवें दौर में कुल नौ ब्लॉक बिक्री के लिए रखे गए हैं। इसमें पहले की नीलामी में पांच कोयला खदानों को नीलामी के लिए रखा गया था। इन 5 कोयला खदानों में से एक पूरी तरह से खोजी गई है जबकि चार आंशिक रूप से खोजी गई हैं। मंत्रालय ने बताया कि एसीसी लिमिटेड ने मध्य प्रदेश में एक कोयला खदान हासिल की, जबकि एनएलसी इंडिया लिमिटेड और जेएसडब्ल्यू एनर्जी उत्कल लिमिटेड ने ओडिशा में एक-एक ब्लॉक जीता। इसके अलावा कोयला ब्लॉक जीतने वाली 2 अन्य

कंपनियां माइनवेयर एडवाइजर्स प्राइवेट लिमिटेड और श्रीजी नूरवी कोल माइनिंग एंड ट्रेडिंग प्राइवेट लिमिटेड हैं। कोयला मंत्रालय के मुताबिक इन पांच वाणिज्यिक कोयला खदानों के लिए कुल भूवैज्ञानिक भंडार 2,630.77 मिलियन टन है। वहीं, इन कोयला खदानों के लिए संचयी पीक रेटेड क्षमता 12.00 है। इन पांच खदानों के चालू होने पर इनसे सालाना 1,106.91 करोड़ रुपये का राजस्व प्राप्त होगा। इन खदानों में 1,800 करोड़ रुपये का पूंजी निवेश होगा और 16,224 लोगों को रोजगार मिलेगा। गौरतलब है कि कोयला मंत्रालय ने 21 जून, 2024 को 10वें दौर के तहत वाणिज्यिक खनन के लिए कोयला खदानों की नीलामी शुरू की थी।

अडाणी ग्रुप के शेयरों में भूचाल, गौतम अडाणी के नेटवर्थ में भी 12.1 अरब डॉलर की गिरावट

एजेंसी

नई दिल्ली।अडाणी ग्रुप के अध्यक्ष गौतम अडाणी, उनके भतीजे सागर अडाणी और एक अन्य के खिलाफ अमेरिकी अदालत में रिश्वतखोरी का आरोप लगने के बाद घरेलू शेयर बाजार में अडाणी ग्रुप की लिस्टेड कंपनियों के शेयर भी बड़ी गिरावट का शिकार हो गए। इस गिरावट के कारण ग्रुप की कंपनियां के मार्केट कैप में एक झटके में 2.25 लाख करोड़ रुपये की गिरावट आ गई। खुद गौतम अडाणी के नेटवर्थ में भी 12.1 अरब डॉलर की कमी आ गई। फॉर्ब्स रियल टाइम बिलियनर्स इंडेक्स के अनुसार गौतम अडाणी आज के टॉप 10 लूजर्स की सूची में शामिल हो गए। उनका नेटवर्थ 69.8 अरब डॉलर से घटकर 57.7 अरब डॉलर के स्तर पर आ गया। इसके साथ ही दुनिया के अमीर लोगों की सूची में भी गौतम अडाणी लुढ़क कर 25वें स्थान पर आ गए।स्टॉक मार्केट में आज का कारोबार शुरू होने के साथ ही अडाणी ग्रुप की कंपनियां के शेयर दबाव में आ गए। इस दबाव के कारण ग्रुप की फ्लैगशिप कंपनी अडाणी एंटरप्राइजेज के शेयर 23 प्रतिशत तक टूट कर 2,155.05 रुपये के स्तर तक पहुंच गए। हालांकि बाद में हुई मामूली खरीदारी के कारण अडाणी एंटरप्राइजेज के शेयर 637.85 रुपये यानी 22.61 प्रतिशत की कमजोरी के साथ 2,183.65 रुपये के स्तर पर बंद हुए। इसी तरह अडाणी एनर्जी सॉल्यूशंस के शेयर 174.30 रुपये यानी 20 प्रतिशत की कमजोरी के साथ 697.25 रुपये के लोअर सर्किट लेवल पर पहुंच कर बंद हुए। वहीं अडाणी ग्रीन एनर्जी के शेयर आज के कारोबार के बाद 267 रुपये यानी 18.90 प्रतिशत टूट कर 1,145.70 रुपये के स्तर पर बंद हुए। दिन के कारोबार में अडाणी ग्रीन एनर्जी के शेयर 1,132 रुपये के लोअर सर्किट लेवल तक पहुंच गए थे। हालांकि बाद में खरीदारों का साथ मिल जाने के कारण इस शेयर की स्थिति में मामूली सुधार हुआ। इसी तरह अडाणी विल्मर के शेयर आज 32.75 रुपये यानी 10 प्रतिशत गिर कर 294.90 रुपये के लोअर सर्किट लेवल पर पहुंच गए। इसी ग्रुप की एक और बड़ी कंपनी अडाणी पोर्ट्स एंड स्पेशल इकोनामिक जोन के शेयर 175 रुपये यानी 13.57 प्रतिशत की गिरावट के साथ 1,114.65 रुपये के स्तर पर बंद हुए। इसके पहले बाजार खुलते ही कंपनी के शेयर 995.65 रुपये के स्तर तक गिर गए थे। इसी तरह अडाणी पावर के शेयर आज 47.95 रुपये यानी 9.15 प्रतिशत की कमजोरी के साथ 476.15 रुपये के स्तर पर बंद हुए। इसके पहले बाजार खुलते ही ये शेयर लुढ़क कर 432 रुपये के स्तर पर आ गया था। इसी ग्रुप की कंपनी अडाणी टोटल गैस के शेयर आज 69.85 यानी 10.40 प्रतिशत टूट कर 601.90 रुपये के स्तर पर बंद हुए। इसके पहले दिन के कारोबार में ये शेयर 545.75 के स्तर तक लुढ़क गया था। अंबुजा सीमेंट के शेयर में भी आज बड़ी गिरावट दर्ज की गई। ये शेयर 65.40 रुपये यानी 11.90 प्रतिशत लुढ़क कर 484.15 रुपये के स्तर पर बंद हुआ। इसके पहले दिन के कारोबार में इस शेयर ने 453.05 रुपये तक गोता लगाया था। अडाणी ग्रुप की एक और सीमेंट कंपनी एसीसी के शेयर भी आज 158.50 रुपये यानी 7.25 प्रतिशत की गिरावट के साथ 2,027.20 रुपये के स्तर पर बंद हुए। हालांकि बाजार खुलने के तुरंत बाद ये शेयर 1,868.20 रुपये के स्तर तक गिर गया था। अडाणी ग्रुप की ही मीडिया कंपनी एनडीटीवी को तुलनात्मक तौर पर काफी कम नुकसान हुआ। ये शेयर आज 1.12 रुपये यानी 0.66 प्रतिशत की गिरावट के साथ 167.67 रुपये के स्तर पर बंद हुआ। बाजार खुलने के तुरंत बाद इस शेयर ने भी 143.60 रुपये के स्तर तक गोता लगाया था।

महिलाओं में अनचाही प्रेगनेंसी रोकने का सबसे अच्छा तरीका क्या है? नसबंदी या कॉपर-टी

अनचाही प्रेगनेंसी को रोकने के लिए कुछ महिलाएं दवाएं खाती हैं, लेकिन इनको सेहत के लिए अच्छा नहीं माना जाता. ऐसे में डॉक्टर महिलाओं को नसबंदी कराने या फिर कॉपर टी लगवाने की सलाह देते हैं, लेकिन इन दोनों में ज्यादा फायदेमंद क्या है. इस बारे में एक्सपर्ट्स से जानते हैं.

संयुक्त राष्ट संघ के आंकड़ों के मुताबिक, शादी के बाद अनचाही प्रेगनेंसी से बचने के लिए दुनियाभर में 19 फीसदी महिलाएं नसबंदी कराती हैं. भारत की बात करें तो यहां ये दर अभी भी 39 फीसदी है. ये आंकड़े बताते हैं कि भारत में अनचाहे गर्भधारण को रोकने के लिए बड़ी संख्या में महिलाएं नसबंदी करा रही हैं. लेकिन बीते कुछ सालों में गर्भधारण को रोकने के लिए कई और विकल्प भी आए हैं. उदाहरण के तौर पर दवाएं और कॉपर टी. इनमें दवाओं को ज्यादा यूज करने की सलाह तो डॉक्टर नहीं देते हैं, लेकिन कॉपर टी को गर्भधारण रोकने के लिए अच्छा मानते हैं.आज के दौर में कई कपल शादी के बाद एक बच्चा प्लान करते हैं. बच्चा होने के बाद वह गर्भनिरोधक तरीकों के बारे में डॉक्टरों से बात करते हैं. अकसर उनके दिमाग में यह सवाल होता है कि गर्भनिरोधक का कौन सा तरीका अपनाएं. इसके लिए कॉपर टी या नसबंदी क्या ज्यादा बेहतर है? इन सवालों का जवाब हम एक्सपर्ट्स से जानते हैं.

कॉपर टी और नसबंदी दोनों के अपने फायदे और नुकसान हैं?

दिल्ली के जीटीबी हॉस्पिटल में गायनेकोलॉजी विभाग में डॉ. मंजू वर्मा बताती हैं कि अब अनचाही प्रेगनेंसी को रोकने के लिए जागरूकता काफी बढ़ गई है. कपल उनके पास आते हैं और कॉपर टी या फिर नसबंदी के बारे में पूरी जानकारी लेते हैं. डॉ मंजू कहती हैं कि अनचाही प्रेगनेंसी से बचने के लिए नसबंदी और कॉपर-टी दोनों ही अच्छे तरीके हैं, लेकिन दोनों के अपने- अपने फायदे हैं और कुछ नुकसान भी हैं. यह इस बात पर निर्भर करता है कि महिला का स्वास्थ्य कैसा है और वह भविष्य में कभी गर्भधारण चाहती है या नहीं.नसबंदी की बात करें तो ये प्रेगनेंसी रोकने का स्थायी समाधान है. यानी एक बार नसबंदी की सर्जरी हो गई तो प्रेगनेंसी नहीं होंगी.इसको कराने के बाद गर्भनिरोधक दवाएं खाने, या फिर शारीरिक संबंध बनाने के दौरान प्रोटेक्शन यूज करने की चिंता भी नहीं रहती है. हालांकि कुछ महिलाओं में यह गलत धारणा है कि नसबंदी कराने के बाद पीरियड्स समय पर नहीं आते हैं, लेकिन ऐसा बिलकुल नहीं है. नसबंदी का पीरियड्स से कोई संबंध नहीं है.

नसबंदी के कुछ नुकसान भी होते हैं. जैसे ये एक सर्जरी वाली प्रक्रिया है. जिसमें सेप्टोसीमिया जैसे खतरनाक इंफेक्शन का रिस्क हो सकता है. हालांकि अगर सही अस्पताल और सभी मेडिकल प्रोसीजर का नियमों के साथ पालन करने सर्जरी की जाती है तो इस तरह का कोई रिस्क नहीं होता है.

कॉपर टी कितना फायदेमंद?

कॉपर टी के फायदे जानने से पहले आपको ये बता देते हैं कि यह होता क्या है. महिला रोग विशेषज्ञ डॉ. सलोनी बताती हैं कि कॉपर टी (आईयूडी ङ्क इन्ट्रायूटरिन डिवाइस) एक गर्भनिरोधक है. यह तांबे के तार वाला टी के आकार का उपकरण है, जो महिलाओं के यूट्रस में डाला जाता है. इसका काम प्रेगनेंसी को रोकने के लिए किया जाता है.कॉपर टी पुरुष के स्पर्म को गर्भाशय में जाने से रोकता है. इससे प्रेगनेंसी नहीं होती है. कॉपर-टी का एक फायदा यह है कि अगर किसी कपल का मन बदलता है और वह बच्चा प्लान करना चाहता है तो महिला के शरीर से कॉपर टी को निकाला जा सकता है. कॉपर टी को निकालकर प्रेगनेंसी प्लान हो सकती है.

क्या है बेहतर कॉपर टी या नसबंदी?

डॉ. सलोनी बताती हैं कि इनमें किसी एक को ज्यादा बेहतर बताना मुश्किल है. ऐसा इसलिए क्योंकि अगर आप हमेशा के लिए प्रेगनेंसी नहीं चाहती हैं तो नसबंदी स्थायी समाधान है, लेकिन इसमें सर्जरी की आवश्यकता होती है. कॉपर-टी की बात करें ये ये परमानेंट तौर पर प्रेगनेंसी को नहीं रोकता है. यह जब तक महिला के शरीर में लगा है तब तक प्रेगनेंसी नहीं होगी, लेकिन अगर किसी कारण इसे हटा दिया है तो महिला को गर्भधारण हो जाता है.ऐसे में अगर आप चाहती हैं कि प्रेगनेंसी हो ही न तो नसबंदी बेस्ट है.

फेक नैरेटिव को लेकर मोदी की चिंता

फेक नैरेटिव अभी देश से इतनी जल्दी खत्म होने वाले, बल्कि अब तो उनका विस्तार हो रहा है। जिहाद शब्द के प्रायोगिक बाजार में नया शब्द रेल जिहाद आया है, जो रेल दुर्घटनाओं के लिए जिम्मेदार बताया जा रहा है। तिरुपति में प्रसाद के लड्डुओं की गुणवत्ता वापस लौट जाए, इसके लिए सभी गैर हिंदू कर्मचारियों को नौकरी से हटाया जा रहा है। ऐसी मिसालें अभी और आएंगी। फिलहाल नरेन्द्र मोदी के अगले ट्वीट की प्रतीक्षा कीजिए।मणिपुर एक बार फिर हिंसा की चपेट में है। राज्य के कई हिस्सों में कर्फ्यू लगा है, जरूरी सामान खरीदने के लिए लोगों को कुछ घंटों की राहत दी जा रही है, लेकिन सामान्य जनजीवन अस्त-व्यस्त ही है। ऐसा होना स्वाभाविक भी है। जब कोई राज्य लगभग डेढ़ साल से हिंसाग्रस्त रहे, जब राज्य के मुख्यमंत्री अपनी जिम्मेदारियों को पूरा न कर पाएं, जब देश के प्रधानमंत्री को आम जनता की सुध लेने की फिक्र न हो, तब जनता किस तरह से आराम से रह सकती है। सिर पर हमेशा हिंसा की तलवार लटके रहने पर कितना मानसिक तनाव होता होगा इसकी तो कल्पना हम कर भी नहीं सकते। आश्चर्य होता है यह देखकर कि प्रधानमंत्री मोदी ने कितने आराम से खुद को मणिपुर से दूर कर लिया है। अभी जब इस पूर्वोत्तर राज्य में हालात फिर बिगड़े तो अमित शाह ने अपने चुनावी दौरे का थोड़ा हिस्सा रद्द किया, हालांकि पिछले महीने मणिपुर पर गृहमंत्रालय द्वारा बुलाई गई बैठक में वे खुद ही शामिल नहीं हुए थे, खैर अमित शाह अब राज्य की कानून व्यवस्था का जायजा ले रहे हैं, उधर कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने राष्टपति द्रौपदी मुर्मू से मणिपुर मुद्दे पर दखल देने की मांग की है। मंगलवार को लिखे दो पेज के पत्र में उन्होंने आरोप लगाया कि 18 महीने में केंद्र और राज्य की सरकार मणिपुर में शांति स्थापित करने में असफल रही है।

आप संविधान की संरक्षक हैं, इसलिए दखल दें। मणिपुर में भाजपा की सहयोगी एनपीपी ने समर्थन वापस ले लिया है और सोमवार को एनडीए की एक बैठक में 18 विधायक ही गायब रहे। कहने का आशय यह कि अपने दायरे में रहकर कमोबेश सभी राजनेता अपने मंतव्य को सामने रख रहे हैं या कार्य कर रहे हैं। लेकिन नरेन्द्र मोदी ऐसा नहीं कर रहे तो सवाल उठता है कि आखिर मोदी चाहते क्या हैं। उनके अपने ही देश में एक राज्य हिंसा में झुलसा हुआ है और उनके मुंह से उफ तक नहीं निकल रही। क्या मोदी की 56 इंची छाती के भीतर पत्थर का दिल है, जिसमें कोई स्पंदन ही नहीं होता।अभी जब विधानसभा चुनावों के साथ-साथ मणिपुर के हालात पर भी देश का ध्यान जा रहा है, तब ये देखना दिलचस्प है कि मोदी का ध्यान किस तरफ है। 17 नवंबर को श्री मोदी ने अपने आधिकारिक एक्स हैंडल से आलोक भट्ट नाम के एक यूजर का एक्स पोस्ट रीपोस्ट किया है। इस पोस्ट में गोधरा कांड पर बनी फिल्म द साबरमती रिपोर्ट का ट्रेलर भी दिखाया गया है। नरेन्द्र मोदी ने लिखा है- ये अच्छी बात है कि ये सच सामने आ रहा है और वो भी एक ऐसे तरीके से जिससे आम लोग इसे देख सकें। एक फेक नैरेटिव कुछ समय तक ही चल सकता है। आखिरकार, फैक्ट्स हमेशा सामने आते हैं! गौरतलब है कि आलोक भट्ट ने फिल्म देखने की 4 वजहें बताई गई हैं। इन वजहों के बारे में बताते हुए उन्होंने लिखा है कि ये फिल्म उन 59 लोगों के लिए सही मायने में श्रद्धांजलि है जिन्होंने गोधरा कांड में अपनी जान गंवाई थी। आश्चर्य नहीं कि प्रधानमंत्री के इस ट्वीट के बारे में एक विज्ञप्ति बाकायदा प्रधानमंत्री कार्यालय से जारी हुई है। प्रसंगवश बता दें कि आलोक भट्ट के एक्स हैंडल पर भाजपा के झारखंड चुनाव के लिए बनाए गए उस वीडियो पर एक पोस्ट है, जिसे चुनाव आयोग ने हटाने के निर्देश दिए हैं। इस वीडियो में एक व्यक्ति के घर पर जबरन कई सारे लोगों को घुसते हुए दिखाया गया है जो एक खास समुदाय के हैं।खैर फिल्म द साबरमती रिपोर्ट और नरेन्द्र मोदी के ट्वीट पर लौटते हैं। पाठकों को ध्यान होगा कि कर्नाटक चुनाव में द केरल स्टोरी का प्रचार प्रधानमंत्री ने किया था। उससे पहले द कश्मीर फाइल्स की मार्केटिंग प्रधानमंत्री ने की थी। श्री मोदी की अभिनय क्षमता के बहुत से लोग कायल हैं। भाषण देते-देते गले का अचानक रुंध जाना, किसी के कंधे पर हाथ रखकर अपनी संवेदना जताना, क्रोध, वात्सल्य, भक्ति आदि रसों का विभिन्न मौकों पर इस्तेमाल करना उन्हें अच्छे से आता है। इसलिए फिल्मों के लिए उनका रुझान चौंकाता नहीं है। लेकिन यहां बात वक्त के तकाजे की है। जैसे परीक्षा सिर पर हो और परीक्षार्थी फिल्में देखने, मनोरंजन या सैर-सपाटे में वक्त बिताए तो फिर परीक्षा को लेकर उसकी गंभीरता पर सवाल उठेंगे, साथ ही परिणाम को लेकर भी चिंता जाहिर होगी। ये भी मुमकिन है कि परीक्षा उतीर्ण करने के लिए भ्रष्ट तरीकों का सहारा लिया जाए। अब यही चिंता प्रधानमंत्री के रवैये से भी हो रही है।

क्या कारण है कि मणिपुर पर प्रधानमंत्री ट्वीट नहीं करते, बयान नहीं देते, वहां के लोगों को हौसला नहीं बंधाते कि हालात सामान्य करने के लिए वे काम कर रहे हैं, मगर देश के मुश्किल वक्त में फिल्म के प्रचार में जुट जाते हैं। क्या चुनाव प्रचार से नरेन्द्र मोदी का मन नहीं भरता, जो वो वक्त निकाल कर फिल्म का प्रचार भी करते हैं। हालांकि आजकल इसके लिए बाकायदा प्रचार एजेंसियां काम करती हैं जिनके कहने पर फिल्म के कलाकार भी एक शहर से दूसरे शहर प्रचार के लिए के हैं। सोचने वाली बात ये है कि श्री मोदी आखिर किस एजेंसी या किन लोगों के कहने पर प्रचार करते हैं। अपने प्रचार ट्वीट में नरेन्द्र मोदी ने फेक नैरेटिव यानी झूठे कथानक गढ़ने का भी मुद्दा उठाया है और इस बात पर संतोष जाहिर किया है कि तथ्य हमेशा सामने आते हैं। तो क्या द साबरमती रिपोर्ट, फिल्म को कानून की कसौटी पर परखा गया है, क्या नरेन्द्र मोदी इसे ही सौ प्रतिशत सच कह रहे हैं, क्या फिल्म में जरा भी कल्पना का पुट नहीं है, जब नरेन्द्र मोदी प्रचार कर ही रहे हैं तो इन्हें सवालों के जवाब भी पता ही होंगे।

वैसे पाठकों को याद दिला दें कि गोधरा कांड पर ही बीबीसी ने भी एक वृत्तचित्र का निर्माण किया था, इंडिया - द मोदी क्वेश्चन। 2023 में दो हिस्सों में बने इस वृत्तचित्र में घटना से जुड़े और प्रभावित हुए कई लोगों की बातचीत दिखाई गई, लेकिन भारत में इस पर प्रतिबंध लगाया गया और अब मामला सर्वोच्च न्यायालय के विचाराधीन है। जाहिर है इस वृतचित्र में जो कुछ दिखाया गया है वह श्री मोदी की निगाह में फेक नैरेटिव रहा होगा और इसलिए उसे प्रतिबंधित किया गया।

हालांकि यह देखकर इत्मीनान हुआ कि अब प्रधानमंत्री को भी कथानकों के गढ़ने और दुष्प्रचार के लिए झूठी खबरों पर चिंता हो रही है। जब साबरमती रिपोर्ट पर उन्होंने अपनी राय दी है तो उन्हें बिल्किस बानो के साथ की गई नाइंसाफी पर भी अपने विचार रखने चाहिए। यह भी बताना चाहिए कि बाबरी मस्जिद तोड़ने को जब अदालत ने अपराध बताया है तो उसी जमीन पर राम मंदिर बनाना न्याय है, फेक नैरेटिव है या आधा गिलास पानी और आधा हवा से भरे होने का पॉजिटिव एटीड्यूड है। झूठे कथानक की बात निकली है तो एक दिलचस्प मिसाल गुजरात की पूर्व मुख्यमंत्री और अब उत्तरप्रदेश की राज्यपाल आनंदी बेन पटेल ने पेश की है। लखनऊ में ख्वाजा मोइनुद्दीन चिश्ती भाषा विश्वविद्यालय के नौवें दीक्षांत समारोह में आनंदीबेन पटेल ने अपने भाषण में दावा किया कि वैदिक युग के ऋषि भारद्वाज ने विमान के विचार की कल्पना की थी लेकिन इसके आविष्कार का श्रेय राइट ब्रदर्स को गया। आनंदीबेन ने ये भी कहा कि रावण का छोटा भाई कुंभकर्ण छह महीने सोता नहीं था, बल्कि वो मशीनें बनाता था और इसकी जानकारी बाहर न जाए, इसलिए रावण के आदेश पर छह महीने अपने कक्ष से बाहर नहीं निकलता था।आनंदीबेन ने कुंभकर्ण को टेक्नोक्रेट कहा। अब संघ, भाजपा और सनातन धर्म के तमाम रक्षकों के सामने उलझाने वाला सवाल यह है कि टेक्नोक्रेट कुंभकर्ण को हर साल दशहरे पर रावण के साथ जलाने की व्याख्या कैसे की जाए। क्या यह माना जाए कि इस तरह हम अपनी वैज्ञानिक चेतना और सोच को दहन करते जा रहे हैं। क्या यही वजह है कि प्रधानमंत्री गणेशजी की प्लास्टिक सर्जरी का दावा करें और आनंदीबेन पटेल राइट ब्रदर्स को हवाई जहाज बनाने और उड़ाने का श्रेय दिए जाने पर सवाल उठाएं।खैर, फेक नैरेटिव अभी देश से इतनी जल्दी खत्म होने वाले, बल्कि अब तो उनका विस्तार हो रहा है। जिहाद शब्द के प्रायोगिक बाजार में नया शब्द रेल जिहाद आया है, जो रेल दुर्घटनाओं के लिए जिम्मेदार बताया जा रहा है। तिरुपति में प्रसाद के लड्डुओं की गुणवत्ता वापस लौट जाए, इसके लिए सभी गैर हिंदू कर्मचारियों को नौकरी से हटाया जा रहा है। ऐसी मिसालें अभी और आएंगी। फिलहाल नरेन्द्र मोदी के अगले ट्वीट की प्रतीक्षा कीजिए।

संपादकीय

महाराष्ट्र : चुनाव जीतने भाजपा की छटपटाहट

महाराष्ट्र विधानसभा का चुनाव जीतने के लिये भारतीय जनता पार्टी की बेताबी का आलम मतदान के पहले के दो दिनों में देखने को मिला। सोमवार की रात चुनाव प्रचार करते हुए पूर्व गृह मंत्री अनिल देशमुख पर बड़ा हमला हुआ जिसमें वे जख्मी हो गये, वहीं भाजपा के राष्ट्रीय महासचिव विनोद तावड़े को मुम्बई के निकटस्थ एक उपनगर में नोट बांटते हुए पकड़ा गया। देशमुख राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (शरद पवार गुट) के नेता हैं जिनके पुत्र सलिल काटोल विधानसभा क्षेत्र से चुनाव लड़ रहे हैं। नरखेड़ में प्रचार कर अनिल देशमुख नागपुर लौट रहे थे तभी उनकी कार पर पत्थरों से हमला हुआ। उनके सिर पर चोटें आईं। उन्हें पहले काटोल के शासकीय अस्पताल ले जाया गया तत्पश्चात उनकी चोटों को देखते हुए एक निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया। 4 अज्ञात लोगों के खिलाफ एफआरआई दर्ज की गयी है, तो वहीं तावड़े के विरूद्ध चुनाव आयोग ने मामला दर्ज करने का आदेश दिया है। तावड़े महाराष्ट्र के शिक्षा मंत्री रह चुके हैं।

बुधवार को प्रदेश की सभी 288 सीटों के लिये हुआ मतदान किस माहौल में सम्पन्न हुआ इसका अंदाजा तो लग ही गया, यह भी साफ है कि महाराष्ट्र की सत्ता किसी भी परिस्थिति में हाथ से न जाने देने के लिये भाजपा आमादा है। यहां भाजपा, शिवसेना (एकनाथ शिंदे गुट) और एनसीपी (अजित पवार गुट) नेशनल डेमोक्रेटिक एलांयस (एनडीए) के तहत मैदान में हैं। उसके खिलाफ महाविकास आघाड़ी के नाम से कांग्रेस, उद्धव ठाकरे के नेतृत्व वाली शिवसेना एवं एनसीपी का शरद पवार धड़ा मिलकर चुनाव लड़ रहे हैं। एनडीए के भीतर चल रहे मनमुटाव और मतभेदों के चलते वह कमजोर पिच पर खड़ी है तो दूसरी ओर महाविकास आधाड़ी (एमवीए) तमाम विपरीत परिस्थितियों तथा दुश्वारियों के बीच भी एकजुट है जिसके कारण सत्ता हाथ में होने के बाद भी एनडीए को चुनाव जीतने के लिये तमाम हथकण्डे अपनाने पड़ रहे हैं। देशमुख पर किये गये हमले के आरोपियों का अभी खुलासा नहीं हुआ है लेकिन देशमुख एवं उनकी पार्टी का विश्वास है कि पत्थर भाजपा के लोगों ने ही चलाये।

उधर विनोद तावड़े का किस्सा भी दिलचस्प मोड़ ले रहा है। राजनीतिक गलियारों में बात फैल चुकी है कि उनके द्वारा ठाणे जिले के नालासोपारा स्थित विवांत होटल में नोट बांटने की गुप्त सूचना खुद भाजपाइयों ने विरोधी गुट को पहुंचाई। यह इलाका बाहुबली और चार मर्तबा विधायक रहे हितेन्द्र ठाकुर का है। इस बार उनका पुत्र क्षितिज बहुजन विकास आघाड़ी की टिकट पर लड़ रहा है। मतदान की पूर्व संध्या यानी मंगलवार की शाम को तावड़े द्वारा किये जा रहे धन वितरण के दौरान बीवीए के सैकड़ों कार्यकर्ता पहुंच गये। उन्होंने वहां रखे काले बैग व नोट भरे लिफाफे दिखाये तथा बंडलों को मुट्ठियों में लहराते हुए फोटो खिंचवाए और तावड़े से सवाल-जवाब किये। पैसे बांटने का काम इतना पूर्व नियोजित था कि कुछ समय के लिये वहां का सीसीटीवी कैमरा बन्द करा दिया गया था। क्षितिज ने दावा किया है कि उनके हाथ में वह डायरी लग गयी है जिसमें तावड़े द्वारा बांटे जा रहे रुपयों का हिसाब है। हालांकि तावड़े अपने स्थानीय उम्मीदवार राजन नाईक के साथ सफाई देते रहे और चुनाव आयोग की ओर से निष्पक्ष जांच की मांग करते रहे लेकिन दोनों के खिलाफ मामले दर्ज हो ही गये।मंगलवार की रात भर में तावड़े के इस धन वितरण की क्लिप्स और विस्तृत वीडियो महाराष्ट्र भर में फैल गये। देखना यह है कि इसका असर मतदान पर क्या हुआ। 23 नवम्बर को ही पता चल पायेगा जब सभी नतीजे निकलेंगे। जो भी हो, इसके कारण विपक्ष को एक बड़ा मुद्दा मिल गया। राहुल गांधी ने इस सन्दर्भ में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की खिंचाई की। उन्होंने पूछा कि %अदानी द्वारा टेंपो में भर-भरकर महाराष्ट्र में नोट भेजे जाने की पीएम कब जांच कराएंगे?' कहा तो यहां तक जा रहा है कि महाराष्ट्र में वोटरों को लुभाने के लिये जमकर पैसा बंटा है। तावड़े से बरामद 5 करोड़ रुपये तो झलक मात्र है। राज्य में आम चर्चा है कि एक-एक वोट के लिये 10-10 हजार रुपये तक बांटे गये हैं। तावड़े द्वारा किये गये धन वितरण के मामले तथा देशमुख पर हुए हमले को लोग भाजपा की सत्ता की अकुलाहट से जोड़कर देख रहे हैं।

धधक रहा है मणिपुर... बुझाए कौन?

मणिपुर में हिसा की मौजूदा घटना कोई नया नहीं है। पिछले डेढ़ साल (566 दिन) से यह प्रदेश हिंसा की लपटों में धधक रहा है और केंद्र तथा राज्य की सरकार मौन ओढ़े हुए हैं। सरकारी आँकड़ों पर भरोसा करें तो छोटे से उस राज्य में हिंसा की घटनाओं में अब तक 220 लोगों की जान जा चुकी है, जबकि हजारों लोग बेघर हो चुके हैं। कई महिलाओं की आबरू लूटी गई और हजारों करोड़ की संपत्ति आग के हवाले कर दी गई। बता देना जरूरी है कि मणिपुर में भाजपा की चुनी हुई सरकार है लेकिन वर्तमान परिप्रेक्ष्य में सरकार असहाय दिखाई देती है। आम लोगों की कौन कहे मुख्यमंत्री एन बीरेन सिंह के सरकारी आवास और पैतृक घर पर दो बार हमला और आगजनी की घटनाएं हो चुकी हैं। आबादी के लिहाज से देखें तो मणिपुर में मैतेई, कुकी और नगा का वर्चस्व है। राज्य में सर्वाधिक आबादी मैतेई समुदाय की है। उनकी संख्या लगभग 65 फीसदी है, जबकि कुकी और नगा मिलाकर कुल आबादी का 35 फीसदी हैं। समुदायों के बीच टकराव मणिपुर के लिए नया नहीं है। 90 के दशक में मणिपुर में कुकी और नगा समुदाय के बीच संघर्ष हुआ था। तब सैकड़ों लोगों की जान गई थी। बड़ी मुश्किल से तब हिंसा की आग बुझाई जा सकी थी।वर्तमान में मैतेई और कुकी के बीच संघर्ष छिड़ा है। इसका कारण मैतेई समुदाय की आरक्षण की मांग है। मैतेई काफी दिनों से इसकी मांग कर रहे हैं। चूंकि मणिपुर की पहाड़ियों पर बसने वाले कुकी और नगा समुदाय के लोग अनुसूचित जनजातियों की सूची में शामिल हैं और उन्हें इसका लाभ भी मिलता रहा है लेकिन मैतेई इस लाभ से वंचित हैं। यही वजह है कि मैतेई समुदाय के लोगों ने आरक्षण की मांग को तूल दिया। जबकि कुकी और नगा समुदाय के लोगों का कहना है कि मैतेई समुदाय के लोगों की पहले से विकास योजनाओं में अधिक भागीदारी रही है और उन्हें इसका लाभ मिलता रहा है। इसलिए उनके लिए अलग से आरक्षण की मांग बेमानी है। अगर मैतेई समुदाय को आरक्षण का लाभ मिला तो वे राज्य के संसाधनों के साथ-साथ सरकारी नौकरियों पर भी काबिज हो जाएंगे। ऐसे में कुकी समुदाय के लोगों के समक्ष भुखमरी की स्थिति हो जाएगी। इस विवाद ने तूल उस समय पकड़ लिया जब मणिपुर हाईकोर्ट ने राज्य सरकार को यह निर्देश दिया कि वह मैतेई समुदाय को आरक्षण के दायरे में लाने के लिए केंद्र सरकार को प्रस्ताव भेजे। इससे पहले कि राज्य सरकार केंद्र को मैतेई समुदाय को आरक्षण के दायरे में लाने का प्रस्ताव भेजती कुकी समुदाय के लोग सड़कों पर उतर गए। मैतेई समुदाय के लोगों ने जब इसका विरोध किया तो सड़कों पर हिंसा का रौरव तांडव शुरू हो गया।इसके अलावा मणिपुर में हिंसा की दूसरी वजह का वह कानून है जिसमें कहा गया है कि मैतेई समुदाय के वह लोग जो घाटी में बसे हैं वह पहाड़ी इलाकों में न तो घर बना सकते हैं और न ही जमीन खरीद सकते हैं। इसके उलट कुकी और नगा समुदाय के लोग घाटी में जमीन खरीद सकते हैं और घर बनाकर बस भी सकते हैं। मैतेई समुदाय के लोग इसका पहले से विरोध करते रहे हैं। वह एक राज्य एक कानून के तहत पहाड़ियों पर जमीन की खरीद का अधिकार चाहते रहे हैं।मणिपुर की उस जघन्य घटना से पूरा देश मर्माहत और शर्मसार है जिसे पिछले साल 4 मई को अंजाम दिया गया था। उस घटना में दो महिलाओं को कपड़े उतारकर सड़कों पर घुमाया गया, सरेआम पीटा गया और गैंगरेप किया गया था। हैरत की बात यह कि इंसानियत को शर्मसार करने वाले उस घटना के दरिंदों पर कार्रवाई करने, पीड़ितों को इंसाफ दिलाने की बजाय सरकारी मशीनरी ने उस घटना को ही छुपा लिया।

तब से लेकर आज तक मणिपुर लगातार सुलगता रहा है। बीच-बीच में हिंसक झड़पों की रिपोर्ट आती रहती है। राज्य सरकार मूक दर्शक बनी हुई है। बल्कि यह कहने में गुरेज नहीं होना चाहिए कि मणिपुर के हालात पर पर्दा डाला जाता रहा है। कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने संसद के भीतर और बाहर कई दफा प्रधानमंत्री से मणिपुर मामले में हस्तक्षेप करने और वक्तव्य देने की मांग की। राहुल मणिपुर के शरणार्थी कैंप भी गए और उसमें रह रहे लोगों से बातचीत की।मणिपुर में हिंसा की ताजा वारदात 11 नवंबर को सुरक्षाबलों से मुठभेड़ में 10 बंदूकधारी उग्रवादियों के मारे जाने के बाद हुई। कुकी समुदाय ने मारे गए लोगों को विलेज गार्ड बताया और मुठभेड़ के जिम्मेदार सुरक्षाबलों पर कार्रवाई की मांग की। इसे संयोग कहें या प्रयोग कि उसी दिन जिरीबाम से दो महिलाओं समेत 6 लोगों का अपहरण कर लिया गया। अपहरण का आरोप कुकी उग्रवादियों पर लगाया गया।

इसमें एक महिला जो तीन बच्चों की मां थी, सामूहिक दरिंदगी कर उसके शरीर में कीलें ठोंक दी गई और उसके शरीर को आग के हवाले कर दिया गया। इंसानियत को शर्मसार क देने वाले इस घटना से डॉक्टर भी हैरान हैं।केंद्र सरकार ने मणिपुर के पांच जिलों इंफाल पूर्व और पश्चिम, थोबल, विष्णुपुर और काकचिंग में अनिश्चितकाल के लिए कर्फ्यू लगा दिया है और सात जिलों में इंटरनेट सेवाएं अस्थाई रूप से स्थगित कर दिया है।मणिपुर में हिंसा से हरकत में केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह महाराष्ट्र का अपना चुनावी दौरा छोड़कर दिल्ली पहुंचे। केंद्र सरकार ने छह थाना क्षेत्रों में सशस्त्र बल विशेष अधिकार अधिनियम (अफस्पा) लागूकर दिया है। इस बीच दोनों समुदाय के लोग सड़कों पर उतर गए हैं। भाजपा के 19 विधायकों ने प्रधानमंत्री कार्यालय और गृह मंत्री को पत्र भेजकर राज्य की एन बीरेन सिंह सरकार को बदलने की मांग की है। नेशनल पीपुल्स पार्टी (एनपीपी) ने एन बीरेन सिंह सरकार से समर्थन वापस ले लिया है।

उधर, मणिपुर सरकार ने केंद्रीय गृह मंत्रालय को पत्र भेजकर राज्य से अफस्पा हटाने की मांग की है। देखना जरूरी होगा कि मणिपुर पर केंद्र सरकार आगे क्या कदम उठाती है। फिलहाल तो मणिपुर धधक रहा है और प्रधानमंत्री नाइजीरिया का सर्वोच्च पुरस्कार ग्रहण कर गौरवान्वित महसूस कर रहे हैं।

नहीं आया इंटरव्यू के लिए कॉल, आपने की होंगी ये 5 गलतियां

शायद आप कुछ समय से जॉब तलाश रहे हों और आपने अलग-अलग कंपनियों, अलग-अलग पदों पर आवेदन दिया हो। हर दिन आप यह काम करते हो लेकिन आपके पास अभी तक कोई रिस्पॉन्स नहीं आया हो, ना कोई कॉल, ना ई-मेल। आपके हताश होने से पहले, यहां कुछ जरूरी बातें दी जा रही है जो कि आप आवदेनों को भेजने के पहले एक बार फरि चेक कर लें।

हर आवेदन में एक ही सीवी और कवर लेटर तो नहीं यूज किया

हर जॉब अलग है और उस जॉब की जरूरत के हिसाब से सीवी में बदलाव की जरूरत होती है। आपको अपना सीवी कस्टमाइज करने के लिए समय निकालना चाहि और यह सोचना चाहिए कि ऐसा क्या बदलाव किया जाए कि आपको इंटरव्यू के लिए एचआर से कॉल आ जाए। अगर आपका सीवी हर जॉब के हिसाब से पर्सनलाइज्ड नहीं हुआ तो यह इग्नोर हो सकता है। एम्प्लॉयर्स यह बात नोटिस करते है कि आपके सीवी और कवर लेटर में एक ही बातें तो नहीं है। भीड़ से अलग दिखने के लिए आपको यह साबित करना होगा कि आप एक अच्छे एम्प्लॉई बन सकते हैं। ऐसी चीजें शामिल करें जिससे कंपनी ज्यादा आकर्षित हो।

आवेदन गलत जगह तो भेज नहीं दिया

जिस व्यक्ति को आवदेन भेजना है उसके नाम में कई आवेदक गलती से या मूर्खतावश गलती कर देते हैं। वशिष रूप से जब आप अलग-अलग जगहों पर अप्लाई कर रहे हैं तो एड्रेसी और कंपनी का नाम अपडेट करना आसानी से भूल सकते हैं। इतना ही नहीं नाम की स्पेलिंग में गलती भी भारी पड़ सकती है।

आप न्यूनतम योग्यता पर खरे नहीं उतरे हैं

आपको इंटरव्यू कॉल नहीं आएगा अगर आप अंडरक्वॉलिफाइड हैं। अगर आपके पास आवश्यकतानुसार अनुभव, शैक्षणिक योग्यता नहीं है या आपने उसी माहौल या इंडस्ट्री में काम नहीं किया है तो आपका सीवी बाहर कर दिया जाएगा।

याद रखें, आपको यह पता होना चाहिए कि आप योग्य है लेकिन आप रिक्रूटर के लिए केवल एक कागज का टुकड़ा हैं। वे आपके बारे में उतना ही जानते हैं जो आपका पिछला अनुभव कहता है। उन्हें कई सारे सीवी देखने होते हैं और वे कभी भी अपना समय ऐसे में व्यर्थ नहीं करेंगे या आपके बारे में ज्यादा जानने की कोशिश नहीं करेंगे।

क्या आप न्यूनतम योग्यता को पार कर गए हैं

अगर आप ओवरक्वॉलिफाइड हैं तो भी आपके पास कॉल नहीं आएगा। कोई भी कंपनी ऐसे व्यक्ति को हायर नहीं करेगी। ऐसे में आपका सीवी भी रिजेक्ट हो जाएगा और वे सीवी के ढेर में नए आवेदन पर नजर घुमाएंगे।

कॉन्टेक्ट डिटेल्स अपडेट किया

भेजने से पहले आपको सीवी आपको बार-बार चेक करना चाहिए। यह सुनिश्चित कर लें कि आपने आपका वर्तमान ई-मेल एड्रेस, मोबाइल नंबर और लैंडलाइन नंबर डॉक्यूमेंट्स में अपडेट कर लिया है। अगर आपने आपका पुराना सोशल मीडिया अकाउंट्स डिलीट कर दिया है तो यह सुनिश्चित कर लें कि आपने उसे सीवी से भी हटा दिया है। अगर आपने सोशल मीडिया अकाउंट्स में प्राइवेसी सेंटिंग कर रखी है तो एचआर को इसके जरिए संपर्क करने का मत कहिए।

भारत में मैनेजमेंट में करियर बनाने के इच्छुक युवाओं के बीच एमबीए इन मार्केटिंग हमेशा से एक लोकप्रिय स्पेशलाइजेशन रहा है। मगर अब डिजिटल युग के आने से मार्केटिंग के क्षेत्र में जबरदस्त बदलाव आया है और अब इसमें डिजिटल मार्केटिंग भी शामिल हो गई है।

अब डिजिटल मार्केटिंग में पा सकते हैं एमबीए डिग्री

पढ़ाई के क्षेत्र के रूप में डिजिटल मार्केटिंग का इतना व्यापक प्रभाव पड़ा है कि अब मार्केटिंग और डिजिटल मार्केटिंग को एक ही माना जाने लगा है। यूं तो दोनों ही क्षेत्रों में मूल काम उत्पादों व सेवाओं का प्रमोशन तथा सेल्स है मगर डिजिटल मार्केटिंग में अपनाई जाने वाली रणनीतियां परंपरागत मार्केटिंग से बहुत अलग और कहीं अधिक प्रभावी होती हैं। डिजिटल मार्केटिंग के क्षेत्र की बढ़ती लोकप्रियता और इसके लगातार विस्तार को देखते हुए मैनेजमेंट गुरुओं ने एमबीए कोर्स के लिए डिजिटल मार्केटिंग में स्पेशलाइजेशन की अलग ब्रांच की जरूरत महसूस की। आज डिजिटल मार्केटिंग में एमबीए का विकल्प तो उपलब्ध है मगर कई विद्यार्थियों में इस बात को लेकर भ्रम की स्थिति है कि मार्केटिंग और डिजिटल मार्केटिंग में क्या अंतर है और वे इन दोनों में से किस स्पेशलाइजेशन का चयन करें। तो चलिए, डिजिटल मार्केटिंग के बारे में थोड़ा और विस्तार से जानते हैं।

डिजिटल मार्केटिंग से कैसे अलग

जहां 'मार्केटिंग'' में सभी प्रकार की मार्केटिंग आती है, वहीं 'डिजिटल मार्केटिंग'' में केवल डिजिटल माध्यमों द्वारा की गई मार्केटिंग शामिल है। इनमें वेबसाइट, सोशल नेटवर्क, बैनर ऐड, गूगल ऐड, सर्च रिजल्ट, यूट्यूब वीडियो आदि आते हैं। परंपरागत मार्केटिंग में विज्ञापनदाता से उपभोक्ता की ओर सूचना का एकतरफा प्रवाह होता है। वहीं डिजिटल मार्केटिंग में दोतरफा संवाद संभव है। परंपरागत मार्केटिंग में जहां विज्ञापन की लागत बहुत अधक आती है, वहीं डिजिटल मार्केटिंग में यह कम रहती है। परंपरागत मार्केटिंग कैंपेन काफी पहले से प्लान किए जाते हैं मगर डिजिटल कैंपेन तात्कालिक भी हो सकते हैं।

एमबीए इन डिजिटल मार्केटिंग

कई युवाओं का तर्क होता है कि केवल डिजिटल मार्केटिंग में एमबीए कर अपनी पढ़ाई का स्कोप सीमित करने के बजाय मार्केटिंग में एमबीए करना बेहतर है। यह बात अपनी जगह सही हो सकती है मगर आप जरा डिजिटल मार्केटिंग को भविष्य के नजरिये से भी देखें। पिछले एक दशक में सारे बिजनेस घरानों ने अपना ध्यान मार्केटिंग के परंपरागत माध्यमों से हटाकर डिजिटल माध्यमों पर केंद्रित कर दिया है। डिजिटल मार्केटिंग की लोकप्रियता के कई कारण हैं, जिनमें प्रमुख हैं कम लागत, तत्काल प्रतिसाद, लचीलापन, सुविधा और प्रभावशीलता। कई जानकार तो यह भी कहते हैं कि आज के दौर में अगर आपने डिजिटल प्लेटफॉर्म पर मार्केटिंग नहीं की, तो ग्राहक आपसे दूर ही रहेंगे। इसमें कोई शक नहीं कि आने वाले समय में सारी मार्केटिंग डिजिटल प्लेटफॉर्म की ओर ही जाएगी। इस प्लेटफॉर्म पर खास तरह की मैनेजमेंट स्किल की जरूरत होती है। इसीलिए एमबीए इन डिजिटल मार्केटिंग एक बेहतर तथा आकर्षक करियर ऑप्शन बन गया है।

क्या है स्कोप

हमारे यहां अब भी यह फील्ड अपने शुरुआती दौर में है और इसके बड़ी तेजी से विस्तार लेने की उम्मीद है। डिजिटल मार्केटिंग में एमबीए के विद्यार्थियों को तकनीकी बुनियाद तथा डिजिटल लैंग्वेज के कॉन्सेप्ट्स से रूबरू कराया जाता है। इसमें ये विषय भी शामिल होते हैं : वेब एनालिटिक्स, एडवर्टाइजिंग कम्युनिकेशन, बायर बिहेवियर, मार्केटिंग मैनेजमेंट, बी2बी ई-मार्केटिंग, इंटरनेट मार्केटिंग स्ट्रैटेजी आदि। भविष्य में इनमें सोशल मीडिया मार्केटिंग, कंटेंट मार्केटिंग, सर्च इंजिन मार्केटिंग आदि के भी शामिल किए जाने की संभावना है।

पे-पैकेज

काफी नई फील्ड होने के बावजूद डिजिटल मार्केटिंग वेतन के लिहाज से बेहद आकर्षक है। एक नया डिजिटल मार्केटिंग मैनेजर 4 से 5 लाख रुपए का वार्षिक पैकेज पा सकता है। अनुभव के साथ इसमें तीव्रता से वृद्धि होती है। 5 से 7 साल का अनुभवी डिजिटल मार्केटिंग मैनेजर 10-12 लाख का वार्षिक पैकेज पा सकता है।

करियर ऑप्शन

डिजिटल मार्केटिंग में डिग्री लेने के बाद करियर के कई ऑप्शन खुले होते हैं। फिलहाल हम इनमें से 3 सबसे बेहतर ऑप्शंस की चर्चा करेंगे।

डिजिटल मार्केटिंग मैनेजर

इन्हें मार्केटिंग की भाषा में 'बज क्रिएटर'' भी कहा जाता है। ये कस्टमर बिहेवियर डेटा पर काम करते हुए डिजिटल प्लेटफॉर्म पर मार्केटिंग की ऐसी रणनीति तैयार करते हैं, जिससे उस उत्पाद या सेवा के प्रति उपभोक्ता की जिज्ञासा जागे। ईमेल मार्केटिंग, ईकॉमर्स, सोशल मीडिया कैंपेन आदि इनके काम का हिस्सा हैं। डिजिटल मार्केटिंग मैनेजर के रूप में जॉब के अवसर अकेले इस साल ही 12 प्रतिशत की दर से बढ़ने की उम्मीद है। अगर आप डिजिटल मार्केटिंग मैनेजर के रूप में करियर बनाना चाहते हैं, तो बेहतर होगा कि आप कोडिंग, वेब डिजाइन, एप्लिकेशन डेवलपमेंट, मार्केटिंग इकोनॉमिक्स तथा जनरल मैनेजेरियल एप्टिट्यूड में पारंगत हो जाएं।

इंटरनेट मार्केटिंग मैनेजर

अगर आपमें डेटा कलेक्शन और प्रोसेसिंग का हुनर है, तो आप इस फील्ड में करियर बना सकते हैं। इंटरनेट मार्केटिंग मैनेजर को मुख्य रूप से मार्केट रिसर्च एनालिस्ट के रूप में काम करना होता है। वे कस्टमर बिहेवियर डेटा का अध्ययन कर यह तय करते हैं कि उत्पाद या सेवा की बिक्री की कितना संभावना है। इसमें एमबीए की डिग्री के अलावा मार्केट रिसर्च एंड एनालिसिस में सर्टिफिकेशन आपके काम आएगा।

डिजिटल सेल्स मैनेजर

मार्केटिंग व सेल्स एक ही सिक्के के दो पहलू हैं। सो कई कंपनियां डिजिटल सेल्स की जिम्मेदारी डिजिटल मार्केटिंग मैनेजमेंट प्रोफेशनल को सौंपती हैं। यदि आपको डिजिटल मीडिया व निजता कानूनों, ब्राण्ड मैनेजमेंट, सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म्स आदि का ज्ञान है, तो डिजिटल सेल्स मैनेजर के रूप में यह आपको बहुत काम आएगा।

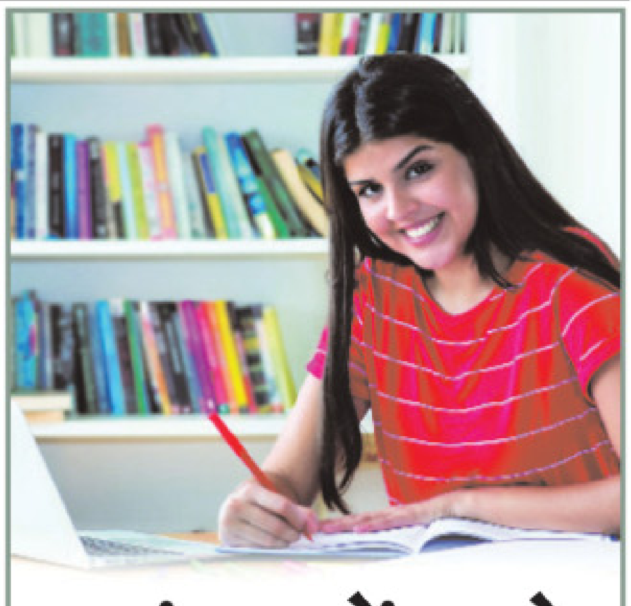

साइंस स्टूडेंट्स के लिए इस क्षेत्र में ढेरों हैं संभावनाएं

विज्ञान तथा टेक्नोलॉजी के क्षेत्र में आए दिन नई-नई शाखाएं जुड़ रही हैं। नैनो टेक्नोलॉजी भी तुलनात्मक रूप से एक नया क्षेत्र है। नैनो टेक्नोलॉजी के विभिन्न क्षेत्रों में रोजगार के अवसर देश-विदेश में छलांगें लगाकर बढ़ते हुए दिखाई दे रहे हैं। नैनो टेक्नोलॉजी को 'साइंस ऑफ मिनिएचर' अर्थात लघुतर का विज्ञान भी कहा जाता है। जब कोई वस्तु या सामग्री नैनो डाइमेंशन (10-9 मीटर = 1 नैनोमीटर) में बदल जाती है, तो उसके भौतिक, रासायनिक, चुंबकीय, प्रकाशीय, यांत्रिक और इलेक्ट्रिक गुणों में बड़ा भारी परिवर्तन आ जाता है। वैज्ञानिक दृष्टिकोण से देखा जाए, तो नैनो टेक्नोलॉजी एक ऐसा विषय क्षेत्र है, जिसमें नए अवसरों की भरमार है। नैनो टेक्नोलॉजी वैज्ञानिकों को व्यावहारिक सीमाओं से परे जाकर आणविक स्तर पर प्रयोग करने की सुविधा प्रदान करती है।

हर क्षेत्र में पैठ

नैनो टेक्नोलॉजी वर्तमान में मानवीय जीवन के लगभग सभी क्षेत्रों में प्रवेश कर चुकी है। यह तकनीक बायोसाइंस, मेडिकल साइंस, पर्यावरण विज्ञान, इलेक्ट्रॉनिक्स, कॉस्मेटिक्स, सिक्योरिटी, फैब्रिक्स और विविध क्षेत्रों में चमत्कार कर रही है। वैज्ञानिकों का अनुमान है कि नैनो टेक्नोलॉजी प्रत्येक क्षेत्र जैसे मेडिसिन, एयरोस्पेस, इंजीनियरिंग, विभिन्न उद्योगों और तकनीकी क्षेत्रों, स्वास्थ्य और अन्य क्षेत्रों में क्रांतिकारी परिवर्तन लाएगी। कुल मिलाकर ऐसा कोई क्षेत्र नहीं होगा, जो नैनो टेक्नोलॉजी का इस्तेमाल नहीं करेगा।

आर एंड डी पर आधारित

आने वाले समय में नैनो टेक्नोलॉजी के फायदों को देखते हुए पूरे विश्व में अकादमिक स्तर पर इसे एक विषय के रूप में अपनाया जा रहा है। नैनो टेक्नोलॉजी के पोस्ट ग्रेजुएट कोर्स हमारे देश में उपलब्ध हैं। एमटेक और एमएससी कोर्स में प्रवेश के लिए फिजिक्स, केमिस्ट्री, बायोलॉजी, बायोइंफॉर्मेटिक्स, इंस्ट्रूमेंटेशन आदि विषयों से ग्रेजुएशन कर चुके विद्यार्थी आवेदन कर सकते हैं। एडमिशन प्रवेश परीक्षा के आधार पर दिया जाता है।

नैनो टेक्नोलॉजी पाठ्यक्रम का स्वरूप मूलत: रिसर्च एवं डेवलपमेंट (आर एंड डी) पर आधारित होता है। इसके पाठ्यक्रम में विद्यार्थियों को पहले संबंधित विषय के आधारभूत सिद्धांतों से परिचित कराया जाता है। इसके बाद इस तकनीक के विभिन्न क्षेत्रों में उपयोग के अनुरूप अप्लाइड रूप देकर अन्य विषयों की जानकारी दी जाती है, ताकि पाठ्यक्रम रोचक, वस्तुनिष्ठ व ज्ञान पर आधारित बन सके। इसमें पदार्थ के भौतिक, रासायनिक तथा जैविक गुणों का सूक्ष्मतम अध्ययन कराया जाता है। पाठ्यक्रम की विषयवस्तु में क्वांटम थ्योरी, लिथोग्राफी, कार्बनिक और अकार्बनिक नैनो मटेरियल, स्पेक्ट्रोग्राफी, ऑप्टिकल माइक्रोस्कोपी, एक्स-रे डिफ्रैक्शन, रमन प्रभाव, नैनो बायोसाइंस, जीन स्ट्रक्चर आदि शामिल हैं।

करियर के कई विकल्प

नैनो टेक्नोलॉजी का अध्ययन करने वालों के लिए विभिन्न क्षेत्रों में करियर के अच्छे विकल्प उपलब्ध हैं। यह तकनीक रक्षा, सैन्य सामग्री निर्माण, फॉरेंसिक साइंस, इलेक्ट्रॉनिक्स, आईटी, ऊर्जा आदि क्षेत्रों में रोजगार के अच्छे अवसर प्रदान करती है। नैनो टेक्नोलॉजी पर्यावरण, कृषि, टेक्सटाइल जैसे क्षेत्रों में भी रोजगार प्रदान करती है। इस तकनीक का प्रयोग कैंसर के इलाज में भी किया जा रहा है। इसलिए स्वास्थ्य और चिकित्सा क्षेत्र में यह तकनीक अच्छी करियर की संभावनाएं रखती है। नैनो टेक्नोलॉजी के अध्यापन के क्षेत्र में भी करियर बनाया जा सकता है।

खुल रहे हैं नए द्वार

नैनो टेक्नोलॉजी के द्वारा विभिन्न तत्वों की बॉण्ड संरचना में परिवर्तन करने पर या उनका आपस में संयोग करने पर एकदम नए तत्व का निर्माण भी किया जा सकता है। इस विषय में अभी बहुत-से नए आयाम खोजे जाने बाकी हैं तथा इसके प्रयोग से भौतिकी के लगभग सभी सिद्धांतों को यथार्थ रूप दे पाना संभव हो सकता है। इसलिए यह विषय शोधर्थियों के लिए कार्यक्षेत्रों के नए द्वार खोलता है। इस टेक्नोलॉजी को और भी उन्नात बनाने तथा भविष्य में इस क्षेत्र में नई संभावनाओं की तलाश करने के लिए भारत सरकार भी पहल कर रही है। अमेरिका का नेशनल साइंस फाउंडेशन 'नेशनल नैनो टेक्नोलॉजी इनिशिएटिव' नामक योजना चला रहा है। इसके साथ ही विश्व के तमाम उन्नत देश भी इस पर अलग-अलग नामों से योजनाएं चला रहे हैं। अनेक देश इस विषय में शोध के लिए प्रतिवर्ष अरबों रुपए खर्च कर रहे हैं। स्पष्ट है कि इसके चलते इस क्षेत्र में जॉब्स के भरपूर अवसर निर्मित होने जा रहे हैं। नैनो टेक्नोलॉजी को आज जिन प्रमुख चुनौतियों का सामना करना पड़ रहा है, वे हैं शिक्षित, प्रशिक्षित तथा कुशल कर्मचारियों की कमी। नैनो टेक्नोलॉजी विभिन्न प्रमुख नवाचारों के विकास में संलग्न है और इस क्षेत्र में नित नए प्रयोग हो रहे हैं, जिससे कुशल मानवशक्ति को रोजगार के उजले अवसर उपलब्ध हो रहे हैं।

प्रमुख संस्थान

- आईआईटी, दिल्ली
- आईआईटी, गुवाहाटी
- आईआईटी, कानपुर
- जवाहरलाल नेहरू सेंटर फॉर एडवांस साइंटिफिक रिसर्च, बेंगलुरू
- इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ साइंस, बेंगलुरू
- नेशनल केमिकल लैबोरेट्री, पुणे
- एमिटी यूनिवर्सिटी, नोएडा
- दिल्ली विश्वविद्यालय, दिल्ली
- बनारस हिंदू विश्वविद्यालय, वाराणसी

जानकारी

ये आसान सा नुस्खा आपके काले होंठों को बना देगा गुलाबी

मौजूदा वक्त में होंठों को गुलाबी बनाने के लिए बाजार में कई तरह के उत्पाद हैं और इनपर काफी चर्चा भी होती है। बीच-बीच में इन उत्पादों की विश्वसनीयता पर भी सवाल उठते हैं। और इसमें कोई आश्चर्य की बात भी नहीं है कि वर्षों से हमारी बॉलीवुड इंडस्ट्री की अभिनेत्रियां कई लिपस्टिक, लिप बाम और स्क्रब के शेड्स मार्केट में रखती आ रही हैं। भले ही वह एक विज्ञापन कर रही हों लेकिन लोगों में गुलाबी होंठों की चाहत कहीं न कहीं बढ़ ही जाती है। एक स्किनकेयर गुरु के रूप में हमेशा मुझसे ये सवाल पूछा जाता है कि मेरे होंठ इतने गुलाबी कैसे हैं। मैं इसके पीछे सबसे बड़ा कारण मानता हूं कि मैं धूम्रपान नहीं करता और न मैंने कभी किया है। मैं अपने गुलाबी होंठों के लिए श्रेय देना चाहूंगा जिसे मैं आज आपके साथ साझा करने जा रहा हूं।

महिलाएं अगर गुलाबी होंठों के बारे में पूछें तो कोई हैरानी की बात नहीं है लेकिन जब यह सवाल लड़कों द्वारा पूछा जाता है तो यह सवाल थोड़ा दिलचस्प हो जाता है। विशेष रूप से धूम्रपान करने वाले युवक, जो सिगरेट की वजह से होंठों को हुए नुकसान को अब कम करना चाहते हैं।

होंठों के लिए चुकंदर

होंठों को गुलाबी बनाने के लिए मेरा पसंदीदा तरीका है चुकंदर। यह प्राकृतिक रूप से गुलाबी होता है। इसका डाई के रूप में प्रयोग बरसों से होता आ रहा है। अगर आप इसके बारे में नहीं जानते हैं तो मैं आपको बता दूं कि पहले इस रंग के रेड वेलवेट फ्लेवर्ड केक बना करते थे लेकिन अब इनका केवल रंग रह गया है। चुकंदर होंठों को गुलाबी बनाने का एक आसान और प्राकृतिक तरीका है। अगर आप घर पर अपने होंठों के लिए स्क्रब तैयार करते हैं तो इसका प्रभाव लंबे अरसे तक रहता है। इसका प्रयोग सप्ताह में दो से तीन बार तक किया जा सकता है।

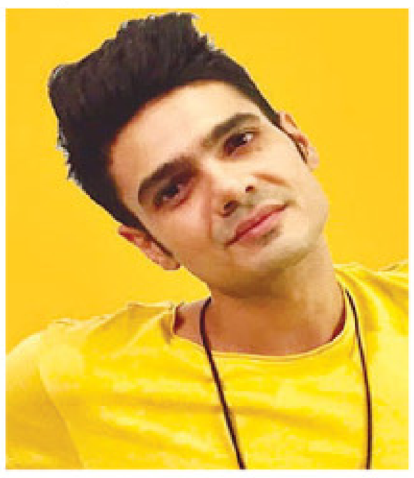

गुलाबी होंठों के लिए

एक चम्मच उबला हुआ चुकंदर, दो चम्मच दानेदार चीनी, एक चम्मच शहद, 4-5 कुटी हुई पुदीने की पत्तियां।

मैं यह नुस्खा आपके लिए इसलिए साझा कर रहा हूं क्योंकि यह बनाने में बहुत आसान है। इसके साथ ही यह नुस्खा बहुत प्रभावी भी है। इसके लिए बस आपको तीनों सामग्री का मिश्रण बनाने की जरूरत है, जो आसानी से आपके होंठों पर लग जाए। पुदिने की पत्तियां आपके हाथों में बमुश्किल ही आएंगी लेकिन आप इनका प्रयोग वास्तव में स्क्रब के रूप में कर सकते हैं।

डाई के रूप में काम करता है चुकंदर

चुकंदर प्राकृतिक डाई की तरह काम करता है। अगर आप गुलाबी होंठ चाहते हैं, तो आपको इसके परिणाम दो -तीन उपयोग में ही दिखाई दे जाएंगे। अगर धूम्रपान के कारण आपके होंठ काले हो गए हैं, तो आपको इसका प्रयोग से स्पष्ट अंतर दिखाई देगा। शुगर एक स्क्रब और एक्सफ़ोलीएटर की तरह काम करता है ताकि आपके होंठों पर चढ़ी गहरे रंग की परत को हटाकर उन्हें फिर से गुलाबी रंग दिया जा सके। शहद न केवल नमी बनाए रखता है बल्कि यह जीवाणुरोधी भी है, जो आपके होंठ स्वस्थ बनाए रखता है। मिंट मेन्थॉल के रूप में होता है, जो हल्की सी सनसनाहट छोड़ता। इससे आपका रक्त प्रवाह तेज हो जाता है, जिससे आपके होंठ अधिक गुलाबी हो जाते हैं। मैं आमतौर पर इसे बनाता हूं और लगभग एक सप्ताह के लिए रेफ्रिजरेटर में रखता हूं। इसे करीब 3 से 4 मिनट के लिए अपने होंठों पर स्क्रब करें और इसे धोने में भी परेशान नहीं होती। इसके परिणाम बहुत आश्चर्यजनक हैं। और तो और यह स्वादिष्ट भी लगता है।

महिलाओं में क्यों बढ़ रहा हार्ट अटैक का खतरा?

महिलाओं में हृदय रोगों के कारण और रोकथाम के उपाय

हाल ही में सामने आए आंकड़े बताते हैं कि महिलाओं की प्रत्येक तीन में से एक मृत्यु का कारण हृदय रोग है। अक्सर हृदय रोगों (Cardiovascular Disease) को पुरुष से जुड़ी बीमारी के तौर पर देखा जाता है। इस वजह से हृदय रोगों के लक्षणों को आमतौर पर महिलाओं द्वारा नजरअंदाज कर दिया जाता है। जबकि महिलाओं में भी इसकी जटिलताओं का विकास हो सकता है। इसलिए महिलाओं को भी अपने हृदय स्वास्थ्य (Heart Health) पर ध्यान केन्द्रित करने की आवश्यकता है।

एक प्रचलित मिथ है कि पूर्व-रजोनिवृत्त (Premenopausal) महिलाओं में एस्ट्रोजेन से सुरक्षा के कारण दिल के दौरे के विकास की संभावना कम होती है। हालांकि, क्लीनिकल अनुभव और रिसर्च बताते हैं कि हृदय रोग पुरुषों के समान ही महिलाओं को भी चपेट में लेते हैं। हार्ट अटैक की स्थिति में महिलाओं में गंभीर स्थिति बन जाती है और सर्वाइवल की संभावनाएं भी कम हो जाती हैं।

इस बारे में जानकारी देते हुए डॉक्टर समीर मेहरोत्रा ने बताया कि महिलाओं में हृदय रोग के लक्षण उनके, उनके परिवार या केयर करने वालों की ओर से या तो नजरअंदाज कर दिए जाते हैं या उनके द्वारा छोड़ दिए जाते हैं। ऐसा इसलिए क्योंकि जब महिलाओं के स्वास्थ्य का सवाल आता है तो ज्यादा ध्यान कैंसर, प्रजनन से जुड़ी समस्याओं और कमियों पर रहती है। महिलाओं में हृदय रोग के लक्षण भी पुरुषों की तुलना में भिन्न होते हैं, उनमें आमतौर पर चेस्ट पेन, जबड़ों में दर्द आदि महसूस नहीं होता। इस वजह से महिलाओं को समय पर परीक्षण और उपचार नहीं मिल पाता। यह आवश्यक है कि जागरूक कार्यक्रमों के माध्यम से महिलाओं में हृदय रोगों को प्रकाश में लाया जाए। साथ ही उन्हें स्वस्थ जीवनशैली के साथ ही नियमित रूप से हार्ट का स्वास्थ्य परीक्षण भी करवाना चाहिए।

हृदय रोगों के जोखिम कारक

डॉक्टर समीर के मुताबिक, महिलाओं में हृदय रोग के कुछ जोखिम कारक हैं- हाइपरटेंशन, डायबिटिज, मोटापा, असंयमित जीवनशैली, मेटाबॉलिक सिन्ड्रोम, हाई कोलेस्ट्रॉल, बीमारियों का पारिवारिक इतिहास और स्मोकिंग और अल्कोहल की लत आदि शामिल हैं। यह महत्वपूर्ण है कि बायीं ओर चेस्ट पेन या भारीपन, सांस लेने में परेशानी या थकान, पसीने के साथ बेचैनी एवं अचानक बने-घटने वाले ब्लड प्रेशर को नजरअंदाज नहीं किया जाए।

डॉक्टर समीर ने बताया ने बताया कि जरूरी संदेश यह है कि महिलाओं के हृदय स्वास्थ्य पर उतना ही ध्यान दिए जाने की आवश्यकता है, जितना पुरुषों के स्वास्थ्य पर। समय पर जीवनशैली में किए जाने वाले बदलाव और जरूरी कदम से जोखिम कारकों को टालते हुए समस्याओं से बचा जा सकता है। महिलाओं को हृदय रोगों के संकेतों और जोखिम के प्रति जागरूकता रखते हुए समय परीक्षण और नियमित चेकअप करवाते रहना चाहिए। इसमें संबंधित केस के आधार पर डॉक्टर के परामर्श से ईसीजी, स्ट्रेस इको, टीएमटी, ईको और सिटी एंजियो आदि शामिल है।

महिलाएं क्या करें और क्या नहीं

- हार्ट की समस्याओं से बचने के लिए महिलाओं को निम्नलिखित बातों पर ध्यान रखना चाहिए।
- नियमित हार्ट चेकअप को नजरअंदाज नहीं करें।
- प्रतिदिन कम से कम 30 मिनट व्यायाम करें।
- स्मोकिंग ना करें, स्मोकिंग करने वाली महिलाओं में हृदय रोगों का खतरा युवा उम्र में ही ब जाता है। यहां तक कि पैसिव स्मोकिंग भी खतरनाक है और इसका एक्सपोजर भी अवाइड किया जाना चाहिए।
- प्रतिदिन 30 एमएल से अधिक शराब का सेवन नहीं करें।
- स्वास्थ्यकर भोजन की आदतों पर ध्यान दें।
- बांई ओर छाती में दर्द या भारीपन होने, सांस लेने में परेशानी आने, थकान लगने, पसीने के साथ बैचेनी होने, घबराहट या अचानक ब्लड प्रेशर बने या घटने जैसी समस्याओं को नजरअंदाज नहीं करते हुए तुरंत डॉक्टर से परामर्श लें।

कब पड़ती है एंजियोग्राफी की जरूरत

कुछ प्रकरणों में आवश्यक होने पर डॉक्टर एंजियोग्राफी का परामर्श भी देते हैं। यदि एंजियोग्राफी से दिल में कोई समस्या सामने आती है तो इसका उपचार और प्रबंधन स्टेनिंग के साथ एंजियोप्लास्टी आदि से किया जाता है। एंजियोप्लास्टी का उपयोग ब्लड फ्लो को सामान्य करने के लिए किया जाता है। इस प्रक्रिया में एक लंबी, पतली ट्यूब (कैथेटर) आर्टरी के सिकुड़े हुए हिस्से में डाली जाती है। एक पतले तार की जाली (स्टंट) को एक गुब्बारे पर रखकर कैथेटर से सिकुड़ी हुई आर्टरी में डालकर गुब्बारे को फुलाया जाता है, यह संकुचित आर्टरी की दिवारों पर स्टंट को संकुचित आर्टरी में छोड़ देता है। ड्रग मिले हुए स्टंट दवाई छोड़ते हैं और संकुचित आर्टरी को ठीक करने की प्रक्रिया में मदद करते हैं।

सेहत

आर्मपिट (कांख) के दर्द को न करें नजरअंदाज

दर्द चाहे आपके शरीर के किसी भी पार्ट में हो, इसे नजरअंदाज करने की गलती कभी न करें। अक्सर जब लोगों के कांख या बगल में दर्द होता है तो उसे वो छोटा-मोटा दर्द समझकर इग्नोर कर देते हैं, जो आगे चलकर खतरनाक साबित हो सकता है। दरअसल आपके बगल या कांख में दर्द कई तरीके के स्वस्थ्य समस्याओं का संकेत हो सकता है। आपके बगल में दर्द हमेशा मांसपेशी को तनाव के कारण ही नहीं होता है इसके कई खतरनाक कारण भी होते हैं। यहां तक कि ये कोई इंफेक्शन और स्तन कैंसर जैसी गंभीर स्थितियों का भी संकेत हो सकता है। इसलिए कभी भी अपने बगल के दर्द को नजरअंदाज न करें। ऐसा क्यों ये हम आपको बताते हैं।

स्किन इंफेक्शन हो सकता है

अगर आपके बगल में दर्द हो रहा है तो हो सकता है कि आपके कांख का कोई बाल टूट गया हो या फिर कोई घाव हो गया हो। इस तरह स्किन इंफेक्शन भी बगल के दर्द का कारण हो सकता है। अपनी बाहों के नीचे शेविंग या वैक्सिंग आपकी त्वचा में इंफेक्शन का कारण हो सकती है। कुछ डिओडोरेंट या कपड़े धोने वाले डिटर्जेंट एक एलर्जी प्रतिक्रिया को ट्रिगर कर सकते हैं, जिसके कारण भी आपके बगल में घाव हो सकता है। चकत्ते, घाव और अन्य त्वचा की समस्याएं भी अधिक गंभीर स्वास्थ्य समस्याओं का परिणाम हो सकती हैं। उदाहरण के लिए, हिडेनडाईनाइटिस सपुराटिवा आपकी बाहों के नीचे मुंहासों की तरह दिखता है, लेकिन वास्तव में बहुत अधिक गंभीर समस्या है जो आगे चलकर एक प्रकार के स्किन कैंसर का कारण बन सकती है। इसके अलावा इससे ब्लीडिंग भी हो सकती है।

सूजन

ऐसे में आप ऐसी किसी भी गतिविधि से ब्रेक लें और मांसपेशियों को आराम देते हैं। आप दर्द और सूजन को कम करने के लिए बगल में बर्फ से सिकाई भी कर सकते हैं। अगर हफ्ते भर में ये दर्द ठीक न हों तो डॉक्टर से संपर्क करें। इस तरह आप बगल के किसी भी छोड़े-बड़े दर्द को अनदेखा न करें। साथ ही, जैसे ही आपको लगे कि शरीर में इसके साथ अन्य गड़बड़ियां भी महसूस हो रही हैं तो तुरंत डॉक्टर को दिखाएं।

ब्रेस्ट कैंसर

महिलाओं में ब्रेस्ट कैंसर भी बगल के दर्द का एक कारण हो सकती है। इस तरह के दर्द को लोग शुरुआती ब्रेस्ट कैंसर के लक्षण के रूप में भी देखते हैं। स्तन कैंसर तब होता है जब आपके स्तन में कोशिकाएं अनियंत्रित रूप से बढ़ने लगती हैं। वे आमतौर पर एक ट्यूमर बनाते हैं। इसलिए इसके शुरुआती फेज में आपके बगल के आसपास दर्द और सूजन हो सकता है। इसके अलावा आपके लिम्फ नोड्स में स्तन कैंसर का प्रसार भी ब्रेस्ट कैंसर का कारण हो सकता है। इसलिए जैसे ही आपको अपने बगल में सूजन या दर्द महसूस हो डॉक्टर को जरूर दिखाएं।

लिम्फ नोड्स में सूजन

आपका लिम्फेटिक सिस्टम पूरे शरीर में पाए जाने वाले नोड्स या ग्रंथियों का एक नेटवर्क है। लिम्फ एक तरल पदार्थ है जो संक्रमण से लड़ने में मदद करता है। शरीर के दोनों तरफ बगल के पास लिम्फ नोड्स की एकाग्रता होती है। अगर आप सर्दी या फ्लू है से पीड़ित हैं तो आपके लिम्फ नोड्स सूजन हो सकती है। इसके अलावा कई प्रकार की लिम्फेटिक सिस्टम से संबंधी स्थितियां भी, बगल में दर्द का कारण बन सकती हैं। उदाहरण के लिए, लिम्फेडेमा तब होता है जब लिम्फ नोड में रुकावट होती है और अंदर तरल पदार्थ का निर्माण होता है। तब आपके बगल में दर्दनाक सूजन हो सकती है। लिम्फेडेमा के इलाज में इन लिम्फ नोड्स को भी हटाना पड़ सकता है। एक अन्य स्थिति, लिम्फैडेनोपैथी भी लिम्फ नोड्स के विस्तार का कारण बनती है। यह लिम्फेटिक सिस्टम में एक इंफेक्शन के कारण होता है, जिसे लिम्फैडेनाइटिस कहा जाता है।

मांसपेशियों में तनाव

आपकी कांख और आसपास की छाती और बांह का क्षेत्र ब्लड वैस्लस, नसों और मांसपेशियों से बना होता है। आपके शरीर की अन्य मांसपेशियों की तरह जब इस पर किसी भी प्रकार का जोड़ पड़ता है ये मांसपेशियों में तनाव पैदा हो जाता है। मांसपेशियों में खिंचाव के लक्षण इस बात पर निर्भर करते हैं कि तनाव कितना गंभीर है।

टाईम पास

आज का राशिफल

मेष (चू चे चो ला ली लू ले लो आ): खान-पान में सावधानी रखें। कामकाज में आ रहा अवरोध दूर होकर प्रगति का रास्ता मिल जाएगा। मान-सम्मान में वृद्धि होगी। अच्छे कार्य के लिए रास्ते बना लेंगे। अपने हित के काम सुबह-सबेरे ही निपटा लें। आगे से रुपए पैसों की सुविधा नहीं मिल पाएगी। कामकाज सीमित तौर पर ही बनें। शुभांक-3-6-9

वृष (इ उ ए ओ वा वी वू वे वो): प्रतिष्ठा बढ़ाने वाले कुछ सामाजिक कार्य संपन्न होंगे। कई प्रकार के हर्ष उल्लास के बीच मांगलिक कार्य सम्पन्न होंगे। आमोद-प्रमोद का दिन होगा और व्यावसायिक प्रगति भी होगी। स्वास्थ्य और जीवन स्तर में सुधार की अपेक्षा रहेगी। ज्ञान-विज्ञान की वृद्धि होगी और सज्जनों का साथ रहेगा। शुभांक-3-5-7

मिथुन (का की कू घ ङ छ के को हा): कुछ कार्य भी सिद्ध होंगे। व्यर्थ की भाग-दौड़ से यदि बचे तो अच्छा है। प्रियजनों से समागम का अवसर मिलेगा। अवरुद्ध कार्य संपन्न हो जाएंगे। दिमाग में निर्मूल तर्क-कुतर्क पैदा होंगे। महत्वपूर्ण कार्य को समय पर बना लें तो अच्छा ही होगा। संतान की उन्नति के योग हैं। शुभांक-4-6-7

कर्क (ही हू हे हो डा डी डू डे डो): आशा और उत्साह के कारण सक्रियता बढ़ेगी। आगे बढ़ने के अवसर लाभकारी सिद्ध हो रहे हैं। कोई प्रिय वस्तु अथवा नवीन वस्त्राभूषण प्राप्त होंगे। सभा-गोष्ठियों में मान-सम्मान बढ़ेगा। धार्मिक आस्थाएं फलीभूत होंगी। कामकाज में आ रहा अवरोध दूर होकर प्रगति का रास्ता मिल जाएगा। शुभांक-2-5-6

सिंह (मा मी मू मे मो टा टी टू टे): शिक्षा में आशानुकूल कार्य होने में संदेह है। व्यापार व व्यवसाय में स्थिति उत्तम रहेगी। नौकरी में पदोन्नति की संभावना है। मित्रों से सावधानी रखें तो ज्यादा उत्तम है। शारीरिक सुख के लिए व्यसनों का त्याग करें। पठन-पाठन में स्थिति कमजोर रहेगी। दैनिक सुख-सुविधा में वृद्धि होगी। शुभांक-2-5-7

कन्या (टो पा पी पू ष ण ठ पे पो): सुख-आनंद कारक समय है। लाभदायक कार्यों की चेष्टाएं प्रबल होंगी। सक्रियता से अल्प लाभ का हर्ष होगा। कुछ महत्वपूर्ण कार्य के लिए भाग-दौड़ रहेगी। सुखद समय की अनुभूतियां प्रबल होंगी। व्ययाधिक्य का अवसर आ सकता है। आपसी प्रेम-भाव में बढ़ोतरी होगी। शुभांक-3-6-7

तुला (रा री रु रे रो ता ती तू ते): शुभ कार्यों का लाभदायक परिणाम होगा। कामकाज की अधिकता रहेगी। लाभ भी होगा और पुराने मित्रों से समागम होगा। व्यवसायिक अभ्युदय भी होगा और प्रसन्नताएं भी बढ़ेगी। कामकाज की व्यस्तता से सुख-आराम प्रभावित होगा। धर्म-कर्म के प्रति रुचि जागृत होगी। शुभांक-5-7-9

वृश्चिक (तो ना नी नू ने नो य यी यू): समाज में मान-सम्मान बढ़ेगा। आय-व्यय की स्थिति समान रहेगी। व्यापार व व्यवसाय में ध्यान देने से सफलता मिलेगी। मेल-मिलाप से काम बनाने की कोशिश सफल होगी। कामकाज में आ रहा अवरोध दूर होकर प्रगति का रास्ता मिल जाएगा। अपने काम में सुविधा मिल जाने से प्रगति होगी। शुभांक-3-6-7

धनु (ये यो भा भी भू धा फा ढा भे): नवीन जिम्मेदारी बढ़ने के आसार रहेंगे। सुविधाओं में शनैः-शनैः बाधा आएगी। अपने काम को प्राथमिकता से करें। कारोबारी काम में बाधा उभरने से मानसिक अशांति बनी रहेगी। समाज में मान-सम्मान बढ़ेगा। यात्रा का दूरगामी परिणाम मिल जाएगा। कामकाज में आ रही बाधा को दूर कर लेंगे। शुभांक-3-5-6

मकर (भो जा जी खी खू खे खो गा गी): सुविधा और समन्वय बना रहने से कामकाज में प्रगति बन जाएगी। आर्थिक हित के काम को साधने में मदद मिल जाएगी। यात्रा शुभ रहेगी। अपने काम पर पैनी नजर रखिए। विरोधी नुकसान पहुंचाने की कोशिश करेगा। स्वास्थ्य लाभ में समय और धन व्यय होगा। परिवार में अशांति रहेगी। शुभांक-1-4-5

कुंभ (गू गे गो सा सी सू से सो दा): समय पक्ष का बना रहेगा। कारोबारी काम में प्रगति बनती रहेगी। लेन-देन में आ रही बाधा दूर करने के प्रयास सफल होंगे। परिश्रम प्रयास से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। पर प्रपंच में ना पड़कर अपने काम पर ध्यान दीजिए। कारोबारी काम में नवीन तालमेल और समन्वय बन जाएगा। शुभांक-2-5-7

मीन (दी दू थ झ ञ दे दो चा ची): यार-दोस्तों के साथ साझे में किए जा रहे काम में लाभ मिल जाएगा। पूर्व नियोजित कार्यक्रम सरलता से संपन्न हो जाएंगे। जोखिम से दूर रहना ही बुद्धिमानी होगी। यश-प्रतिष्ठा में वृद्धि व शिक्षा में परेशानी आ सकती है। स्वास्थ्य का विशेष ध्यान रखें। व्यापार में वृद्धि होगी। शुभांक-2-4-6

काकूरो पहेली -2655

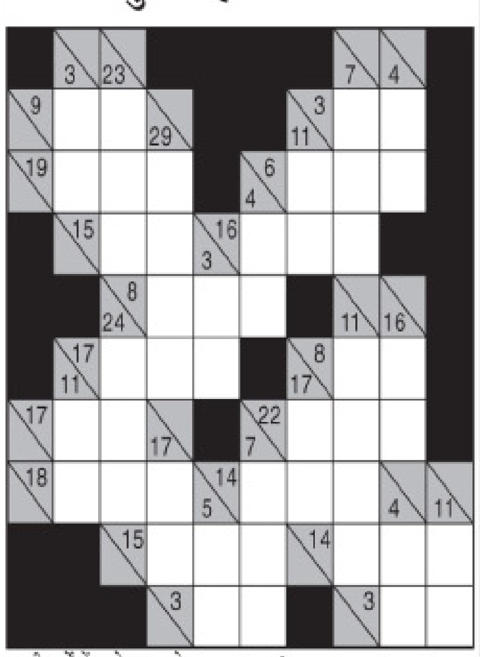

खाली वर्गों में 1 से 9 तक के अंक लिखकर नीचे से ऊपर व दाएं से बाएं की जोड़ हल्के रंग के आधे वर्ग की संख्या से मेल खानी चाहिए. किसी भी अंक का उस जोड़ में पुनः उपयोग नहीं किया जा सकता.

उदाहरणतः

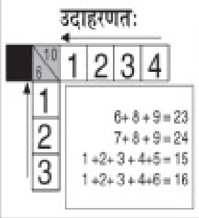

6+8+9=23
7+8+9=24
1+2+3+4+5=15
1+2+3+4+6=16

काकुरो - 2654 का हल

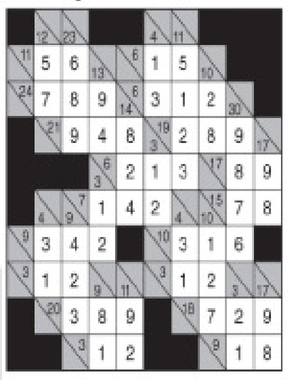

हंसी के फूव्वारें

सेकेंड क्लास के डिब्बे में बहुत ज्यादा भीड़ थी. एक यात्री ने उसमें चढ़ने की कोशिश की . तभी अन्दर से किसी ने कहा- 'इधर जगह नहीं है कोई दूसरा कम्पार्टमेंट देखिए !'

'अरे भई! मुझे तो सिर्फ खड़े रहने भर के लिए स्थान चाहिए.' बाहर वाले ने कहा.

'तो फिर प्लेटफार्म पर ही आराम से खड़े रहिए न. अन्दर आकर हमको क्यों तंग करते हो ?' अन्दर से तुरन्त आवाज आई.

□ □ □

सुरेश को गम्भीर सोच में डूबे देखकर उसके मित्र नरेश ने पूछा- 'क्यों भई,इतनी गहराई से क्या सोच रहे हो ?'

'बेटे के कारण मैं बहुत परेशानी में हुं . कुछ समझ में नहीं आता कि क्या करूँ ? मैं चाहता हूँ कि वह जज बने. बेटे की मां चाहती है कि वह प्रोफेसर बने और बेटा डाक्टर बनने की जिद किये बैठा है.'

'तुम्हारे लड़के की उम्र कितनी है?' नरेश ने जिज्ञासावश पूछा.

'चार साल !' सुरेश ने बताया.

इसपर नरेश ने अपना माथा पीट लिया.

□ □ □

शालिनी - मेरे पिताजी का साहित्य में गहरा योगदान है.

रीतू -क्या वे बहुत बड़े लेखक हैं?

शालिनी ने कहा- नहीं, वे किताबों की जिल्दसाजी करते हैं.

फिल्म वर्ग पहेली- 2655

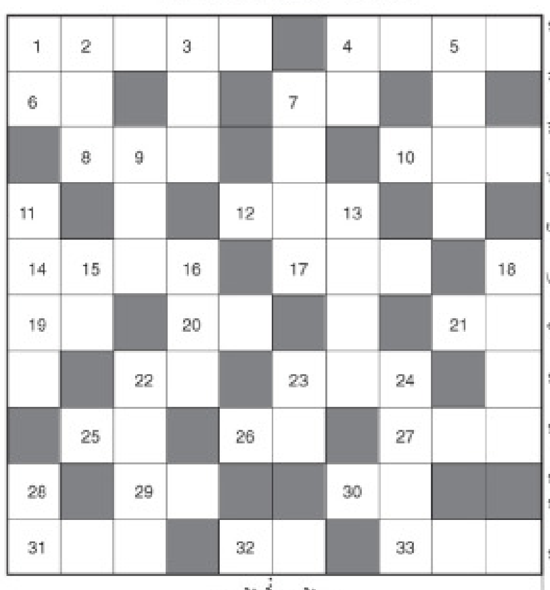

बायें से दायें:-

१. 'ये जीवन है इस जीवन का यही है' गीत वाली फिल्म-२,१,२
४. राकेश रोशन, शत्रुघ्न सिन्हा, रीनाराय, रंजीता की फिल्म-४
६. फिल्म 'साया' में जॉन अब्राहम के साथ नायिका कौन थी-२
७. 'ऐसा कोई जिंदगी में' गीत वाली फिल्म-२
८. राजकिरण, जावेद खान की फिल्म-३
१०. 'है ना बोलो' गीत वाली फिल्म-३
१२. सुनीलदत्त, निम्मी की फिल्म-३
१४. 'देख सकता हूँ मैं कुछ' गीत वाली फिल्म-४
१७. अश्मित पटेल, मीरा की फिल्म-३
१९. 'आई जो तेरी याद' गीत वाली फिल्म-२
२०. फिल्म 'तक्षक' में अजय देवगन के साथ नायिका कौन थी-२
२१. शाहरूख, प्रियंका की 'ये मेरा दिल यार का दीवाना' गीतवाली फिल्म-२
२२. अक्षयकुमार, सुनील शेट्टी, जैकी, शत्रुघ्न, रवीना, लारा की फिल्म-२
२३. धर्मेन्द्र, जीतेंद्र, हेमा की फिल्म-३
२५. 'मैं नये जमाने की' गीत वाली अजय देवगन, रवीना की फिल्म-२
२६. फिरोज, संजय, मुमताज की 'गोरी के हाथ में' गीत वाली फिल्म-२
२७. 'झोंपडी में चारपाई' गीत वाली जीतेंद्र, श्रीदेवी की फिल्म-३
२९. राजकपूर (डबल रोल), नर्गिस की 'आ जाने बहार' गीतवाली फिल्म-२
३०. 'फूल मांगूं ना बहार मांगूं' गीत वाली फिल्म-२
३१. कमल हासन, सनी, डिम्पल की फिल्म-३
३२. फिल्म 'तपस्या' की नायिका ?-२
३३. अभिनेत्री 'मनीषा कोइराला' किस देश की रहने वाली है-३

ऊपर से नीचे:-

१. 'नदिया किनारे आओ' गीत वाली संजय दत्त, आफ्ताभ, नंदिता दास की फिल्म-२
२. अमिताभ, अमजद, नीतूसिंह की 'सारा जमाना हसीनों का' गीत वाली फिल्म-३
३. 'दो दिवाने शहर में' गीत वाली अमोल पालेकर, जरीना वहाब की फिल्म-३
४. नसीरूद्दीनशाह, जैकी श्रॉफ, नगमा की 'मैं प्यासी नदिया' गीत वाली फिल्म-२
५. 'लिखे जो खत तुझे वो तेरी' गीत वाली शशिकपूर, आशा पारेख की फिल्म-४
७. मनोजकुमार, आशा पारेख की 'लो आ गई उन की याद' गीत वाली फिल्म-१,३
९. 'दो नैनों में आँसू भरे हैं' गीत वाली जीतेंद्र, हेमा, शर्मिला की फिल्म-३
११. जॉय मुखर्जी, माला, शर्मिलाकी 'वो हसीन दर्द देदो' गीत वाली फिल्म-४
१३. 'इस से पहले कि याद तू आए' गीत वाली राजेश खन्ना, श्रीदेवी की फिल्म-४
१५. 'परिचय' में जीतेंद्र की नायिका ?-२
१६. करण दीवान, स्वर्णलता की 'जब तुम ही चले परदेस' गीत वाली फिल्म-३
१८. 'तन मन धन सब है' गीत वाली संजीवकुमार, लीना की फिल्म-४
२२. गुरूदत्त, शकीला, श्यामा की 'बाबू जी धीरे चलना' गीत वाली फिल्म-२,२
२३. रेखा, दिलीपकुमार, ममता की फिल्म-२
२४. शाहरूख, विवेक मुशरान, जूही की 'अपुन की लाइफ' गीत वाली फिल्म-४
२८. 'तेरे प्यार का' गीत वाली आफताब शिवदासनी, युक्ता मुखी की फिल्म-२

फिल्म वर्ग पहेली- 2654

सूडोकु -2655

			1					6
7		2		5				9
		4			2	7	5	
5	7				9		1	8
				6				
6	1		3				2	4
	5	1	9			8		
2				8		9		1
9					3			

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते.
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु -2654 का हल

1	9	3	2	4	6	5	8	7
4	7	2	5	1	8	3	6	9
6	5	8	7	3	9	1	2	4
3	8	9	4	5	1	2	7	6
2	4	7	6	9	3	8	1	5
5	1	6	8	7	2	4	9	3
8	2	4	9	6	5	7	3	1
7	6	1	3	2	4	9	5	8
9	3	5	1	8	7	6	4	2

शब्द पहेली - 2655

बाएँ से दाएँ

1. चिकित्सा,इलाज-4
5. पैतृक संपत्ति-4
8. बलवा,क्रांति-3
9. निम्न-2
11. सुअर,शूकर-3
12. चौबीसवें तीर्थंकर-4
14. केश-2
15. मुनाफा,अर्जित-3
17. मैदे की रोटी-2
19. मनोहर,आकर्षक-5
22. अनासक्ति,निर्विकारता-5
25. पानी,नीर-2
26. सूखा,दुष्काल-3
27. कांटा,कंटक-2
28. शांति,ध्वनिहीनता-4
30. तीक्ष्ण,तेजस्वी-3
31. लाख,गोंद-2
33. मधुक,महुआ-3
35. हृदयगति,स्पंदन-4
36. अनुक्रम,निरंतरता लयबद्ध-4

ऊपर से नीचे

2. पंख,पराया-2
3. राम का एक नाम-4
4. संरक्षक,देखरेख करने वाला,मुहाफिज-5
5. वियोग,जुदाई-3
6. गलत का विलोम-2
7. एकांतता,अकेलापन-4
10. मरियल,निर्बल-4
13. 'क्योंकि सास भी कभी बहु थी' में तुलसी इस परिवार की बहु है-3
16. मक्खन-3
17. रिश्ता-2
18. लाश-3
20. माला का मोती-3
21. यमराज-2
22. ललाट-2
23. ताप वर्धक-3
24. विदिर्ण-2.2
25. पानी का बहना-5
26. जुर्म,गुनाह-4
28. रसहीनता-4
29. प्रणाम,नमस्कार-3
32. लड़ी,श्रृंखला-2
34. दोस्त,सखा-2

शब्द पहेली -2654 का हल

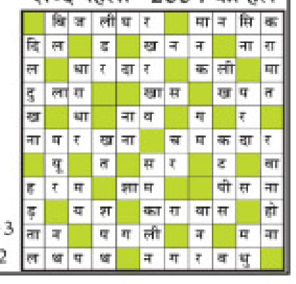

तृणमूल ने की प्रधानमंत्री मोदी से अदाणी मुद्दे पर बयान की मांग

एजेंसी

कोलकाता। तृणमूल कांग्रेस ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से अरबपति गौतम अदाणी के खिलाफ अमेरिका में लगे कथित रिश्वत और धोखाधड़ी के आरोपों पर बयान देने की मांग की है। अमेरिकी अभियोजकों ने अदाणी पर आरोप लगाया है कि उन्होंने सोलर पावर अनुबंधों में लाभकारी शर्तें हासिल करने के लिए भारतीय अधिकारियों को लगभग 2,200 करोड़ रुपये (265 मिलियन डॉलर) की रिश्वत दी। अदाणी, जो भारत के दूसरे सबसे अमीर व्यक्ति हैं, और उनके भतीजे सागर समेत सात अन्य लोगों पर आंध्र प्रदेश और ओडिशा राज्य सरकारों के अज्ञात अधिकारियों को महंगे सोलर पावर खरीदने के लिए रिश्वत देने का आरोप है। इस सौदे से अदाणी समूह को 20 वर्षों में दो बिलियन डॉलर से अधिक का लाभ होने की संभावना जताई गई है। तृणमूल के प्रदेश महासचिव कुणाल घोष ने कहा, पहले भी इस समूह के खिलाफ अनियमितताओं की रिपोर्ट्स आ चुकी हैं। अब अमेरिकी अभियोजकों द्वारा लगाए गए ये आरोप गंभीर हैं। मुझे लगता है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को इस मुद्दे पर अपना पक्ष रखना चाहिए। अमेरिकी कानून विदेशी भ्रष्टाचार के आरोपों की जांच की अनुमति देता है यदि उनका अमेरिकी निवेशकों या बाजारों से कोई संबंध हो। वहीं, अदाणी समूह ने इस पर अभी तक कोई प्रतिक्रिया नहीं दी है।

ओडिशा-छत्तीसगढ़ सीमा पर मुठभेड़ में एक नक्सली ढेर, एक जवान भी घायल

भुवनेश्वर। ओडिशा-छत्तीसगढ़ सीमा पर मलकानगिरी जिले के एमवी-79 थानाक्षेत्र के जिनेलगुडा के पास सुरक्षाबलों और नक्सलियों के बीच मुठभेड़ सुबह हुई। इस गोलीबारी में एक नक्सली मारा गया जबकि जिला स्वैच्छिक बल का एक कमांडो घायल हुआ है। घायल जवान को मलकानगिरी जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां उनका इलाज जारी है। ओडिशा पुलिस के महानिदेशक वाई.बी. खुरानिया ने इसकी पुष्टि करते हुए बताया कि यह मुठभेड़ क्षेत्र में चल रहे एक सर्च ऑपरेशन के दौरान हुई। घटनास्थल से एक शव बरामद किया गया। साथी एक 3नाट3 राइफल, एक कंट्री-मेड राइफल, 26 विभिन्न प्रकार के बैग और अन्य सामग्री भी मिली है। ऑपरेशन अब भी जारी है। मारे गए नक्सली की पहचान अभी तक नहीं हो पायी है। अधिकारी शिनाख्तगी में लगे हैं। डीजीपी खुरानिया ने यह भी बताया कि ओडिशा, छत्तीसगढ़ और आंध्र प्रदेश की सीमाओं पर राज्य के पुलिस बलों तथा केन्द्रीय एजेंसियों के बीच लगातार खुफिया जानकारी का आदान-प्रदान हो रहा है। ये अभियान उन क्षेत्रों पर केंद्रित हैं जहां नक्सलियों के घुसने की आशंका है। बताया गया कि आज राज्यभर में तीन स्थानों पर ऑपरेशन चलाए जा रहे हैं और मलकानगिरी में हुई मुठभेड़ को एक महत्वपूर्ण उपलब्धि माना जा रहा है। वहीं, जब डीजीपी से नक्सलियों की संख्या के बारे में पूछा गया, तो उन्होंने कहा कि ऑपरेशन अभी जारी है और पूरी जानकारी ऑपरेशन टीम के लौटने के बाद दी जाएगी।

आंध्र प्रदेश विधानसभा में कुरनूल में हाई कोर्ट की खंडपीठ स्थापित करने का प्रस्ताव पारित

अमरावती। राज्य सरकार ने कुरनूल में हाई कोर्ट की एक पीठ स्थापित करने का महत्वपूर्ण निर्णय लिया है। इस आशय का प्रस्ताव विधानसभा में पेश किया गया, जिसे सर्वसम्मति से पारित कर दिया गया। राज्य के विधि एवं न्याय मंत्री एनएमडी फारूक ने सदन में कुरनूल में हाई कोर्ट की पीठ स्थापित करने प्रस्ताव पेश किया, जिसे विधानसभा अध्यक्ष सी. अय्यन्नापत्रुडू ने सर्वसम्मति के बाद पारित होने की घोषणा की। इससे पहले विधानसभा में कुरनूल में हाई कोर्ट बेंच के गठन के प्रस्ताव पर चर्चा के दौरान मुख्यमंत्री चंद्रबाबू नायडू ने कहा कि कुरनूल में जल्द ही आंध्र प्रदेश हाई कोर्ट की बेंच बनाई जाएगी। उन्होंने कहा कि सरकार रायलसीमा शहर में स्थित लोकायुक्त, राज्य मानवाधिकार आयोग और इसी तरह के अन्य न्यायाधिकरणों को बरकरार रखेगी। मुख्यमंत्री नायडू ने कहा कि राज्य की कानून सचिव वी. सुनीता ने पिछले महीने की 28 तारीख को हाई कोर्ट के रजिस्ट्रार जनरल को एक पत्र लिखा था। इस पत्र में राज्य सरकार के कानून विभाग के सचिव ने हाई कोर्ट से कुरनूल में हाई कोर्ट बेंच के गठन पर राय मांगी थी। मुख्यमंत्री ने कहा कि पीठ के गठन के संबंध में आगे कदम उठाने के लिए मामले को केंद्र सरकार के ध्यान में लाया जा सकता है।

पं. धीरेन्द्र शास्त्री की सनातन जागरण के लिए पदयात्रा शुरू, मप्र के मुख्यमंत्री ने दी शुभकामनाएं

छतरपुर। मध्य प्रदेश के बागेश्वर धाम के पीठाधीश्वर पंडित धीरेन्द्र कृष्ण शास्त्री ने सनातन के जागरण, हिन्दुओं के बीच जाति भेदभाव, छुआछूत, अगड़े और पिछड़े का फर्क मिटाने के लिए अपने धाम से नौ दिवसीय पदयात्रा शुरू की। इस यात्रा में बड़ी संख्या में लोग शामिल हो रहे हैं। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने पं. धीरेंद्र कृष्ण शास्त्री की आध्यात्मिक पदयात्रा के लिए उन्हें बधाई और शुभकामनाएं दी हैं। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने सोशल मीडिया के माध्यम से कहा कि स्पष्टवादिता पं. धीरेंद्र कृष्ण शास्त्री की विशेषता है। वे सनातन संस्कृति के उत्थान के उद्देश्य से यात्रा पर निकले हैं। प्रसन्नता का विषय है कि पदयात्रा के माध्यम से क्षेत्र में जन-जन को उनका मार्गदर्शन और आशीर्वाद प्राप्त होगा। बालाजी मंदिर बागेश्वर धाम से आज बागेश्वर धाम के जयकारे और सनातन एकता, हिंदू एकता का उद्घोष कर पंडित धीरेन्द्र शास्त्री की पदयात्रा का शुभारंभ हुआ। इस पदयात्रा में देश के कई प्रमुख पीठाधीश्वर, साधु-संत, महात्मा और गणमान्य शामिल होंगे।

झारखंड में आयेगा आश्चर्यजनक परिणाम, बनेगी एनडीए की सरकार : शिवराज सिंह चौहान

एजेंसी

रांची। केंद्रीय कृषि मंत्री एवं झारखंड भाजपा के चुनाव प्रभारी शिवराज सिंह चौहान ने कार्यकर्ताओं से प्रदेश कार्यालय में मुलाकात की। इस मौके पर उन्होंने प्रदेश में एनडीए की सरकार बनने का दावा किया है। उन्होंने कहा कि झारखंड से मैं बहुत सी मीठी स्मृतियां लेकर जा रहा हूं। ये अद्भुत प्रदेश के साथ संसाधनों से भरपूर है। यहां की भूमि ऊपजाऊ है। यहां के लोग काफी मेहनतकश हैं। यहां की भली और भोली जनता अद्भुत स्नेह और प्यार देती है। इस प्रदेश से मैं व्यक्तिगत रूप से जुड़ गया हूं। केंद्रीय मंत्री ने आगे कहा कि संसाधनों से भरपूर यहां खनिज संपदा, वन संपदा, जल संपदा, यहां के परिश्रमी लोग, उपजाऊ भूमि, इतना कुछ है कि झारखंड सचमुच में विकास और प्रगति के नए आयाम छू सकता है। मुझे विश्वास है कि

झारखंड में अब बीजेपी-एनडीए की सरकार बनेगी और संसाधनों का बेहतर उपयोग करके एक समृद्ध, विकसित, सशक्त और घुसपैठिया मुक्त राज्य झारखंड बनेगा। मैं झारखंड की जनता, यहां के कार्यकर्ताओं का आभारी हूं उनका अद्भुत स्नेह और प्यार मिला है। उन्होंने कहा कि मन में ये ही भाव है कि प्रधानमंत्री के नेतृत्व में और मार्गदर्शन में झारखंड बढ़े और प्रगति करे। ये अमीर धरती है, यहां से गरीबी को पूरी तरह से खत्म किया जा सकता है। मैं व्यक्तिगत रूप से अंतरआत्मा से झारखंड से जुड़ गया हूं। कृषि मंत्रालय और ग्रामीण विकास मंत्रालय के माध्यम से भी झारखंड की जनता की जो सेवा हो सकेगी, वो करने का प्रयत्न करेंगे। इस अद्भुत प्रेम के लिए जनता को बारम्बार प्रणाम।

एग्जिट पोल के आंकड़ों पर झारखंड भाजपा के चुनाव प्रभारी शिवराज सिंह चौहान ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी के प्रति जनता का श्रद्धा व विश्वास है। जनता को पता है कि बीजेपी की सरकार ही उनके हित के लिए काम कर सकती है, इसलिए जनता ने बीजेपी को वोट दिया, एनडीए का साथ दिया। उन्होंने अंत में कहा कि एनडीए को शानदार बहुमत को मिलेगा। इसके बाद चौहान दिल्ली के लिए रवाना हो गए।

स्व. पवन भदौरिया पर प्रदेशवासियों को गर्व है : मुख्यमंत्री

एजेंसी

भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि अपनी जान की परवाह न करते हुए साहस के साथ नक्सलियों से मुकाबला करते हुए शहादत को प्राप्त स्व. पवन भदौरिया पर प्रदेशवासियों को गर्व है। शहीद परिवार के साथ शासन साथ खड़ा है। राज्य शासन शहीद परिवार की सहायता के लिए सदैव तत्पर है।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव शहीद जवान के परिजन को संबोधित कर रहे थे। दरअसल, सीआरपीएफ के शहीद जवान स्व. पवन भदौरिया के परिजन रात भोपाल पहुंचकर मुख्यमंत्री निवास कार्यालय समत्व भवन में मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव से सौजन्य भेंट की। मुख्यमंत्री ने जवान शहीद स्व. पवन कुमार भदौरिया के परिजन को एक करोड़ रुपये की सहायता राशि का चेक भेंट किया। राष्ट्रपति द्वारा वीरतापूर्ण कार्य के लिए जवान स्व. भदौरिया को मरणोपरांत शौर्य चक्र

प्रदान किया गया है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने मध्य प्रदेश के भिंड जिले के निवासी शहीद स्व. पवन भदौरिया के परिजन को प्रावधान के अनुसार एक करोड़ रुपये की राशि का चेक भेंट किया। इस अवसर पर नवीन एवं नवकरणीय ऊर्जा मंत्री राकेश शुक्ला भी उपस्थित थे।

राष्ट्रपति ने उत्कल केशरी डॉ. हरेकृष्ण महताब की 125वीं जयंती समारोह का किया उद्घाटन

एजेंसी

नई दिल्ली। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने नई दिल्ली में उत्कल केशरी डॉ हरेकृष्ण महताब की 125वीं जयंती समारोह का उद्घाटन किया। इस अवसर पर राष्ट्रपति ने अपने संबोधन में कहा कि डॉ. हरेकृष्ण महताब एक दूरदर्शी नेता थे। उनका मानना था कि केवल शारीरिक विकास ही पर्याप्त नहीं है बल्कि सांस्कृतिक जागरूकता भी जरूरी है। डॉ. महताब प्रख्यात लेखक थे। खुद लिखने के साथ-साथ उन्होंने ओडिशा में एक स्वस्थ, सांस्कृतिक वातावरण बनाया। उन्होंने ओडिशा में कला, साहित्य और संगीत को बढ़ावा देने में बहुत योगदान दिया।

राष्ट्रपति ने कहा कि डॉ. हरेकृष्ण महताब के ओडिशा के मुख्यमंत्री के रूप में कार्यकाल के दौरान कई महत्वपूर्ण विकास कार्य हुए। उन्होंने महानदी पर बहुउद्देश्यीय बांध परियोजनाओं के निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। हीराकुंड और अन्य परियोजनाओं के कारण, ओडिशा बिजली उत्पादन के क्षेत्र में एक अग्रणी राज्य बन गया। ओडिशा विधानसभा, राज्य सचिवालय, राज्य संग्रहालय, विभिन्न अकादमियों और नंदनकानन चिड़ियाघर की स्थापना

में भी उनका महत्वपूर्ण योगदान है। उन्होंने खेलों के विकास को भी उचित महत्व दिया। उनके मार्गदर्शन में कटक में बाराबती स्टेडियम बनाया गया था। तत्कालीन बॉम्बे प्रांत के राज्यपाल के रूप में अपने कार्यकाल के दौरान, उन्होंने कई लोक कल्याणकारी कार्य किए और उस विशाल अविभाजित बॉम्बे प्रांत के लोगों का सम्मान अर्जित किया।

राष्ट्रपति ने कहा कि डॉ. हरेकृष्ण महताब देशभक्ति को देश के विकास का आधार मानते थे। उन्होंने अपने बयानों और लेखन के माध्यम से राष्ट्रवादी विचारों के साथ नागरिकों को प्रेरित किया। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि उनका नेतृत्व कौशल और राष्ट्रवादी विचार हमेशा हमारे लिए प्रेरणा का स्रोत बने रहेंगे।

रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह अमेरिकी समकक्ष से मिले, जेट इंजन पर बढ़ेगी बात

एजेंसी

नई दिल्ली। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने लाओ पीडीआर के वियनतियाने में 11वीं आसियान रक्षा मंत्रियों की बैठक (एडीएमएम)-प्लस के दौरान अमेरिकी रक्षा सचिव लॉयड जे ऑस्टिन से मुलाकात की। दोनों नेताओं ने परिचालन समन्वय, सूचना-साझाकरण और औद्योगिक नवाचार में वृद्धि के आधार पर भारत-अमेरिका रक्षा साझेदारी से हासिल की गई प्रगति की सराहना की। दोनों पक्षों ने जेट इंजन, युद्ध सामग्री और ग्राउंड मोबिलिटी सिस्टम के लिए प्राथमिकता वाले सह-उत्पादन व्यवस्था को आगे बढ़ाने के लिए चल रहे सहयोग सहित अमेरिका-भारत रक्षा औद्योगिक सहयोग रोडमैप के तहत की गई उल्लेखनीय प्रगति को मान्यता दी। बैठक में राजनाथ सिंह ने अगस्त 2024 में अमेरिका की अपनी हाल की सफल यात्रा को याद किया, जिसमें दो महत्वपूर्ण दस्तावेज़ों, आपूर्ति सुरक्षा समझौता (एसओएसए) और संपर्क अधिकारियों की तैनाती के बारे में समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर हुए थे। दोनों पक्षों ने स्वतंत्र और मुक्त हिंद-प्रशांत को बनाए रखने के लिए सैन्य साझेदारी और अंतर-संचालन को सुदृढ़ करने के लिए चल रहे प्रयासों का स्वागत किया। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी

की उपस्थिति में 21 सितंबर, 2024 को आयोजित सफल क्वाड शिखर सम्मेलन की ओर ध्यान आकर्षित करते हुए राजनाथ सिंह ने दोनों पक्षों को सहमत परिणामों पर एक साथ काम करने की आवश्यकता पर बल दिया। दोनों पक्षों ने भारत-अमेरिका रक्षा त्वरण इको-सिस्टम द्वारा बढ़ावा दिए गए दोनों सरकारों, व्यवसायों और शैक्षणिक संस्थानों के बीच बढ़ते रक्षा नवाचार सहयोग के समर्थन की पुष्टि की ताकि उन्हें अधिक संयुक्त चुनौतियां, वित्त पोषण के अवसर और दृश्यता प्रदान की जा सके। दोनों पक्षों ने रणनीतिक हितों के लिए बढ़ते अभिसरण और भारत-अमेरिका रक्षा सहयोग को बढ़ाने के माध्यम से पिछले ढाई वर्षों में हासिल की गई गति को जारी रखने पर सहमति व्यक्त की। रक्षा मंत्री ने भारत-अमेरिका रक्षा साझेदारी को सुदृढ़ और विस्तारित करने के लिए उनके समृद्ध और स्थायी योगदान के लिए अमेरिकी रक्षा सचिव ऑस्टिन के प्रति आभार व्यक्त किया।

राष्ट्र की एकात्मकता का दर्शन कराता हैं अभाविप का यह राष्ट्रीय अधिवेशन : चंपत राय

एजेंसी

गोरखपुर। अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद के 70वें राष्ट्रीय अधिवेशन में राष्ट्रसंत महंत अवैद्यनाथ के नाम पर भव्य प्रदर्शनी का उद्घाटन श्री राम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र के महामंत्री चंपत राय एवं दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय की कुलपति प्रो. पूनम टंडन ने किया। इस अवसर पर चंपत राय ने कहा कि अभाविप का यह राष्ट्रीय अधिवेशन राष्ट्र की एकात्मकता का दर्शन कराता है। जहां संपूर्ण विश्व मात्र अपने अधिकारों की ही चर्चा करते हुए संघर्ष कर रहा है, वहां विद्यार्थी परिषद देश के विभिन्न शिक्षण परिसरों में युवाओं के बीच कर्तव्यभाव जागरण का कार्य करती है। भारत के युवाओं ने देश को महत्वपूर्ण दिशा दी है। स्वामी विवेकानंद, देवी अहिल्याबाई होलकर, दीनदयाल उपाध्याय ने युवावस्था में समाज जागरण का जो

कार्य किया है वह अनुकरणीय है।

चंपत राय ने कहा महर्षि अवैद्यनाथ के साथ मुझे कार्य करने का सौभाग्य प्राप्त हुआ है, राष्ट्र एकात्मकता को लेकर उनके चिंतन में मुझे बहुत प्रभावित किया है। आज यह दूसरा मौका है जब अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद के राष्ट्रीय अधिवेशन में मुझे सम्मिलित होने का मौका मिला है और यह मेरे लिए हर्ष का विषय है।इस प्रदर्शनी में भारतीय स्वतंत्रता आंदोलन एवं राम मंदिर आंदोलन में राष्ट्रसंत महंत अवैद्यनाथ का योगदान तथा भारतीय शिक्षा पद्धति के पुनरुथान हेतु उनके द्वारा गोरखपुर में वर्ष 1932 में स्थापित महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद के बहुमूल्य योगदान को प्रमुखता से प्रदर्शित किया गया है। इसी के साथ प्रदर्शनी में भारतीय स्वतंत्रता आंदोलन से सम्बंधित अभिलेखागार जिसमें भारतीय स्वतंत्रता सेनानियों की विजय गाथा तथा लोकमाता अहिल्याबाई द्वारा स्थापित की गई आदर्श सुशासन व्यवस्था को जीवंत रूप में दर्शाया गया है। विशिष्ट भारतीय संस्कृति एवं भारतीय त्योहारों को भी कलाकृतियों के माध्यम से प्रदर्शनी स्थल पर वर्णित किया गया है। अभाविप की इस भव्य प्रदर्शनी में कुल 7 भागों में 14 कलाविथियों में 274 कलाकृतियों के माध्यम से दर्शाया गया है।इस दौरान अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष श्री एम नागलिंगम, राष्ट्रीय मंत्री बुद्धदेव बाघ, स्वागत समिति उपाध्यक्ष प्राचार्य प्रदीप राव, गोरखपुर महानगर अध्यक्ष डॉ विवेक शाही एवं महानगर मंत्री शुभम गोविंद राय की उपस्थिति रही।

देश का सर्वश्रेष्ठ फिल्म अनुकूल राज्य है मध्य प्रदेश : प्रमुख सचिव शुक्ला

एजेंसी

भोपाल। मध्य प्रदेश टूरिज्म बोर्ड द्वारा गोवा में चल रहे 55वें भारतीय अंतरराष्ट्रीय फिल्म महोत्सव (आई.एफ.एफ.आई) का गोवा में सहभागित कर प्रदेश में फिल्म शूटिंग संभावनाओं का प्रचार किया। मप्र पर्यटन व संस्कृति विभाग के प्रमुख सचिव और टूरिज्म बोर्ड के प्रबंध संचालक शिव शेखर शुक्ला व अपर प्रबंध संचालक बिदिशा मुखर्जी ने फिल्म निर्माता, निर्देशक, अभिनेता व उद्योग से जुड़े हितधारकों से चर्चा कर प्रदेश में फिल्म परियोजनाओं की शूटिंग हेतु आंमत्रित किया। फिल्म महोत्सव के दौरान टूरिज्म बोर्ड द्वारा एक नॉलेज सेशन आयोजित किया। 'लाइट्स, कैमरा, सहयोग- मध्य प्रदेश में फिल्मांकन के लिए सरकार और उद्योग साझेदारी' श्रृंखला में प्रमुख सचिव शिव शेखर शुक्ला सहित फिल्म निर्देशक अमर कौशिक, आमिर खान प्रोडक्शंस की सीईओ अपर्णा पुरोहित, अभिनेता अभिषेक बनर्जी, अभिनेता नितांशी गोयल, अभिनेता स्पर्श श्रीवास्तव और अभिनेता-निर्माता वाणी

टीकू त्रिपाठी ने अपने विचार व्यक्त किये। इस दौरान प्रमुख सचिव शुक्ला ने प्रदेश में फिल्म शूटिंग को प्रोत्साहित करने और राज्य को एक प्रमुख फिल्म निर्माण गंतव्य के रूप में स्थापित करने के उद्देश्य से म.प्र. फिल्म टूरिज्म पॉलिसी के विभिन्न बिंदुओं से अवगत कराया।

विकसित भारत के सपने में अनाथ बच्चों का भविष्य होगा उज्ज्वल : सावित्री ठाकुर

एजेंसी

लखनऊ। केंद्रीय महिला एवं बाल विकास मंत्रालय द्वारा लखनऊ स्थित इंदिरा गांधी प्रतिष्ठान में दत्तक ग्रहण जागरूकता माह-2024 के तहत फॉस्टर केयर और दत्तक ग्रहण के माध्यम से बड़े बच्चों का पुनर्वास विषय पर एक विशेष संगोष्ठी का आयोजन किया गया। दत्तक ग्रहण जागरूकता माह कार्यक्रम को संबोधित करते हुए केंद्रीय महिला एवं बाल विकास राज्य मंत्री सावित्री ठाकुर ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के विकसित भारत के सपने में अनाथ बच्चों को उज्ज्वल भविष्य, अच्छी शिक्षा और बेहतर स्वास्थ्य मिले, इसके लिए समुचित व्यवस्था की गई है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में 6 वर्ष से 18 वर्ष तक के अनाथ बच्चों को गोद लेने की प्रक्रिया को 2015 में ऑनलाइन कर आसान और पारदर्शी बना दिया गया है। केंद्रीय राज्य मंत्री ने कहा कि केंद्रीय दत्तक ग्रहण संसाधन

प्राधिकरण (कारा) अनाथ बच्चों का पालन पोषण तथा उनके बेहतर भविष्य के लिये कार्य कर रहा है। केंद्रीय मंत्री ने कहा कि कारा अनाथ बच्चों का पालन, पोषण व देखभाल बहुत अच्छी तरह से कर रहा है। कारा ने गोद लेने से संबंधित मुद्दों पर ध्यान आकर्षित करने के लिए अन्य कार्यक्रमों के साथ-साथ एक बड़े अभियान की योजना बनाई है, जिसमें उन बच्चों को गोद लेने पर जोर दिया जाएगा जो अधिक उम्र के हैं, जिनकी विशेष आवश्यकताएं हैं।दत्तक ग्रहण जागरूकता माह एक वार्षिक कार्यक्रम है जहां कारा और उसके सभी हितधारक गोद लेने की कानूनी प्रक्रिया के बारे में जागरूकता बढ़ाने के लिए एक साथ आते हैं। केंद्रीय दत्तक ग्रहण संसाधन प्राधिकरण (कारा), महिला एवं बाल विकास मंत्रालय देश में कानूनी गोद लेने को बढ़ावा देने के लिए नवंबर माह को राष्ट्रीय दत्तक ग्रहण जागरूकता माह के रूप में मनाता है।

पिछले वर्षों की तरह, इस वर्ष का अभियान भी जागरूकता बढ़ाने के लिए दोनों रूपों ऑफ़लाइन और ऑनलाइन गतिविधियों में विभाजित है। लद्दाख, असम, मिजोरम, उत्तराखंड, अरुणाचल प्रदेश, आंध्र प्रदेश, महाराष्ट्र, कर्नाटक, गोवा, पश्चिम बंगाल और कई अन्य राज्यों द्वारा पालक देखभाल और दत्तक ग्रहण से सम्बन्धित जागरूकता कार्यक्रमों का आयोजिन किया जा रहा है। कार्यक्रम में भावी दत्तक माता-पिता (पीएपी), दत्तक माता-पिता, वृद्ध दत्तक ग्रहणकर्ता और अन्य हितधारकों ने अपने विचार लोगों से साझा किये। गोद लेने, देखभाल पर अपने अनुभव और सुझाव भी साझा किये। इस अवसर पर संवादमूलक सत्र, सांस्कृतिक कार्यक्रम, प्रतियोगिताओं आदि का भी आयोजन किया गया। मायगोव इंडिया प्लेटफॉर्म के सहयोग से कारा ऑनलाइन आयोजनों के लिए एक विशेष अभियान कर रहा है। कारा बड़े पैमाने पर जनता को शामिल करने और गोद लेने तथा गोद लेने को बढ़ावा देने के बारे में जानकारी प्रसारित करने के लिए मायगोव पोर्टल के माध्यम से कहानी वाचन, पोस्टर निर्माण, नारा एवं प्रतिज्ञा सृजन तथा ऑनलाइन सर्वेक्षण जैसी गतिविधियां आयोजित कर रहा है।

मप्र के मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा-भारत और नेपाल में धार्मिक व मैत्री संबंध होंगे प्रगाढ़

एजेंसी

भोपाल। मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने उज्जैन में श्री महामृत्युंजय द्वार समीप श्री महाकालेश्वर मंदिर प्रबंध समिति द्वारा एक लाख ग्यारह हजार एक सौ ग्यारह लड्डू प्रसाद ले जा रहे वाहन को केसरिया ध्वज दिखाकर रवाना किया। लड्डू प्रसाद श्रीराम जानकी विवाह महोत्सव, मिथिला नेपाल में वितरण के लिए अयोध्या श्री राम जन्मभूमि ट्रस्ट रवाना किया गया है। कार्यक्रम का शुभारंभ डमरूवादन, शंखनाद और वेद ऋचाओं की गूंज से हुआ।इस अवसर पर मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि भारत नेपाल के धार्मिक, सांस्कृतिक और मैत्री सम्बन्ध बहुत पुराने हैं। मिथिला नेपाल में भगवान श्री महाकाल का लड्डू प्रसाद वितरण का कदम भारत नेपाल संबंधों को प्रगाढ़ बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण

कड़ी है। कार्यक्रम के दौरान उप मुख्यमंत्री राजेन्द्र शुक्ल, प्रभारी मंत्री गौतम टेटवाल, राज्यसभा सांसद बालयोगी उमेशनाथ महाराज, सांसद अनिल फिरोजिया, विधायकगण अनिल जैन कालूहेड़ा, व सतीश मालवीय, महापौर मुकेश टटवाल, नगर निगम सभापति कलावती यादव, जनप्रतिनिधि विवेक जोशी, बहादुरसिंह बोरमुंडला, संजय अग्रवाल, मंदिर समिति सदस्य प्रदीप गुरुजी, राजेन्द्र गुरुजी, राजेश गुरुजी, राम गुरुजी, संभागायुक्त संजय गुप्ता, एडीजीपी उमेश जोगा अधिकारी उपस्थित रहे।

बिहार में प्रतिभा की कोई कमी नहीं हैः मनसुख मांडविया

एजेंसी

पटना। बिहार राज्य खेल प्राधिकरण और खेल विभाग द्वारा आयोजित ग्रासरूट्स टू ग्लोरी- बिहार स्पोर्टिंग जर्नी विषय पर परिचर्चा की आज केंद्रीय श्रम एवं रोजगार तथा युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्री डॉ. मनसुख मांडविया ने अध्यक्षता की। इस मौके पर अपने संबोधन में मांडविया ने उपस्थित लोगों का अभिनंदन करते हुए कहा कि वे दो दिन से बिहार में हैं और खेल के क्षेत्र में बिहार के विकास को देख कर उन्हें बहुत खुशी है। बिहार में प्रतिभा की कोई कमी नहीं है। बस उन्हें समुचित प्रशिक्षण के साथ सही मार्गदर्शन मिलने पर बिहार के खिलाड़ी सफलता के किसी मुकाम को हासिल करने में सक्षम हैं।

मनसुख मांडविया ने कहा कि खेल में या किसी क्षेत्र में सफलता के लिए लक्ष्य तय करना पड़ता है। फिर उस लक्ष्य पर एकाग्रचित के होकर समुचित प्रशिक्षण और मेहनत के साथ आगे बढ़ना पड़ता है तभी सफलता हासिल होती है। प्रधानमंत्री मोदी जी ने 2047 तक देश को विकसित देश में शामिल करने का लक्ष्य रखा है और उसी दिशा में तेजी से काम भी हो रहा है। देश का असल विकास तभी सम्भव है जब सभी क्षेत्र में समान रूप से सर्वांगीण विकास हो। खेल के क्षेत्र में विकास देश के विकास को प्रतिबिम्बित करता है, इसलिए खेल के विकास के लिए देश में नयी खेल नीति बनाई जा रही है। जिसके लिए सभी संबंद्ध प्रबुद्धजनों से विचार भी आमंत्रित किए गए हैं। जब तक बुनियादी स्तर पर खेल का विकास नहीं होगा खेल और खिलाड़ियों का संपूर्ण विकास और बेहतर प्रदर्शन नहीं हो सकता। मांडविया ने कहा कि देश में खेलो इंडिया कार्यक्रम के माध्यम से स्कूल स्तर की प्रतिभा का चयन किया जाता है जिन्हें प्रशिक्षित कर राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्पर्धाओं के लिए तैयार किया जाता है। हमारा लक्ष्य है कि 2036 तक भारत खेल के क्षेत्र में भी दुनिया के 1 से 10 देशों के अंदर रहे और 2047 तक दुनिया में 1 से 5 देशों के अंदर स्थान प्राप्त करे और इसी को ध्यान में रख कर केन्द्र और राज्यों की खेल नीति बनाई जा रही है। खेल और खिलाड़ियों के सर्वांगीण विकास के लिए राज्य सरकार, केंद्र सरकार, खेल संघों, खिलाड़ियों और प्रशिक्षकों का एक साथ मिलकर कर बिना विवाद के काम और सहयोग करना जरूरी है।

बीआरओ ने जम्मू-कश्मीर में ट्विन-ट्यूब जवाहर सुरंग जीर्णोद्धार कार्य पूरा, जनता के लिए अगले माह से खुलेगी

एजेंसी

जम्मू। सीमा सड़क संगठन (बीआरओ) ने जम्मू और कश्मीर में 1956 में निर्मित 2.5 किलोमीटर लंबी ट्विन-ट्यूब जवाहर सुरंग का व्यापक जीर्णोद्धार किया है। अत्याधुनिक तकनीक का उपयोग करके उपयोगकर्ताओं की सुरक्षा, संरक्षा और राहत के उद्देश्य से इसे अपग्रेड किया गया था, जिससे यह आधुनिक सुरंगों के बराबर आ गई। पुनर्निर्मित सुरंग दिसंबर 2024 में जनता के लिए खोली जाएगी। रक्षा मंत्रालय के अनुसार इस सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्रालय से वित्तपोषित इस

सुरंग का 62.5 करोड़ रुपये की लागत से इंजीनियरिंग, खरीद और निर्माण मोड के माध्यम से पुनरुद्धार किया गया। इसे बीआरओ के प्रोजेक्ट बीकन ने लगभग एक वर्ष में पूरा किया है। इसके उन्नयन में सिविल के साथ-साथ इलेक्ट्रो-मैकेनिकल कार्य भी शामिल थे। इसमें 76 हाई-डेफिनिशन सीसीटीवी कैमरे, धुआं और आग सेंसर, एससीएडीए सिस्टम और वास्तविक समय की निगरानी के लिए एक केंद्रीकृत निगरानी कक्ष भी शामिल है।उल्लेखनीय है कि जवाहर सुरंग ऐतिहासिक रूप से पीर-पंजाल रेंज के माध्यम से कश्मीर घाटी और लेह को शेष भारत से जोड़ने वाले एक महत्वपूर्ण मार्ग के रूप में कार्य करती है। यह एनएच-44 के लिए एक वैकल्पिक मार्ग के रूप में कार्य करता है। तेल टैंकर, विस्फोटक लदे और गैसोलीन वाहन, जिन्हें नवनिर्मित काजीकुंड-बनिहाल सुरंग को पार करने की अनुमति नहीं है, वे इस सुरंग का उपयोग करेंगे।

श्रृंगार आपके व्यक्तित्व में लगाए चार चांद

शादियों का मौसम शुरू हो गया है। ऐसे में सजने-संवरने की आकांक्षा को पंख लग ही जाते है। कुछ बातों का ध्यान रख कर आप ऐसे मौसम में अपनी खूबसूरती को और निखार सकती हैं। पारंपरिक श्रृंगार आपके रूप-रंग में चार-चांद लगा देते है। यदि आप भी पारंपरिक रंग में अपने आप को रंगने की सोच रही है तो ऐसे मौके पर लहंगा, साड़ी या सूट को अपने लिए चुन सकती है।

परफेक्ट शुरुआत के लिए सबसे पहले फेस प्राइमर लगाएं। इसे लगाने से चेहरे की छोटी-छोटी खामियां जैसे फाइन लाइन्स, ओपन पोर्स और पिट्स भर जाएंगे और मेकअप भी लंबे समय तक टिका रहेगा। सर्दियों के इस मौसम में बेस ऐसा हो, जो आपकी त्वचा को फ्लॉलैस लुक देने के साथ-साथ उसे मॉइश्चराइज भी करें। ऐसे में फाउंडेशन के तौर पर टिंटिड मॉइश्चराइजर लगाएं। इससे त्वचा मुलायम हो जाएगी और ग्लोइंग नजर आएगी। त्वचा पर यदि कोई एक्ने या स्कॉर्स है तो उसे कंसीलर की मदद से कंसील कर लें।

अपनी त्वचा टोन से मैच करता ब्लशऑन लगाएं। जैसे गोरे मुखड़े पर पिंक कलर का ब्लशऑन इस्तेमाल करें और यदि सांवली हैं तो आप पर पीच शेड का ब्लशर बहुत अच्छा लगेगा। नाक के दोनों साइड, चीक्स बोंस और डबल चिन को छुपाने के लिए डार्क ब्राउन शेड के ब्लशऑन से कॉन्टोरिंग कर लें। इससे आपका फेस पतला नजर आएगा। चीक्स बोन्स पर हाइलाइटर जरूर इस्तेमाल करें।

इन दिनों ऑरेंज, रेड और वाइन शेड काफी चलन में हैं। अपनी आंखों को इन शेड्स से सजाएं और आईब्रोज के नीचे वनीला शेड से हाइलाइट करें। ये इस मौसम में और भी खूबसूरत लगेंगे। इसलिए आई-मेकअप करते वक्त इन्हें जरूर शामिल करें। अपनी आंखों को ब्लैक जैल आइलाइनर से खूबसूरत शेप दें और आंखों में काजल जरूर लगाएं।

इस मौके पर आंखों के आउटर या इनर कॉर्नर पर स्वरोस्की का इस्तेमाल करने से आई-मेकअप और भी खूबसूरती से उभर कर आएगा। पलकों पर मसकारा का डबल कोट लगाकर उन्हें लंबा व खूबसूरत दिखाएं।

लिप्स का पूरा ध्यान रखें

आंखों पर डार्क मेकअप करने के बाद लिप्स पर ब्रॉन्ज या रस्ट शेड की लिपस्टिक लगाएं। इसके बाद लिप सीलर से लिप्स को सील कर दें। इसे लगाने से लिपस्टिक देर तक टिकी रहेगी और लिप्स शाइन भी करेंगे। अपने श्रृंगार में पूरी तरह ट्रेडिशनल लुक लाने के लिए बिंदी भी लगा सकती हैं। ब्रेड्स इन दिनों काफी चलन में हैं। बालों में फिशटेल, फ्रेंच चोटी या साइड चोटी बनाएं और चोटी को स्वरोस्की जडिम्त हेयर एक्सेसरीज से सजाएं। बालों में कलर्स करवाकर उसे खुले छोड़ सकती हैं। फ्रंट से हाई पफ बनाकर एक साइड से टक कर लें और दूसरे साइड पर कलर्स रख लें। टक करने के लिए हेयर एक्सेसरीज का इस्तेमाल करें।

जब सर्दी में स्टाइलिश दिखना हो लाएं स्टोल

ठंडक बढ़ने लगी है तो आपने स्वेटर और जैकेट भी निकाल लिए होंगे, लेकिन फैशन के इस युग में स्टोल्स भी खूब आकर्षित करते हैं।

जब लगने लगे हल्की सर्दी या ठंडी हवाओं से बचाना हो कान और सिर को या फिर देना हो स्वेटर्श के साथ स्टाइलिश लुक तो नजर डालें स्टाइलिश स्टोल्स व मफलर्स पर।

कैसे-कैसे स्टोल्स

ठंडी पुरवाई चलने लगी है। अब बिना गरम कपड़ा ओढ़े भला कैसे रहा जा सकता है। ये बात और है कि इस मौसम में किसी को जैकेट लुभाती है तो किसी को हाई नेक व स्वेटर पसंद आते हैं। सर्दियों की ड्रेसिंग की बात करें तो एक ऐसी ड्रेस भी है, जो शान बढ़ाती है। जी हां, वह है स्टोल व मफलर्स। स्टोल न सिर्फ जीन्स, टॉप, ट्राउजर व कोट पर अच्छे लगते हैं, बल्कि सूट और साड़ी के साथ भी जंचते हैं और यही नहीं, ट्रेंडी वेस्टर्न आउटफिट्स जैसे ईवनिंग गाउंस और सिंगल पीस ड्रेसेस पर भी खूब लगते हैं स्टोल्स। जितना पोशाक की शान बढ़ाते हैं, उससे कहीं ज्यादा वैरायटी इनके आकार, रूप, डिजाइन और स्टाइल में भी उपलब्ध है। पोंचो स्टाइल, मफलर स्टाइल, चौकोर आकार वाले, शालनुमा स्टोल आदि। विभिन्न फैब्रिक जैसे सिल्क, पश्मीना, शनील, वुलन, नेट आदि प्योर व मिक्स, सभी तरह के फैब्रिक में प्रिंटेड तथा एम्ब्रॉयडेड, दोनों प्रकार के उपलब्ध हैं। ये बुने हुए, हैंडवर्क, मशीन वर्क वाले अनेक रंगों में उपलब्ध हैं।

कीमत भी अधिक नहीं

स्टोल का इस फैशनेबल युग में इतना ज्यादा चलन है कि यह हर तरह के बाजार की जान हैं। यह सरोजनी नगर, जनपथ से लेकर ब्रांडेड शॉप्स, डिजाइनर शो रूम्स, यहां तक कि स्टेट एम्पोरियम, फेयर आदि में भी खूब मिलते हैं। स्टोल के बारे में आपको बजट को लेकर ज्यादा सोचने की आवश्यकता नहीं, क्योंकि यह कम बजट में भी उपलब्ध हैं। यह औसतन 200 रुपए से लेकर 1500 रुपए तक काफी वैरायटी में मिल जाते हैं। स्टोल के संबंध में डिजाइनर अनुराधा रामम कहती हैं कि गले में डालने वाले वे स्टोल बहुत खूबसूरत लगते हैं, जो सामने ट्राईएंगल शेप देते हैं। वैसे इस साल नए डिजाइन में आप मल्टी डाइंग, मल्टी पैचिंग वाले बोल्ड कलर्स में स्टोल ट्राई कर सकते हैं।

मफलर स्टाइल

लड़कों में तो मफलर का चलन काफी समय से है। समय के साथ इनके रंग पैटर्न और डिजाइन में बदलाव आता रहा है। आजकल चौक, धारियों, एब्सट्रैक्ट आदि के विभिन्न डिजाइन वाले मफलर युवाओं में कोट के साथ भी डैशिंग लुक देते हैं। लड़कों के मफलर साइज के स्टोल युवा लड़कियों के लिए भी ट्रेंड में हैं। इनमें वैरायटी भी खूब है। नेट का आजकल काफी फैशन है, फिर चाहे सूट हो, साड़ी हो या टॉप ही क्यों न हो, भला स्टोल इनसे अछूते कैसे रह सकते हैं। इनमें नेट पर वेलवेट या वेलवेट मिक्स यानी वेलवेलीन और वुलन के सामंजस्य से बेहद आकर्षक स्टोल आज की शान बने हुए हैं। इनमें सिकुईंस और बीड वर्क या स्पार्कल वर्क हो तो ये पार्टी के लिए भी काफी उपयुक्त होते हैं। इन मफलर स्टाइल में कुछ ऐसे भी होते हैं, जिन्हें युवा लड़के-लड़कियां, दोनों ओढ़ सकते हैं। खादी वुलन के बुने हुए शॉलनुमा यह शॉल से थोड़े छोटे आकार के होते हैं। इनकी लम्बाई और खासकर चौड़ाई थोड़ी कम होती है। शॉल को ओढ़ने पर तीन फोल्ड आते हैं, जबकि इनमें दो ही फोल्ड आते हैं। यह प्रिंटेड से लेकर हैवी वर्क तक सभी तरह के स्टाइल में मिलते हैं। इस बार फ्लावर प्रिंट और फिगर प्रिंट वाले स्टोल ट्रेंड में हैं। इनमें करोशिए या वुलन वीविंग पर बीड्स वर्क तो बहुत ही जंचता है।

पोंचो स्टाइल

इनमें नैक काफी आकर्षक होता है। जैसे स्टाइलिश फॉलिंग नैक या राउंड नैक आदि। यह फ्रंट ओपन भी होते हैं। इनको गले से पहना जाता है और इनमें आस्तीन की शेप नहीं होती। यह गले से लेकर हाथ तक कवर कर लेते हैं। इनको अधिक स्टाइलिश लुक देने के लिए फ्रंट ओपन भी मिलने लगे हैं। यह बॉडी पर सामने यु, ट्राईएंगल या डाईगनल कट में आते हैं। इनके किनारों पर लगे विभिन्न झालर, बीड्स, लैस, फुंदने आदि इसे और आकर्षक बनाते हैं। यह मफलर स्टाइल से थोड़े ज्यादा रेंज के होते हैं।

बच्चे का गुस्सा नहीं है अच्छा

आजकल के बच्चों को भी तुरंत गुस्सा आता है। छोटी-छोटी बातों पर कहासुनी तक तो ठीक है, पर अगर आपका बच्चा मारपीट करके घर आ रहा है तो आपको इस बात को गंभीरता से लेना होगा। यह जानना होगा कि इस व्यवहार के पीछे क्या कारण है और उसमें सुधार कैसे संभव है। अगर समय पर आपने सही कदम नहीं उठाया तो भविष्य में आपकी परेशानी बढ़ सकती है।

बच्चे तो शरारती होते ही हैं। पर वे जितना शरारत में तेज होते हैं उतना ही पढ़ाई और दूसरे कामों में भी हो सकते हैं, बशर्ते उन्हें सही दिशा मिले। आप उनकी ऊर्जा को सही दिशा में लगा सकें। अगर उन्हें कहीं से भी सही प्रोत्साहन न मिले और हमेशा उनकी गलतियों पर टोका-टाकी या डांट-फटकार ही लगाई जाए तो ऐसे बच्चे अति उत्साह में कभी-कभी गलत काम भी कर बैठते हैं। एक छोटी-सी बात पर कई बार बच्चे झगड़ा एवं मार-पीट करते हैं और एक-दूसरे को हानि पहुंचा देते हैं।जब इस तरह की घटनाएं बढ़ने लगती हैं तो बच्चे का व्यवहार भी आक्रामक होता जाता है। दरअसल, बचपन में मां-बाप और शिक्षक बच्चे को कुम्हार की तरह उनके विचारों को रचते हैं। इसलिए मां-बाप और शिक्षकों को समय-समय पर सही और गलत के ज्ञान के साथ-साथ हर परिस्थिति में सामंजस्य बैठाना सिखाना चाहिए। बच्चों में स्कूल, घर और बाहर में कई कारणों से झगड़े होते हैं जो कई बार उग्र रूप ले सकते हैं। इन झगड़ों में किसी बच्चे की चीज उससे बिना पूछे लेना, सहपाठियों का मजाक उड़ाना, खुद शरारत करके दूसरे बच्चे का नाम लगा देना, सहपाठी या दोस्त को थप्पड़ मार देना आदि आम है। पर, अगर सही समय पर इन गलत आदतों को न रोका जाए तो ये बच्चे के व्यक्तित्व का हिस्सा बन जाती हैं। कई बार बच्चा घर के सदस्यों को छोटी-छोटी बात पर झगड़ते देखता है तो वो बातें उसके दिमाग में घर कर जाती हैं उसके व्यवहार में भी वो बातें आ जाती हैं। अगर घर में एक बच्चे को दूसरे बच्चे से ज्यादा तवज्जो मिले या फिर घर में बड़े-बुजुर्ग अधिक लाड़-प्यार में बच्चों के गलत बातों को नजरअंदाज कर दें, तो भी ऐसा होता है।

मैं नहीं हूं लड़ाकू

बच्चों को छोटी-छोटी बातें सिखानी चाहिए। जैसे गलती करने पर सॉरी बोलना या गलती मानना। किसी दूसरे का सामान इस्तेमाल करने से पहले उससे पूछना। ऊंची आवाज में बात नहीं करना आदि। उनके गलत व्यवहार को इस तरह से समझाना कि यदि उनके साथ कोई ऐसा करे तो उन्हें कैसा लगेगा। बच्चों को दूसरों की वस्तुओं की कद्र करना सिखाना चाहिए। आपको अपने बच्चे को यह सिखाना होगा कि नकारात्मक परिस्थिति में उसे कैसा व्यवहार करना चाहिए। अगर वह बहुत नाराज है तो उसे समझाना चाहिए कि वह अपने गुस्से पर कैसे काबू रखे, जैसे थोड़ी देर चुप रहना, कहीं और देखना, पानी पीना या थोड़ी देर के लिए वहां से चले जाना, उल्टी गिनती गिनना इत्यादि। आप उसके लिए स्वयं को उदाहरण बनाकर पेश करें। बच्चों की अपनी बुराई सुनना सिखाना चाहिए। इससे भविष्य में अगर कोई उसके सामने ही उसकी बुराई करेगा, तो वह उत्तेजित नहीं होगा और उसे सकारात्मक तौर पर लेगा। संभव है कि अपनी बुराई सुनकर वह खुद में सकारात्मक बदलाव लाने की कोशिश भी करे। बच्चा चिड़चिड़ापन या झगड़ालू व्यवहार का ना हो इसके लिए घर में हर समय खुशी का माहौल होना चाहिए। घर में ज्यादा से ज्यादा समय एक दूसरे के साथ गुजारें। हर छोटी-सी खुशियां शेयर करें। बच्चों को मार-पीट से दूर रहने की सलाह दें। झगड़ालू या दबंग बच्चों से दोस्ती न रखने की सलाह दें। उनकी संगत पर नजर रखें।

आपके आंगन खिलखिलाएगा बचपन

आई यू आई तकनीक उन दपंतियों के लिए वरदान है जो गर्भधारण न कर पाने की समस्या से परेशान हैं। यह न केवल एक आसान प्रक्रिया है, बल्कि इसका कोई दुष्प्रभाव नहीं हैं।

हर महिला मां बन कर ही खुद को संपूर्ण महसूस करती है। घर में बच्चे की किलकारी सुनकर एक मां का दिल गुलजार हो उठता है। लेकिन कुछ महिलाएं ऐसी भी हैं, जिनका मां बनने का सपना पूरा नहीं हो पाता। ऐसी ही कुछ महिलाओं में से एक है मीता, जो शादी के बाद किसी वजह से गर्भधारण नहीं कर पा रही थी। ऐसे में वह तनाव, गुस्सा और अकेलापन महसूस करने लगी, साथ ही समाज के तानों से बचने के लिए वह रिश्तेदारों से भी दूर होने लगी। पर, जब उसके डॉक्टर ने उसे इंट्रायूटराइन इनसिमीनेशन (आई यू आई) नाम के एक तकनीक के बारे में बताया, तो उसे अपनी समस्या का हल दिखता नजर आया।

आजकल तनाव, व्यस्त जीवनशैली और प्रदूषित वातावरण के कारण कई दपंतियों को प्राकृतिक तरीके से गर्भधारण करने में दिक्कत होती है। कई युवा आजकल शादी देर से करते हैं और कई बार गर्भधारण जैसे विषय को गंभीरता से नहीं लेते। जब बच्चे की कमी महसूस होने लगती है तो काफी उम्र निकल जाती है, जिससे गर्भधारण में काफी जटिलता आ जाती है। यही नहीं, इससे दपंति को बहुत मानसिक तनाव हो जाता है, जिसका सीधा असर उनके गर्भधारण पर पड़ता है। पर, ऐसा नहीं है कि इसका कोई हल नहीं है। आजकल कई युवा दपंति कृत्रिम गर्भधारण तकनीकों के जरिए अपने मां-बाप बनने का सपना पूरा कर रहे हैं। आई यू आई भी इन्हीं कृत्रिम गर्भधारण के तकनीकों में से एक है।

क्या है आई यू आई?

आई यू आई तकनीक के तहत तेजी से बढ़ रहे शुक्राणुओं को सीधे ही महिला के गर्भाशय में रख दिया जाता है, जिससे गर्भधारण की संभावना बहुत ज्यादा बढ़ जाती है, क्योंकि शुक्राणुओं को अंडे के करीब रखा जाता है। इस प्रक्रिया में क्षतिग्रस्त और गतिहीन शुक्राणुओं को अलग करके स्वस्थ शुक्राणुओं को महिला के गर्भ में डाला जाता है। बेहतरीन गुणवत्ता के शुक्राणुओं को 36 से 40 घंटे के बाद एक छोटी नलिका (एक बेहद नरम लचीली ट्यूब) की मदद से गर्भाशय ग्रीवा (गर्भ का द्वार) में रखा जाता है।

आई यू आई तकनीक अपनाने से पहले फैलोपियन ट्यूब की जांच की जाती है। फैलोपियन ट्यूब में किसी भी तरह की रुकावट को देखने के लिए लेप्रोस्कोपी और डाई टेस्टिंग दोनों बहुत अहम प्रक्रिया हैं। लेप्रोस्कोपी के दौरान बहुत ही बारीक टेलीस्कोप को यूट्रस की कैविटी में डाला जाता है। अगर यूट्रस की कैविटी में किसी रुकावट का पता चलता है तो पहले उस रुकावट को हटाया जाता है।

दवाओं की मदद भी ली जाती है

आई यू आई की सफलता सुनिश्चित करने के लिए दवाओं का इस्तेमाल भी किया जाता है। दवा के द्वारा अंडों के प्रोडक्शन में सुधार किया जाता है। आई यू आई में ज्यादा सफलता पाने के लिए इस प्रक्रिया को उस दिन किया जाता है, जिस दिन से महिला को पीरियड्स शुरू होता है। महिला को पीरियड शुरू होने का सही दिन पता चल सके, इसके लिए उसे ओव्यूलेशन किट दी जाती है। इसके अलावा पीरियड्स के दौरान महिला का योनि मार्ग द्वारा अल्ट्रासांउड या फिर रक्त जांच की जाती है।जिस दिन इस प्रक्रिया को किया जाता है, उस दिन शुक्राणुओं को इकट्ठा कर उनमें से क्षतिग्रस्त और गतिहीन शुक्राणुओं को अलग करके स्वस्थ शुक्राणुओं को अलग किया जाता है। इसके बाद लगभग 36 से 40 घंटे बाद एक छोटी ट्यूब की मदद से शुक्राणुओं को गर्भ में रखा जाता है। इस पूरी प्रक्रिया को करने में कुछ ही मिनट का समय लगता है और आमतौर पर यह दर्दरहित प्रक्रिया होती है।

कब लें इस तकनीक का सहारा

- गर्भधारण न होने का अस्पष्ट कारण
- ओव्यूलेशन में समस्या
- शुक्राणुओं की संख्या कम होना
- शुक्राणुओं की गतिशीलता कम होना
- गर्भाशय ग्रीवा की स्थिति शुक्राणुओं के अनुकूल न होना
- शीघ्रपतन होना
- काफी सरल है यह प्रक्रिया
- आमतौर पर दर्द नहीं होता। लेकिन कई महिलाओं को माहवारी के दौरान होने वाला दर्द महसूस हो सकता है
- कुछ ही घंटों में महिला घर जा सकती है
- आई यू आई की प्रक्रिया के बाद कोई दवा लेने की जरूरत नहीं पड़ती
- इस प्रक्रिया में व्यक्ति को बेहोश करने की जरूरत नहीं पड़ती
- इस प्रक्रिया में कुछ मिनटों का ही वक्त लगता है

ग्रिल्ड टोमैटो एंड ब्री सैंडविच

सामग्री - 8 स्लाइस आटा ब्रैड, 1 टेबलस्पून ऑलिव ऑयल, 1 लहसुन की तुरीं बीच से कटी हुई, 2 टेबलस्पून सरसों के दाने, 4 ब्री चीका की पतली परत, 1 1/3 कप पैकड बेबी शाक (हरी पत्तेदार सब्जियां) तथा पालक, 8 स्लाइस टमाटर पतली कटी हुई कुकिंग स्प्रे

विधि - ग्रिल को उच्च ताप पर तैयार करें, प्रत्येक ब्रैड स्लाइस की एक तरफ ब्रश से ऑयल लगाएं। ब्रैड पर लगे तेल पर लहसुन को रगड़ें। ब्रैड स्लाइस के तेल लगे हिस्से को नीचे की ओर रख प्रत्येक स्लाइस पर सरसों बिखराएं और चीका, 1/3 कप पालक तथा टमाटर स्लाइस रखें। बाकी बचे ब्रैड स्लाइस ऑयल साइड ऊपर कर इनके ऊपर रख दें। अब सैंडविच को ग्रिल में रखें तथा कुकिंग स्प्रे करें और कम से कम 2 मिनट के लिए ग्रिल करें ताकि सैंडविच अच्छी तरह रोस्ट हो जाएं और चीका मैलट हो जाए। आप के सैंडविच तैयार हैं, इन्हें आप 4 लोगों में सर्व कर सकती हैं।

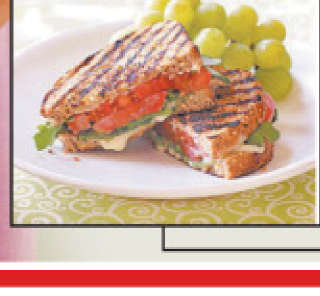

फ्रीस्टाइल शतरंज ग्रैंड स्लैम टूरः पांच मेजबान शहरों में शामिल हुआ दिल्ली

एजेंसी
नई दिल्ली। मैग्नस कार्लसन के बहुप्रतीक्षित फ्रीस्टाइल शतरंज ग्रैंड स्लैम टूर की सिंगापुर में आधिकारिक घोषणा की गई, जिसमें दिल्ली को इसके प्रथम संस्करण के लिए पांच प्रमुख मेजबान शहरों में से एक के रूप में पुष्टि की गई। कार्लसन ने जर्मन उद्यमी जान हेनरिक ब्यूटनर के साथ मिलकर एक्सक्लूसिव टूर लॉन्च किया है, जिसकी शुरुआत 7-14 फरवरी, 2025 को जर्मनी के वेइसनहाउस में होगी। यह टूर पाँच देशों में आयोजित किया जाएगा, जिसमें जर्मनी, भारत, फ्रांस (पेरिस), यूएसए (न्यूयॉर्क) और दक्षिण अफ्रीका (केप टाउन) में टूर्नामेंट होंगे। दिल्ली लेग के लिए पुरस्कार राशि 500,000 - .1,000,000 होने की उम्मीद है। फ्रीस्टाइल शतरंज, जिसे शतरंज960 के नाम से भी जाना जाता है, 1996 में पूर्व विश्व चैंपियन बॉबी फ़िशर द्वारा आविष्कार किया गया शतरंज का एक प्रकार है। इसमें यादृच्छिक बैक-रैंक पीस सेटअप की सुविधा है, जो पारंपरिक ओपनिंग थ्योरी पर निर्भरता को समाप्त करता है और रचनात्मकता को प्रोत्साहित करता है। अंतरराष्ट्रीय शतरंज महासंघ (फीडे) ने 2019 और 2022 में विश्व चैंपियनशिप आयोजित की थी - वे रैपिड टाइम कंट्रोल में खेली गईं जबकि फ्रीस्टाइल शतरंज टूर्नामेंट मानक समय नियंत्रण में खेले जाएंगे। इस प्रारूप के प्रबल समर्थक कार्लसन इसे क्लासिकल शतरंज के लिए एक ताज़ा विकल्प के रूप में देखते हैं।

एशियाई चैंपियंस ट्रॉफी जीतने पर सलीमा ने कहा-मुझे विश्वास है कि यह जीत अधिक युवा लड़कियों को प्रेरित करेगी

नई दिल्ली। भारतीय महिला हॉकी टीम ने बिहार एशियाई चैंपियंस ट्रॉफी राजगीर 2024 का खिताब जीत लिया। फाइनल में चीन पर 1-0 की कड़ी जीत के साथ यह जीत भारत की टूर्नामेंट में तीसरी चैंपियनशिप जीत है। इससे पहले 2016 और 2023 में भी भारत ने जीत दर्ज की थी। इस खिताब के साथ ही भारत एशियाई चैंपियंस ट्रॉफी के इतिहास में सबसे सफल टीम के रूप में दक्षिण कोरिया के साथ शामिल हो गया है। दोनों देशों के पास अब तीन-तीन खिताब हैं। जीत पर भारतीय महिला हॉकी टीम की कप्तान सलीमा टेटे ने राजगीर में मिले अविश्वसनीय समर्थन के लिए आभार व्यक्त किया। सलीमा ने हॉकी इंडिया के हवाले से कहा, राजगीर में खेलना एक विशेष अनुभव था, खासकर इसलिए क्योंकि यह यहाँ आयोजित पहला अंतरराष्ट्रीय हॉकी टूर्नामेंट था। दर्शकों की ऊर्जा और प्रोत्साहन बेजोड़ था, और इसने पूरे प्रतियोगिता के दौरान हमें अतिरिक्त बढ़ावा दिया। मुझे सच में विश्वास है कि यह जीत और अधिक युवा लड़कियों को हॉकी खेलने के लिए प्रेरित करेगी और भारत में इस खेल को और आगे बढ़ाएगी। हम अपने प्रशंसकों और अपने देश को यह जीत दिलाने में सक्षम होने के लिए रोमांचित हैं। सलीमा ने भविष्य के अंतरराष्ट्रीय आयोजनों के लिए टीम की आकांक्षाओं को साझा किया, 2026 एफआईएच हॉकी विश्व कप और 2028 लॉस एंजिल्स ओलंपिक के लिए क्वालीफाई करने की उनकी प्रतिबद्धता पर जोर दिया।

आकाश ने की शानदार गेंदबाजी, आशीष नेहरा ने लाइफ केयर को हराया

लखनऊ। बाबू बनारसी दास क्रिकेट लीग के 'बी' डीविजन में आशीष नेहरा क्रिकेट एसोसिएशन ने लाइफ केयर क्रिकेट क्लब को 84 रन से हरा दिया। आशीष नेहरा के गेंदबाज आकाश यादव ने शानदार गेंदबाजी करते हुए तीन ओवर गेंद डालकर मात्र चार रन देते हुए तीन विकेट झटके।आशीष नेहरा ने पहले बल्लेबाजी करते हुए निर्धारित 35 ओवर में आठ विकेट खोकर 186 रन बनाये। सलामी बल्लेबाज विनायक सिंह मात्र पांच रन बनाकर आउट हो गये। वहीं अभय सिंह और शुभंकर सिंह ने 27-27 रन का योगदान दिया। आकाश यादव ने 25 रन बनाये, जबकि यश नेगी ने अपनी टीम में सर्वाधिक 41 रन बनाये। अमित राज ने 26 रन बनाये। लाइफ केयर क्रिकेट क्लब की टीम 102 रन ही बना सकी और आशीष नेहरा ने 84 रन से मैच को जीत लिया। अपनी टीम में नवनीत ने सर्वाधिक 24 रन बनाये। वहीं प्रखर मिश्रा ने 14 रन का योगदान दिया, जबकि गौरव यादव ने 10 रन बनाये। शैलेन्द्र ने धुआंधार बल्लेबाजी करते हुए 13 बाल पर 19 रन का योगदान दिया।

मैकस्वीनी ओपनिंग और मार्श गेंदबाजी के लिए है तैयारः कमिंस

पर्थ । ऑस्ट्रेलियाई कप्तान पैट कमिंस ने कहा कि टेस्ट क्रिकेट में पर्दापण कर रहे नेथन मैकस्वीनी ओपनिंग के तैयार है और चोटिल कैमरून ग्रीन की जगह टीम में शामिल किये ऑराउंडर मिचेल मार्श गेंदबाजी करेंगे।

कमिंस ने आज यहां पत्रकारों के सवालों के जवाब में कहा कि नेथन मैकस्वीनी ओपनिंग के लिए तैयार है और मार्श निश्चित रूप से इस मैच में गेंदबाजी करेंगे। वह एक ऑलराउंडर हैं और हमारे चारों गेंदबाजो की मदद करेंगे। उन्होंने कहा, हमने कभी भी किसी के लिए ओवरों की सीमा नहीं तय की है। लेकिन वह गेंदबाजी के लिए तैयार हैं और हमें उनसे जितनी गेंदबाजी चाहिए होगी, हम कराएंगे। उन्होंने इस सप्ताह अच्छी गेंदबाजी की है और उनका शरीर भी इसके लिए तैयार है।उन्होंने कहा, वह हमेशा गेंद से प्रभावित करने की कोशिश कर रहे हैं, जो कि अच्छी चीज़ है। उन्हें गेंदबाजी पसंद है और वह ऐसे खिलाड़ी हैं जो हमेशा खेल में जुड़े रहना चाहते हैं। उन्होंने क्वींसलैंड के लिए हाल ही में उपयोगी गेंदबाजी की है, इसके अलावा उनके पास लेग स्पिन और ऑफ स्पिन का भी विकल्प है।

ऑस्ट्रेलियाई गेंदबाजों ने भारत को 150 रन पर समेटा

एजेंसी
पर्थ। जॉश हेजलवुड (चार विकेट) सहित अन्य गेंदबाजों के शानदार प्रदर्शन के दम पर ऑस्ट्रेलिया ने शुक्रवार को पहले टेस्ट मैच में भारतीय पारी को 150 के स्कोर पर समेट दिया है। भोजनकाल के बाद ऋषभ पंत और ध्रुव जुरेल संभल कर खेलते हुए स्कोर में अभी 12 रन जोडे थे कि मिचेल मार्श ने ध्रुव जुरेल (10) को मार्नस लाबुशन के हाथों कैच आउट कराकर भारत को पांचवां झटका दिया। इसके बाद 32वें ओवर में वॉशिंगटन सुंदर (चार) को भी मिचेल मार्श ने अपना शिकार बना लिया। एक समय भारत ने 73 रन पर अपने छह विकेट गवां दिये थे। ऐसे संकट के समय बल्लेबाजी करने आये नीतीश कुमार रेड्डी ने ऋषभ पंत के साथ पारी को संभालने का प्रयास किया। दोनों बल्लेबाजों के बीच सातवें विकेट के लिये 48 रनों की साझेदारी हुई है। 46वें ओवर में पैट कमिंस ने ऋषभ पंत (37) को आउट कर इस साझेदारी को तोड़ा। इसके बाद हर्षित राणा (सात) और

कप्तान जसप्रीत बुमराह (आठ) को जॉश हेजलवुड ने अपना शिकार बनाया। भारत का दसवां विकेट नीतीश कुमार रेड्डी के रूप में गिरा उन्होंने टीम के लिए सर्वाधिक (41) रन बनाये। भारत की पूरी टीम 49.4 ओवर में 150 के स्कोर पर सिमट गई। इससे पहले आज यहां ऑप्टस स्टेडियम में भारतीय कप्तान जसप्रीत बुमराह ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करने का फैसला किया। बल्लेबाजी करने उतरी भारतीय टीम की शुरुआत बेहद खराब रही उसने तीसरे ही ओवर में सलामी बल्लेबाज यशस्वी जायसवाल (शून्य) का विकेट गवां दिया। जायसवाल को मिचेल स्टार्क ने नेथन मैकस्वीनी के हाथों कैच आउट कराया। इसके बाद बल्लेबाजी करने आये देवदत्त पड़िक्कल, के एल राहुल के साथ संघर्ष करते दिखे। 11वें ओवर में जॉश हेजलवुड ने देवदत्त पडिक्कल (शून्य) को पेवलियन भेज दिया। पडिक्कल ने 24 गेंदे खेली और वे अपना खाता भी नहीं खोल सके। विराट कोहली (पांच) भी जॉश हेजलवुड का शिकार बने। भोजनकाल से पहले 23वें ओवर में मिचेल स्टार्क ने के एल राहुल (26) को आउट कर भारत को बड़ा झटका दिया। दिन के पहले सत्र का खेल समाप्त होने के समय भारत ने 25 ओवर में 51 रन पर अपने चार शीर्ष बल्लेबाजों के विकेट गवां कर संकट में थी।

ऑस्ट्रेलिया की ओर से जॉश हेजलवुड ने चार विकेट लिये। पैट कमिंस, मिचेल स्टार्क और मिचेल मार्श को दो-दो विकेट मिले।

भारत के खिलाफ मैच के लिए प्रधानमंत्री एकादश टीम में शामिल हुए बोलैंड, कोंस्टास, रेनशॉ

एजेंसी
मेलबर्न। स्कॉट बोलैंड कैनबरा में भारत के खिलाफ दो दिवसीय गुलाबी गेंद मैच में प्रधानमंत्री एकादश की ओर से खेलेंगे, ताकि टेस्ट श्रृंखला के दौरान जरूरत पड़ने पर वह खुद को मैच के लिए तैयार रख सकें। सैम कोंस्टास, जिन्होंने भारत ए के खिलाफ ऑस्ट्रेलिया ए के लिए खेला था, मैट रेनशॉ के साथ खेलेंगे, जिन्हें इस साल की शुरुआत में रिजर्व टेस्ट बल्लेबाज होने के बावजूद उस सीरीज के लिए नजरअंदाज कर दिया गया था। न्यू साउथ वेल्स के ऑलराउंडर जैक एडवर्ड्स टीम का नेतृत्व करेंगे। 30 नवंबर से 1 दिसंबर तक होने वाले मैच के लिए राज्य टीम के साथी ओली डेविस उनके साथ होंगे। राष्ट्रीय चयनकर्ता जॉर्ज बेली ने कहा, प्रधानमंत्री एकादश का मैच बेहद प्रतिभाशाली टीम के लिए दूसरे टेस्ट से पहले गुलाबी गेंद से खेले जाने वाले एकमात्र मैच में मजबूत भारतीय टीम के खिलाफ प्रभावित करने का अवसर प्रदान करता है। हम टेस्ट टीम के हिस्से के रूप में स्कॉट बोलैंड की मैच फिटनेस को बनाए रखने के अवसर का उपयोग कर रहे हैं। कोंस्टास ऑस्ट्रेलिया अंडर-19 टीम के चार सदस्यों में से एक हैं, जिसने इस साल की शुरुआत में विश्व कप जीता था, जो तेज गेंदबाज महली बियर्डमैन, चार्ली एंडरसन और एडेन ओकॉनर के साथ प्रधानमंत्री एकादश का हिस्सा होंगे। ऑस्ट्रेलिया के प्रधानमंत्री एंथनी अल्बानीस ने कहा, विराट कोहली, जसप्रीत बुमराह और ऋषभ पंत जैसे खिलाड़ियों वाली विश्व क्रिकेट की सर्वश्रेष्ठ टीमों में से एक भारत के खिलाफ खेलना टीम के लिए एक अद्भुत अनुभव होगा, खासकर यह जानते हुए कि दुनिया भर में लाखों प्रशंसक इस मैच को देखेंगे। यह मैच रोहित शर्मा के दौरे का पहला मैच होने की उम्मीद है, क्योंकि भारतीय कप्तान अपने दूसरे बच्चे के जन्म के बाद पर्थ टेस्ट में हिस्सा नहीं ले रहे हैं।

आईपीएल 2025 का सत्र 14 मार्च से होगा शुरू

एजेंसी
मुम्बई। इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) अगला सत्र 14 मार्च 2025 से शुरु होगा और फाइनल मुकाबला 25 मई को खेला जायेगा। फ्रेंचाइजी को भेजे गए ईमेल में आईपीएल के तीन सत्रों के लिए घोषित तारीखों के बारे में बताया गया है। घोषणा के अनुसार टूर्नामेंट का अगला सत्र 14 मार्च 2025 से शुरू होगा और फाइनल मुकाबला 25 मई को खेला जाएगा। वहीं 2026 का सत्र 15 मार्च से 31 मई तक चलेगा। जबकि 2027 का सत्र 14 मार्च से 30 मई तक होगा।

घोषणा के अनुसार पिछले सत्र की तरह 2025 सत्र में 74 मैच होंगे। हालांकि यह संख्या आईपीएल द्वारा 2022 में सूचीबद्ध 84 मैचों से दस कम है।नए चक्र के लिए टेंडर दस्तावेज में आईपीएल ने हर सत्र में मैचों की अलग अलग संख्या का वर्णन किया है। 2023 और 2024 में 74 मैच जबकि 2025 और 2026 में 84 और इस अनुबंध के अंतिम वर्ष यानी 2027 में 94 मैच खेले जाने का जिक्र था।

क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया (सीए) ने अपने सभी खिलाड़ियों अंतरराष्ट्रीय और घरेलू दोनों को 2025 सत्र में खेलने की मंजूरी दे दी है। इसके अलावा अधिकतर पूर्ण सदस्य देश इंग्लैंड, श्रीलंका बंगलादेश, दक्षिण अफ्रीका, न्यूजीलैंड, अफगानिस्तान, जिम्बाब्वे और वेस्टइंडीज के क्रिकेट बोर्डो ने अपने खिलाड़ियों को अगले तीन सत्र के लिए आईपीएल में खेलने की अनुमति दे दी है। इसमें पाकिस्तान शामिल नहीं है, जिनके खिलाड़ियों को 2011 के बाद से ही आईपीएल में खेलने का मौका नहीं मिला है।

टीम अबू धाबी ने अजमान बोल्ट्स को नौ विकेट से हराया

एजेंसी
अबू धाबी। अबू धाबी टी-10 क्रिकेट टूर्नामेंट में गेंदबाजों के शानदार प्रदर्शन के बाद कप्तान फिल साल्ट (नाबाद 54) और जॉनी बेयरस्टो (नाबाद 22) रनों की तूफानी पारी के दम पर टीम अबू धाबी(टीएबी) ने अजमान बोल्ट्स को नौ विकेट से शिकस्त दी। 80 रनों के लक्ष्य का पीछा करने उतरी टीम अबू धाबी ने 5.4 ओवर में एक विकेट के नुकसान पर 81 रन बनाकर मुकाबला नौ विकेट से जीत लिया। कप्तान फिल साल्ट ने 19 गेंदों में छह छक्के और दो चौके लगाते हुये (नाबाद 54) रनों की पारी खेली। जॉनी बेयरस्टो ने 14 गेंदों में चार चौके लगाते हुये (नाबाद 22) रन बनाये। पॉल स्टर्लिंग (शून्य) को जेसन बेहरेनडॉर्फ ने आउट किया। इससे पहले आज यहां टॉस जीत कर टीम अबू धाबी ने पहले गेंदबाजी करने का फैसला किया। अबू धाबी के गेंदबाजों ने कप्तान फिल साल्ट के फैसले से सही साबित करते हुए अजमान बोल्ट्स को निर्धारित 10

ओवर में आठ विकेट पर 79 के स्कोर पर रोक दिया। रवि बोपारा ने टीम अबू धाबी के लिए 13 गेंदों में सर्वाधिक (23) रन बनाये। शेवॉन डैनियल (22) और शेहान जयसूर्या (10) रन बनाकर आउट हुये। शेष पांच बल्लेबाज दहाई आंकड़े तक नहीं पहुंच सके। टीम अबू धाबी के लिए मार्क अडायर, जीशान नसीर, कदीम अल्लेने ने दो-दो विकेट लिये। रुम्मन रईस, काइल मेयर्स ने एक-एक बल्लेबाज को आउट किया।

अंतरराष्ट्रीय कबड्डी महासंघ ने डब्ल्यूएसकेएल 2025 को दी मंजूरी

एजेंसी
नई दिल्ली। अंतरराष्ट्रीय कबड्डी महासंघ (आईकेएफ) ने आधिकारिक तौर पर विश्व सुपर कबड्डी लीग (डब्ल्यूएसकेएल) 2025 के आयोजन की अनुमति दे दी है। लीग का आयोजन दक्षिण पूर्व एशियाई कबड्डी महासंघ (एसईएकेएफ) और थाईलैंड कबड्डी एसोसिएशन मिलकर करने जा रहा है।आईकेएफ ने डब्ल्यूएसकेएल की आयोजक संस्था एसजे अपलिफ्ट कबड्डी प्राइवेट लिमिटेड को एक बधाई देते हुए एक नोट जारी किया, जिसमें कबड्डी के प्रति उनके समर्पण और दृष्टिकोण की सराहना की गई है। उन्होंने कहा, कबड्डी लीग शुरू करना छोटी बात नहीं है, इसके लिए न केवल खेल की गहरी समझ की आवश्यकता है, बल्कि इस पारंपरिक खेल को बढ़ावा देने के लिए असाधारण कौशल और प्रतिबद्धता भी बेहद जरूरी हैउन्होंने आगे कहा, आपके प्रयास युवा एथलीटों को प्रेरित करेंगे और कबड्डी के विकास और लोकप्रियता में महत्वपूर्ण योगदान देंगे। डब्लूएसकेएल में आईकेएफ सदस्य देशों के खिलाड़ी शामिल होंगे। मैदान पर आने से पहले खिलाड़ियों की नीलामी की जाएगी, जिससे न केवल खिलाड़ियों को अपना कौशल दिखाने का अवसर मिलेगा, बल्कि उनको प्रोत्साहन मिलने के साथ ही लीग को विश्व स्तर पर मान्यता प्राप्त टूर्नामेंट का दर्जा भी प्राप्त होगा। दक्षिण पूर्व एशियाई कबड्डी फेडरेशन (एसईएकेएफ) ने एसजे अपलिफ्ट कबड्डी प्राइवेट लिमिटेड को 15 साल की अवधि के लिए डब्लूएसकेएल आयोजित करने का पूर्ण और विशेष अधिकार प्रदान किया है, ताकि लीग के विकास और सफलता के लिए दीर्घकालिक दृष्टिकोण सुनिश्चित किया जा सके। इसके अतिरिक्त, थाईलैंड कबड्डी एसोसिएशन ने एसजे अपलिफ्ट कबड्डी प्राइवेट लिमिटेड को लीग के एक मात्र और विशिष्ट निर्माता, संकल्पनाकर्ता और अधिकारधारक के रूप में भी समर्थन दिया है। 1एक्स स्पोर्ट्स डब्लूएसकेएल और लीग से संबंधित सभी ऑपरेशन का प्रबंधन करेगा।

पाकिस्तान के पूर्व ऑफ स्पिनर और अंपायर मोहम्मद नजीर का निधन

एजेंसी
लाहौर। पाकिस्तान के पूर्व ऑफ स्पिनर और अंपायर मोहम्मद नजीर का लंबी बीमारी के बाद लाहौर में निधन हो गया। वह 78 वर्ष के थे।

वह नजीर जूनियर के नाम से मशहूर थे। उन्होंने पाकिस्तान के लिए 14 टेस्ट और चार एकदिवसीय मैच खेले। उन्होंने अक्टूबर 1969 में न्यूजीलैंड के खिलाफ अपने पहले टेस्ट मैच में यादगार पारी खेली थी। नजीर ने अपनी पहली पारी में 99 रन देकर सात विकेट चटकाए। इसके अलावा उन्होंने नाबाद 29 रन बनाए और दूसरी पारी में भी 17 रन बनाकर नाबाद रहे। यह टेस्ट मैच ड्रा रहा था। पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) के अध्यक्ष मोहसिन नकवी ने कहा, पीसीबी की ओर से मैं हमारे पूर्व टेस्ट क्रिकेटर मोहम्मद नजीर के निधन पर अपनी संवेदना और दुख व्यक्त करता हूं। उन्होंने

कहा, हम अपनी गहरी संवेदनाएं व्यक्त करते हैं और उनके दोस्तों और परिवार के साथ दुख साझा करते हैं। पाकिस्तान क्रिकेट के लिए उनके योगदान को हमेशा याद रखा जाएगा।

बेंगलुरू बुल्स को हराकर हरियाणा स्टीलर्स फिर अंक तालिका के शीर्ष पर

एजेंसी
नोएडा। हरियाणा स्टीलर्स जीत की पटरी पर लौट आई है। हरियाणा की टीम ने नोएडा इंडोर स्टेडियम में खेले गए प्रो कबड्डी लीग के 11वें सीजन के 68वें मैच में बेंगलुरू बुल्स को 32-26 से हराकर एक बार फिर अंक तालिका में पहला स्थान हासिल कर लिया है, जिसे तेलुगू टाइटंस ने एक घंटे के लिए कब्जाया था। हरियाणा को 12 मैचों में नौवीं जीत मिली है। उसकी जीत में विनय (12), शिवम पटारे (5) के अलावा डिफेंस से संजय और मोहम्मदरेजा शादलू (4-4 अंक) का योगदान रहा। बुल्स के लिए अक्षित (7) ने रेड में और नितिन रावल (4) ने डिफेंस में चमक दिखाई। मैच के हीरो रहे विनय ने हरियाणा को अच्छी शुरुआत दिलाते हुए 4-1 की लीड दिलाई और फिर शिवम ने लगातार अंक बटोरते हुए 10 मिनट बाद स्कोर 11-6 कर

दिया। जयभगवान की रेड पर दो अंक लेकर बुल्स ने हरियाणा का पीछा करते हुए स्कोर 6-7 कर दिया था लेकिन फिर हरियाणा ने ऊंची उड़ान के साथ फासला 5 का कर दिया। चिंता की बात यह कि बुल्स आलआउट की कगार पर थे। ब्रेक के बाद शादलू ने दोनों डिफेंडर्स का शिकार कर बुल्स को आलआउट कर दिया। अब हरियाणा 15-6 से आगे हो गए थे। बीते 5 मिनट में हरियाणा ने 3 के मुकाबले 10 अंक लेकर पकड़ मजबूत कर ली थी।आलइन के बाद पांच मिनट के खेल में भी हरियाणा ने दबाव बनाए रखते हुए 19-9 की लीड बना रखी। इस बीच डू ओर डाई रेड पर दोनों टीमों को अंक मिला। सारी कोशिशों के बावजूद बुल्स के रेडर्स अंक नहीं ले पा रहे थे। डिफेंस कोशिशें कर रहा था लेकिन बावजूद इसके हाफटाइम तक फासला 21-12 का बना हुआ था। हरियाणा के लिए हालांकि सुपर टैकल आन था। इस बीच जयभगवान तीन के डिफेंस में डू ओर डाई रेड पर आए और शादलू का शिकार कर लिया। फिर बुल्स ने हरियाणा को आलआउट कर स्कोर 17-22 कर दिया। आलइन के बाद हरियाणा ने लगातार तीन अंक लेकर फासला 8 का कर दिया। प्रतीक ने हालांकि डू ओर डाई रेड पर शिवम का शिकार कर लिया और फिर अक्षित ने इसी तरह की रेड में शादलू का शिकार कर स्कोर 19-25 कर दिया। फिर हरियाणा ने लगातार दो अंक लेकर 30 मिनट की समाप्ति तक फासला 8 का कर दिया। विनय अपना सुपर-10 पूरा कर चुके थे। हरियाणा ने लगातार दो अंक लेकर फिर पकड़ मजबूत करनी शुरू की। उसने बुल्स को सुपर टैकल सिचुएशन में डाल दिया था। इस बीच विनय डू ओर डाई रेड पर आए और लपके गए। अब स्कोर 22-29 हो गया था।

सात्विक-चिराग की जोड़ी क्वार्टरफाइनल में, पीवी सिंधु हारी

एजेंसी
शेन्जेन। भारत की सात्विकसाईराज रंकीरेड्डी और चिराग शेट्टी की पुरुष युगल जोड़ी और लक्ष्य सेन ने डेनमार्क के खिलाड़ियों को हराकर चाइना मास्टर्स बैडमिंटन टूर्नामेंट के क्वार्टरफाइनल में जगह बनाई। वहीं महिला एकल वर्ग में दो बार की ओलंपिक पदक विजेता पीवी सिंधु राउंड ऑफ 16 में हारकर बाहर हो गई है।आज यहां खेले गये मुकाबले में सात्विकसाईराज रंकीरेड्डी और चिराग शेट्टी की पुरुष युगल जोड़ी ने 15वें स्थान पर मौजूद डेनमार्क की रासमस कजेर और फेडरिक सोगार्द की जोड़ी को 21-19, 21-15 से मात दी।

सात्विक और चिराग की जोड़ी ने पहले गेम शुरुआती बढ़त हासिल की, लेकिन डेनमार्क की जोड़ी ने 12-12 से स्कोर बराबर कर दिए। इसके बाद दोनों टीमों के बीच बराबरी का मुकाबला हुआ, लेकिन भारतीय जोड़ी ने आखिर में 21-19 से पहला गेम अपने नाम किया। दूसरे गेम में अपनी लय को बरकरार रखते हुए सात्विक और चिराग की जोड़ी ने 17-12 की बड़ी बढ़त बना ली और इस गेम को आसानी से जीतकर क्वार्टरफाइनल में जगह बनाई।क्वार्टरफाइनल में भारतीय जोड़ी का सामना दूसरी वरीयता प्राप्त किम एस्ट्रप और एंडर्स स्कारुप रासमुसेन की जोड़ी से होगा। वर्ल्ड रैंकिंग में 17वें स्थान पर काबिज लक्ष्य सेन ने 30वें स्थान पर मौजूद डेनमार्क के रासमस गेम्के को 21-16, 21-18 से हराकर क्वार्टरफाइनल में जगह बनाई। लक्ष्य सेन ने पहले गेम से ही मैच पर अपनी पकड़ मजबूत रखी और पहले गेम की अच्छी शुरुआत करते हुए 7-2 की बढ़त हासिल की। भारतीय खिलाड़ी ने अपनी बढ़त को बनाए रखा और 21-16 से जीत दर्ज की। दूसरा गेम भी लक्ष्य के नाम रहा, भारतीय युवा शटलर ने शानदार शॉट्स के दम पर इस गेम में भी जीत दर्ज की। महिला वर्ग में भारतीय बैडमिंटन खिलाड़ी पीवी सिंधु को एक घंटा नौ मिनट तक चले मुकाबले में 13वें रैंक पर मौजूद सिंगापुर की येओ जिया मिन ने 16-21,21-17, 21-23 से हार का सामना करना पड़ा। पहले गेम में विश्व बैडमिंटन रैंकिंग में 19वें स्थान पर काबिज भारतीय खिलाड़ी 11-6 से पीछे होने के बाद लगातार अंक हासिल किए और स्कोर को बराबरी पर ला दिया। लेकिन इसके बाद येओ जिया मिन ने सिंधु को वापसी का कोई मौका नहीं दिया और 21-16 से जीत दर्ज की। दूसरे गेम में सिंधु ने जबरदस्त वापसी की और शुरुआती बढ़त को बरकरार रखते हुए मैच को निर्णायक गेम तक पहुंचाया। तीसरे गेम में सिंधु ने शुरुआती बढ़त बरकरार रखते हुए स्कोर 13-9 की लीड हासिल कर ली। लेकिन इसके बाद येओ जिया मिन ने गेम में वापसी की और करीबी गेम में 23-21 से जीत हासिल कर ली। छह मुकाबलों में येओ जिया मिन के खिलाफ सिंधु की यह पहली हार थी। भारतीय मिश्रित युगल जोड़ी बी सुमित रेड्डी/एन सिक्की रेड्डी ने पीपुल्स रिपब्लिक ऑफ चाइना के शीर्ष वरीय फेंग यान झे-हुआंग डोंग पिंग को वॉकओवर दिया और इस जोड़ी का अभियान समाप्त हो गया। महिला एकल में 50वें स्थान की खिलाड़ी आकर्षी कश्यप को 26वें स्थान की जापान की नात्सुकी निदाइरा के खिलाफ मैच में सीधे गेम 21-7, 21-14 से हार मिली। वहीं, 36वें स्थान की खिलाड़ी मालविका बसोड़ भी दूसरे राउंड से आगे नहीं बढ़ सकीं। मालविका को आठवीं वरीयता प्राप्त सुपानिदा काटेथोंग से सीधे गेम में 21-9, 21-9 से हार का सामना करना पड़ा।

बंगाल वारियर्स को हराकर पहली बार अंक तालिका के शीर्ष पर पहुंचे तेलुगू टाइटंस

एजेंसी
नोएडा। तेलुगू टाइटंस ने शानदार खेल दिखाते हुए नोएडा इंडोर स्टेडियम में खेले गए प्रो कबड्डी लीग के 11वें सीजन के 67वें मैच में बंगाल वारियर्स को 31-29 से हराते हुए पहली बार अंक तालिका के शीर्ष पर कब्जा जमा लिया है। टाइटंस ने बीते छह मैचो में पांच और कुल आठवीं जीत के साथ यह मुकाम हासिल किया है। टाइटंस को इस मुकाम तक पहुंचाने में विजय मलिक (14) का अहम योगदान है। उनके अलावा डिफेंस से शंकर गदई (3) और अंकित (3) ने सराहनीय खेल दिखाया। बंगाल के लिए प्रणय राने ने सबसे अधिक 9 अंक जुटाए। बंगाल को लगातार चौथी और 11 मैचों में छठी हार मिली है। इस जीत की नीव शुरुआत में ही रख दी गई थी क्योंकि चार बदलाव के साथ उतरी बंगाल के खिलाफ चार मिनट के भीतर ही 4-1 की लीड बना ली थी। इसके बाद डू ओर डाई रेड पर दोनों टीमों ने अंक लिए। इसके बाद हालांकि बंगाल ने लगातार दो अंक लेते हुए स्कोर 4-5 कर दिया। इस बीच विजय की रेड पर दो डिफेंडर सेल्फ आउट हुए और एक टच प्वाइंट मिला। टाइटंस अब 8-4 से आगे थे। विजय ने अगली रेड पर वैभव का भी शिकार कर लिया। अब टाइटंस को पांच अंक की लीड मिली हुई थी। इसके बाद टाइटंस बंगाल को सुपर टैकल सिचुएशन में लाए। स्कोर 12-6 था। बंगाल दो के डिफेंस में खेल रहे थे। मैट पर फजल और दीपक थे लेकिन डू ओर डाई रेड

पर विजय ने फजल का शिकार कर लिया। फिर डिफेंस ने विश्वास को लपक बंगाल को आलआउट कर 16-7 की लीड ले ली। बंगाल के रेडर्स अंक नहीं निकाल रहे थे और डिफेंस भी लगातार गलतियां कर रहा था। डू ओर डाई रेड पर नितिन के बोनस लेने क बाद विजय ने दो अंक की रेड के साथ हाफटाइम तक स्कोर 19-9 कर दिया। हाफटाइम के बाद विजय ने तीसरा सुपर-10 पूरा किया। अगले चार मिनट में दोनों टीमों ने 3-3 अंक लिए लेकिन टाइटंस ने 10 का फासला बनाए रखा था। बंगाल ने अपने खेल में सुधार किया लेकिन वह 9 और 10 के फासले को कम नहीं कर पा रहे थे। इस बीच विजय ने फजल का शिकार कर बंगाल को बड़ा झटका दिया। 30 मिनट बाद भी टाइटंस 10 अंक से आगे थे। नितिन और प्रणय अंक निकाल रहे थे और बंगाल का डिफेंस संभलकर खेल रहा था। इस बीच विजय को पहली बार टैकल कर परवीन ने फासला 7 का कर दिया लेकिन अंकित द्वारा प्रणय के सुपर टैकल होने के साथ ही स्कोर 27-18 हो गया। सुशील ने हालांकि सुपर टैकल सिचुएशन में सागर को आउट किया और फिर बंगाल ने टाइटंस को आलआउट कर स्कोर 27-23 कर दिया। टाइटंस ने हालांकि फासले को 6 तक पहुंचाया लेकिन सुशील के मल्टी प्वाइंट की बदौलत बंगाल ने इसे 4 का कर दिया। अब सवा दो मिनट बचे थे। इस बीच शंकर ने सुशील को लपक फासला 5 का कर दिया। फिर डू ओर डाई रेड पर आशीष ने एक अंक लेकर अपनी टीम की जीत लगभग तय कर दी। इसके बाद हालांकि बंगाल ने दो अंक हासिल किए लेकिन टाइटंस ने रणनीति के तहत पांच के डिफेंस में खेलने का फैसला किया। टाइटंस ने एक और खिलाड़ी की बलि दी और फिर डू ओर डाई रेड पर विजय ने भी अपनी बलि दे दी। इसके साथ टाइटंस ने यह मैच 31-29 से जीत लिया।

अब नहीं नजर आएंगी

प्रीता अरोड़ा

8 साल 2036 एपिसोड के बाद बंद हो रहा एकता कपूर का शो

पिछले सात सालों से रात को 9.30 बजे अपने चाहने वालों का मनोरंजन करने वाली प्रीता अब ज़ी टीवी पर नजर नहीं आएंगी. सिर्फ प्रीता ही नहीं बल्कि करण, राजवीर, शौर्या और पल्की के साथ पूरी लूथरा फैमिली ऑडियंस से विदा लेने जा रही हैं. दरअसल, एकता कपूर का सीरियल 'कुंडली भाग्य' जल्द ही ऑफ एयर होने वाला है. अगले महीने के 6 दिसंबर को ज़ी टीवी के इस मशहूर शो का आखिरी एपिसोड टीवी पर टेलीकास्ट किया जाएगा. अब सवाल ये पूछा जा रहा है कि ज़ी टीवी का नंबर वन शो अच्छी रेटिंग के बावजूद इस तरह से अचानक क्यों बंद हो रहा है? आइए इस पर विस्तार से बात करते हैं.सीरियल 'कुंडली भाग्य' में टीवी एक्ट्रेस श्रद्धा आर्या 'प्रीता' का किरदार निभा रही थीं और धीरज धूपर इस सीरियल में क्रिकेटर करण लूथरा के किरदार निभा रहे थे. लेकिन जब दो साल पहले धीरज धूपर ने एकता कपूर के शो को अलविदा कहा, तब श्रद्धा आर्या ने अपने कंधों पर इस पूरे शो की जिम्मेदारी संभाली थी. धीरज के किरदार को दो बार रिप्लेस किया गया. धीरज के जाने के बाद शक्ति अरोड़ा 'करण' बने और फिर लीप के बाद शक्ति आनंद को नया 'करण' बनाया गया.

जल्द ऑफ एयर होगा शो

अक्सर शो में 20 साल का लीप आने के बाद यंग एक्ट्रेस टीवी सीरियल छोड़ देती हैं. लेकिन श्रद्धा आर्या ने ऐसा नहीं किया. उन्होंने टीवी सीरियल में 20 साल के बच्चों की मां का किरदार भी शिद्दत से निभाया. श्रद्धा के इस पैशन के चलते 7 साल तक कुंडली भाग्य ने टीआरपी चार्ट पर अच्छी रेटिंग बरकरार रखी. लेकिन प्रेग्नेंसी के चलते जब श्रद्धा आर्या ने इस शो से ब्रेक लेने का फैसला लिया, तब मेकर्स ने फैसला लिया कि वो शो ऑफ एयर करेंगे, क्योंकि वो भी अच्छी तरह से जानते हैं कि प्रीता के बिना ये शो चलना मुश्किल ही नहीं नामुमकिन है. अब श्रद्धा के बाद इस सीरियल में राजवीर का किरदार निभाने वाले पारस कलनावत ने भी इस शो को अलविदा कहा है.

तोड़ दिए थे टीआरपी के कई रिकॉर्ड

दरअसल 'कुंडली भाग्य' ज़ी टीवी के मशहूर टीवी सीरियल 'कुमकुम भाग्य' की स्पिन ऑफ सीरीज है. लेकिन इस सीरियल ने लॉन्च होते ही 'कुमकुम भाग्य' को भी पीछे छोड़ दिया था. 'अनुपमा' ऑन एयर होने से पहले तक श्रद्धा आर्या का ये सीरियल टीआरपी चार्ट पर नंबर वन पर था. 7 साल से चल रहे इस टीवी सीरियल के अब तक 2036 एपिसोड ऑन एयर हुए हैं.

आर्यन खान

की डेब्यू वेब सीरीज का शाहरुख ने किया ऐलान, साथ में बेटे को दे डाली ये सलाह

बॉलीवुड सुपरस्टार शाहरुख खान की तरह ही उनके बेटे आर्यन खान ने भी फिल्मों की दुनिया में ही अपनी राह तलाश ली है. काफी समय से आर्यन के डेब्यू को लेकर चर्चा थी. इसपर काम भी चल रहा था, लेकिन अभी तक ऑफिशियल अनाउंसमेंट नहीं की गई थी. अब आर्यन खान के डेब्यू प्रोजेक्ट की आधिकारिक घोषणा कर दी गई है. खुद शाहरुख खान ने ये खुशखबरी सोशल मीडिया के जरिए फैंस संग शेयर की है. इस मौके पर लोग उन्हें बेस्ट विशेज देते नजर आ रहे हैं. ये सीरीज बॉलीवुड पर बनी है जिसका निर्देशन आर्यन खान ने किया है.शाहरुख खान ने एक्स पर इस बात की जानकारी शेयर की है. उन्होंने लिखा- वो बेहद खास दिन होता है जब ऑडियंस के सामने कोई नई कहानी परोसी जाती है. आज रेड चिलीज के लिए और भी स्पेशल दिन है. इसी के साथ आर्यन खान अपनी नई वेब सीरीज के साथ ऑडियंस के बीच दस्तक देने के लिए तैयार हैं.

शाहरुख खान ने बेटे को दी नसीहत

सीरीज की ऑफिशियल अनाउंसमेंट करने के साथ ही शाहरुख खान ने अपने बेटे आर्यन को एक नसीहत भी दी. उन्होंने कहा- 'बेबाकी, हलचल, ढेर सारी मस्ती और इमोशन्स के साथ स्टोरी टेलिंग आ रही है. जाओ आर्यन बेटा और लोगों का खूब मनोरंजन करो. साथ ही ये याद रखना कि जीवन में शो बिजनेस जैसा कोई दूसरा बिजनेस नहीं है.' इस सीरीज की बात करें तो इसका निर्माण आर्यन की मम्मी और शाहरुख खान की वाइफ गौरी खान ने किया है.सीरीज की बात करें तो ये बॉलीवुड के अब तक के सफर पर एक डॉक्यु सीरीज है. ये सीरीज साल 2025 में आएगी. फिलहाल सीरीज के बारे में बहुत ज्यादा जानकारी भी डिस्क्लोज नहीं की गई है. शाहरुख की अनाउंसमेंट के बाद से लोग आर्यन को उनके अगामी सफर के लिए शुभकामनाएं दे रहे हैं.

सलमान खान की 25 साल पुरानी फिल्म का ट्रेलर आउट, इस दिन फिर रिलीज होगी 'बीवी नंबर 1'

90 के दशक में सलमान खान और उनकी फिल्मों ने लोगों के दिलों पर राज किया है. आज भी लोग सलमान की पुरानी फिल्मों को बड़े मजे से देखना पसंद करते हैं. बीते कुछ महीनों में देखा गया है कि पुरानी हिट फिल्मों को फिर से सिनेमाघरों में रिलीज किया जा रहा है. इस लिस्ट में शाहरुख खान से लेकर रणबीर कपूर तक की फिल्मों के नाम शामिल हैं. अब बारी सलमान खान की है. सुपरस्टार सलमान की 25 साल पुरानी फिल्म फिर से थिएटर में दस्तक देने जा रही है, जिसका ट्रेलर भी रिलीज कर दिया गया है.सलमान खान, करिश्मा कपूर और सुष्मिता सेन स्टारर फिल्म 'बीवी नंबर 1' साल 1999 की सबसे ज्यादा कमाई करने वाली फिल्मों में से एक है. अब 25 साल बाद मेकर्स इस कॉमेडी-ड्रामा फिल्म को फिर से रिलीज कर रहे हैं. मेकर्स ने इस फिल्म का ट्रेलर भी रिलीज कर दिया है. ये तो सभी जानते हैं कि पुरानी फिल्मों के ट्रेलर नहीं हुआ करते थे. ऐसे में मेकर्स ने पहली बीर 'बीवी नंबर 1' का ट्रेलर रिलीज किया है.

'बीवी नंबर 1' की रिलीज डेट आई सामने

इतना ही वहीं 'बीवी नंबर 1' की रिलीज की तारीख भी सामने आ गई है. सलमान खान की ये फिल्म इसी महीने फिर से रिलीज हो रही है. इस फिल्म को डेविड धवन ने डायरेक्ट किया था और अब ये फिल्म 29 नवंबर को सिनेमाघरों में दस्तक देने जा रही है. पूजा एंटरटेनमेंट के ऑफिशियल पेज पर 'बीवी नंबर 1' का ट्रेलर शेयर किया गया है, जिसपर फिल्म की रिलीज डेट भी दी गई है.

25 साल बाद फिर से रिलीज हो रही है 'बीवी नंबर 1'

इस फिल्म को देखने के लिए फैन्स के बीच एक्साइटमेंट नजर आ रही है. 25 साल पहले जब ये फिल्म रिलीज हुई थी, तो इसने जमकर कमाई की थी. महज 12 करोड़ के खर्चे के साथ बनी इस फिल्म ने साल 1999 में 25.55 करोड़ का शानदार कलेक्शन कर मेकर्स को मालामाल कर दिया था. इस फिल्म ने दुनियाभर में 49.77 करोड़ का कलेक्शन किया था. सलमान खान की 'बीवी नंबर 1' उनकी बेहतरीन फिल्मों में से एक है.

जिस एक्ट्रेस के पति ने 'पुष्पा 2' को हिंदी में हिट कराने की ली जिम्मेदारी, वो बढ़ाएगी कार्तिक आर्यन की टेंशन!

कार्तिक आर्यन इस वक्त फुल स्पीड के साथ फिल्में साइन कर रहे हैं. बड़े-बड़े डायरेक्टर्स उनके साथ काम करना चाहते हैं. सबसे खास बात यह है कि उनकी फिल्मों को बढ़िया रिस्पॉन्स मिला है. हाल ही में उनकी 'भूल भुलैया 3' ने सिनेमाघरों में दस्तक दी है, जिसने खूब पैसे छाप लिए है. इसी बीच उनकी अगली फिल्म 'पति पत्नी और वो 2' को लेकर बड़ा अपडेट आ गया है.

कार्तिक आर्यन के खाते में इस वक्त कई बड़ी फिल्में हैं. इनमें से एक है-'पति पत्नी और वो 2'. हाल ही में बॉलीवुड हंगामा पर एक रिपोर्ट छपी. इससे पता लगा कि पिक्चर में उस एक्ट्रेस की एंट्री हो गई है, जिसके पति ने हिंदी में 'पुष्पा 2' को हिट कराने की जिम्मेदारी ली है.

कार्तिक आर्यन की फिल्म में किसकी एंट्री ?

जो रिपोर्ट हाल ही में सामने आई है, उससे पता लगा कि कार्तिक की फिल्म में रवीना टंडन का रोल कंफर्म हो गया है. वो 'पति पत्नी और वो 2' के लिए मुदस्सर अजीज से बातचीत कर रही हैं.

इस सीक्वल में उनका सिजलिंग रोल होने वाला है. उनका किरदार फिल्म के नए एंगल को इंटरेस्टिंग बनाएगा. ऐसा भी कहा जा रहा है कि फिल्म में जो रवीना टंडन का रोल होगा, वो कार्तिक आर्यन की टेंशन बढ़ाएगा.

दरअसल कार्तिक आर्यन के कैरेक्टर की जिंदगी में रवीना टंडन बहुत सारा कन्फ्यूजन क्रिएट करने वाली हैं. फिलहाल इस फिल्म की स्क्रिप्ट पर काम चल रहा है. साल 2025 की गर्मियों तक यह फ्लोर पर आ जाएगी. 'भूल भुलैया 3' के बाद यह अगली वो फ्रेंचाइजी है, जिसे कार्तिक आर्यन अपने नाम से पहचान दिला सकते हैं. खैर, फिल्म में कार्तिक आर्यन के अलावा भूमि पेडनेकर काम करने वाली हैं. पहले पार्ट की तरह ही वो पत्नी का रोल करेंगी.

किसने ली 'पुष्पा 2' की जिम्मेदारी ?

दरअसल रवीना टंडन के पति अनिल थडानी हैं. उनके पति की कंपनी है- एए फिल्म्स. अनिल थडानी की एए फिल्म्स ने रिकॉर्ड कीमत देकर 'पुष्पा 2' को नॉर्थ इंडिया में रिलीज करने के राइट्स खरीदे हैं. वो देश के सबसे बड़े डिस्ट्रीब्यूटर्स में से एक हैं. यह राइट्स उन्होंने 200 करोड़ रुपये में खरीदे.